रांची, गुरुवार

06.08.2026

वर्ष : 11, अंक : 245, पृष्ठ : 12

मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरें हमारी, विश्वास आपका

11 बिहान भारत

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच संसदीय लोकतंत्र, संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा तथा जनहित एवं राष्ट्रहित से जुड़े समसामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में संसदीय परंपराओं को मजबूत बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। नीतीश कुमार ने लोकसभा अध्यक्ष के रूप में ओम बिरला द्वारा सदन की गरिमा, संसदीय मयार्दाओं और लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। दोनों नेताओं ने लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान, संविधान की भावना के अनुरूप कार्य करने तथा जनसेवा और राष्ट्रहित के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने लोकतांत्रिक संवाद को और अधिक प्रभावी बनाने तथा संसद की गरिमा बनाए रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

कैबिनेट सचिव सोमनाथन और गृह सचिव मोहन को मिला एक साल का कार्यविस्तार

नई दिल्ली। कैबिनेट सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन और गृह सचिव गोविंद मोहन को एक साल का कार्य विस्तार दिया गया है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने सेवा विस्तार को मंजूरी दी। बुधवार को अलग-अलग आदेश में इसकी जानकारी दी गई। कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन अगले साल 30 अगस्त और केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन अगले साल 22 अगस्त तक अपने पद पर बने रहेंगे। अर्थशास्त्र में पीएचडी प्राप्त पूर्व वित्त सचिव सोमनाथन ने 30 अगस्त 2024 को दो वर्ष के प्रारंभिक कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण किया था। वहीं, सिक्किम कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी गोविंद मोहन ने संस्कृति सचिव के रूप में कार्य करने के बाद अगस्त 2024 में यह पदभार ग्रहण किया था। यह उनकी प्रारंभिक सेवानिवृत्ति तिथि के बाद दूसरा कार्यकाल विस्तार है।

झारखंड विस का मानसून सत्र आज से, स्पीकर ने सदन चलाने के लिए सभी दलों से मांगा सहयोग

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र छह अगस्त से शुरू हो रहा है। 12 अगस्त तक चलने वाले इस बार के मानसून सत्र में पांच कार्य दिवस होंगे। सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए विधानसभाध्यक्ष (स्पीकर) रबीन्द्रनाथ महतो ने बुधवार को विधायी दल के नेताओं के साथ बैठक की। स्पीकर कक्ष में हुई बैठक में सदन के नेता और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, माले विधायक अरुप चटर्जी, लोजपा विधायक जनार्दन पासवान, राजद विधायक दल के नेता सुरेश पासवान, जेएलकेएम के जयराम महतो सहित अन्य मौजूद थे। इस बैठक में सदन की कार्यवाही

सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग करने के लिए सभी विधायी दलों के नेताओं से स्पीकर की ओर से आग्रह किया गया।

बैठक में मानसून सत्र के औपबंधिक कार्य दिवसों के संबंध में गहन विचार-विमर्श हुई। विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक दल के नेताओं से कहा कि सत्र अपेक्षाकृत छोटा होने के बावजुद, हमें विचार करना चाहिए कि समय का सदुपयोग जनहित में किस प्रकार किया जा सके। बैठक में विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा कराने पर विमर्श हुआ जिसका निर्णय कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में लिये जाने पर सहमति बनी ताकि सदन के भाव के अनुरूप चर्चा के विषय निर्धारित किए जा सके।

संसदीय कार्यमंत्री ने बैठक में अनुपूरक बजट पर चर्चा के समय को विस्तृत करने की भी बात कही ताकि सदस्यों को विभिन्न मुद्दों पर बात करने का पर्याप्त समय मिल सके।

इसके अलावा विधायी दलों की बैठक में जेपीएससी छात्रों का आंदोलन और कृषि पर विशेष चर्चा कराने का आग्रह किया गया।

बैठक में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इस संबंध में स्पीकर ने कार्यमंत्रणा की बैठक में इसपर निर्णय लेने की बात कही है। बैठक में छात्रों के धरना स्थल पर सरकार की ओर से एक शिष्टमंडल भेजने का आग्रह जयराम महतो ने किया। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री के नेतृत्व में सरकार का प्रतिनिधि छात्रों से बात करे और 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा सहित जेएसएससी की अन्य परीक्षा को भी रद्द करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैठक में कृषि की स्थिति पर भी विशेष चर्चा की मांग रखी गई है।

संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि बैठक में छात्रों के आंदोलन और सुखाड़ की स्थिति पर चर्चा हुई है और स्पीकर ने कार्यमंत्रणा में निर्णय लेने की बात कही है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से कोई शिष्टमंडल जाने का निर्णय करेंगे और इस संबंध में अभी फिलहाल कोई निर्णय नहीं हुआ है। इस संबंध में जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मीडिया कर्मियों की ओर से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सरकार के द्वार हमेशा खुले हुए हैं, कोई भी आकर के बात कर सकता है। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र को लेकर बैठक में चर्चा हुई है और सत्ता पक्ष पूरी तरह से तैयार है। इस बार का मानसून सत्र जेपीएससी सहित अन्य मुद्दों को लेकर हंगामेदार होने के आसार हैं। चालू वित्तीय वर्ष का पहला अनुपूरक बजट 07 अगस्त को पेश किया जाएगा।

पांच दिवसीय इस सत्र के पहले दिन छह अगस्त को शोक प्रकाश के अलावा सामान्य कामकाज निपटाए जाएंगे। वहीं सात अगस्त को पहली पाली में प्रश्नकाल के बाद चालू वित्तीय वर्ष का पहला अनुपूरक बजट सरकार की ओर से पेश किया जाएगा। 08 और 09 अगस्त को शनिवार और रविवार की वजह से अवकाश रहेगा। वहीं 10 अगस्त को पहली पाली में प्रश्नकाल और दूसरी पाली में अनुपूरक बजट पर वाद-विवाद के बाद संबंधित विनियोग विधेयक सदन से पारित कराया जाएगा। 11 अगस्त को पहली पाली में प्रश्नकाल और दूसरी पाली में राजकीय विधेयक पेश किए जाएंगे। सत्र के अंतिम दिन 12 अगस्त को पहली पाली में प्रश्नकाल और दूसरी पाली में राजकीय विधेयक पेश किए जाएंगे और गैर सरकारी संकल्प पेश किए जाएंगे।

वहीं दूसरी ओर विधानसभा अध्यक्ष ने झारखंड विधानसभा के षष्ठम (मानसून) सत्र के सुचारु प्रसारण एवं प्रकाशन के निमित्त विधान सभा के पत्रकार दीर्घा समिति के साथ भी बैठक की, जिसमें पत्रकार दीर्घा समिति के संयोजक के साथ दीर्घा समिति के अधिकतर सदस्य उपस्थित रहे ।

विधानसभा सत्र को लेकर सत्ता पक्ष ने विपक्ष को मात देने के लिए बनाई फुल-प्रूफ रणनीति

बिभा संवाददाता

रांची। विधानसभा सत्र को लेकर सत्ता पक्ष ने विपक्ष को मात देने की लिए रणनीति बनाई है। झारखंड विधानसभा के 06 से 12 अगस्त तक चलने वाले मानसून सत्र के पहले बुधवार को डॉ श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में सत्ता पक्ष के मंत्रियों और विधायकों की बैठक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई।

इस उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के राजू भी विशेष रूप से शामिल हुए। बैठक के दौरान आगामी सत्र को लेकर सत्ता पक्ष ने विपक्ष को हर मोर्चे पर घेरने और छात्र आंदोलन से जुड़े सवालों का करारा और तथ्यात्मक जवाब देने के लिए पूरी तरह से ह्यफुल-प्रूफह्न रणनीति तैयार की गई।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में यह सर्वसम्मति

से तय किया गया कि सदन के भीतर विपक्ष की ओर से छात्र आंदोलन और भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों के उठाए जाने वाले मुद्दों पर केवल बचाव की मुद्रा में रहने के बजाय आक्रामक रुख अपनाया जाएगा। सत्ता पक्ष सदन में भाजपा के पिछले शासनकाल के दौरान हुई गड़बड़ियों और उन मामलों में वर्षों से चल रही सीबीआई जांच की सुस्त रफ्तार को सदन को रखेगा । इसके साथ ही, सरकार का यह भी पक्ष मजबूती से रखा जाएगा कि छात्रवृत्ति की राशि जारी करने में केंद्र सरकार की ओर से झारखंड के साथ लगातार भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सत्ता पक्ष के सभी विधायकों को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि वे पूरी तैयारी, पुख्ता आंकड़ों और सजगता के साथ सदन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं।

छात्र आंदोलन और उसके समाधान को लेकर सरकार की ओर से गठित कमेटी के स्वरूप पर चल रही चचाओं के बीच, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट किया है। उन्होंने मीडिया के समक्ष साफ किया कि सरकार की ओर से बनाई गई इस विशेष कमेटी का मुख्य उद्देश्य छात्रों के साथ सीधी वार्ता करना नहीं, बल्कि पूरे छात्र आंदोलन की गतिविधियों पर लगातार और बारीकी से नजर बनाए रखना है। वित्त मंत्री ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि प्रशासन ने अपनी मंशा और उठाए जा रहे कदमों से छात्रों को अवगत करा दिया है और कानूनी रूप से जो भी आवश्यक कार्रवाई है, वह की जा रही है। उन्होंने आंदोलन के व्यावहारिक समाधान का संकेत देते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियों में कई बार संतुलन बनाने के लिए छात्रों को भी थोड़ा लचीला रुख अपनाना पड़ सकता है, तो वहीं सरकार भी कदम आगे बढ़ाने के लिए तैयार है।

वहीं, विधायक दल की बैठक के बाद कांग्रेस विधायक अनूप सिंह (जयमंगल सिंह) ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार या किसी भी तरह की गड़बड़ी को लेकर पूरी तरह सख्त रुख अपनाए हुए हैं। अनूप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया है कि यदि जांच के सिलसिले में ह्यसीएम हाउसह्न में भी छापेमारी करने की जरूरत पड़ेगी, तो प्रशासन पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस गड़बड़ी में चाहे सरकार के अंदर के लोग शामिल हों या सरकार के बाहर के, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती विवाद पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यपाल से की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को लोक भवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की नियुक्ति प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं तथा इसके विरोध में रांची में चल रहे छात्र आंदोलन की जानकारी राज्यपाल को दी।

बैठक के दौरान राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने छात्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भर्ती एवं परीक्षा प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, निष्पक्षता और युवाओं का विश्वास हर हाल में कायम रहना चाहिए। राज्यपाल ने कथित अनियमितताओं को गंभीर विषय बताते हुए कहा कि आयोगों की कार्यप्रणाली ऐसी होनी

चाहिए, जिससे उनकी पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर किसी प्रकार का प्रश्नचिह्न न लगे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यपाल को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार छात्रों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी उपस्थित थे।

होर्मुज स्ट्रेट पर नई सहमति, लेकिन खतरा अभी टला नहीं: ईरान

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही के लिए नए समुद्री मार्ग की भौगोलिक रूपरेखा पर ओमान के साथ सहमति बन गई है। हालांकि, तेहरान ने स्पष्ट किया कि इस समझौते के बावजूद क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि दोनों देश समझौते की संयुक्त घोषणा की अंतिम तैयारियों में जुटे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि कोई बाहरी

हस्तक्षेप नहीं हुआ तो जल्द ही इसकी औपचारिक घोषणा की जाएगी।

बघई ने कहा कि नए समुद्री मार्ग पर सहमति का उद्देश्य होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही को अधिक व्यवस्थित बनाना है।

हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस समझौते का यह अर्थ नहीं है कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह सुरक्षित हो गया है। उनके अनुसार, यदि अमेरिका की सैन्य गतिविधियां और क्षेत्र में दबाव की नीति जारी रहती है, तो इस रणनीतिक जलमार्ग की सुरक्षा पर खतरा बना रहेगा।

उल्लेखनीय है कि होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र की सुरक्षा और नौवहन व्यवस्था पर दुनिया की लगातार नजर बनी हुई है।

अनुच्छेद 370 का हटना जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के विकास में नया अध्याय: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से अनुच्छेद 370 की रुकावट हटने की आज 7वीं वर्षगांठ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर कहा कि सात वर्ष पूर्व अनुच्छेद 370 और 35(ए) इतिहास बन गए। इससे जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख के विकास में एक निर्णायक नया अध्याय शुरू हुआ। इससे जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख के लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है। इस वर्ष 5 अगस्त का दिन और भी अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि इस वर्ष हमारा राष्ट्र डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर दोनों केंद्रशासित प्रदेशों में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि अब अवसंरचना का विस्तार हुआ है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता और खेल जैसे क्षेत्रों में अवसर बढ़े हैं। चाहे महिलाएं हों या हाशिए पर रहने वाले समुदाय, दशकों तक अपने मूलभूत संवैधानिक अधिकारों से वंचित रहे लोगों को भारत के संविधान के पूर्ण अनुप्रयोग के कारण सशक्त बनाया गया है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता के प्रति उनका आजीवन समर्पण पीढ़ियों को प्रेरित करता रहता है। दशकों पहले उन्होंने कल्पना की थी और यह 5 अगस्त 2019 को ऐतिहासिक रूप से साकार हुई।

प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि सरकार जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख की प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है। हम चाहते हैं कि प्रत्येक नागरिक को बड़े सपने देखने, उन्हें साकार करने और एक विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का अवसर मिले।

गृह मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा कि 370 की रुकावट हटने से जम्मू-कश्मीर में शांति का महौल पैदा हुआ है। अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद से कश्मीर में बहुत कुछ बदल गया है। पत्थरबाजी अतीत की बात हो गई है। अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के सात साल बाद कश्मीर में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हुई हैं। मंत्रालय के अनुसार 2022 से पत्थरबाजी की घटनाएं लगभग शून्य रहीं, 2023 से कोई बंद नहीं हुआ, 2024 में रिकॉर्ड 23 करोड़ पर्यटक आए, 18 जीआई-टैग प्राप्त हस्तशिल्प, चेनाब पुल, सोनमर्ग सुरंग, पहला वंदे भारत अभियान, पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन और कश्मीर के लिए कई अन्य ऐतिहासिक उपलब्धियां इस दौरान हुईं।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला विधेयक संसद से पास

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के उच्च सदन राज्यसभा ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को पारित कर दिया। इसके साथ ही देश के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह विधेयक लोकसभा से 3 अगस्त को पारित हो चुका है। अब राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह कानून का रूप ले लेगा।

विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ न्यायिक सुधारों को आगे बढ़ा रही है। देश में विभिन्न क्षेत्रों में सुधार किए जा रहे हैं और यह विधेयक भी न्यायिक सुधारों की उसी श्रृंखला का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं बल्कि महत्वपूर्ण न्यायिक सुधार है। सुप्रीम कोर्ट में बढ़ते मामलों के बोझ को देखते हुए यह कदम आवश्यक था। उन्होंने कहा कि संविधान पीठों के गठन के कारण नियमित मामलों की सुनवाई प्रभावित होती है।

हाल ही में गठित 9 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे बड़े मामलों के चलते अन्य मामलों की सुनवाई में

देरी होती है, जिससे लंबित मामलों की संख्या बढ़ती है। इस संशोधन के तहत सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़ाकर 38 की जा रही है, जिसमें मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हैं। इससे लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी। एक साथ अधिक मामलों की सुनवाई संभव होगी। संविधान पीठों का गठन अधिक नियमित रूप से किया जा सकेगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे आम नागरिकों को समयबद्ध न्याय उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। मेघवाल ने कहा कि सरकार न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करती है और क्षेत्रीय बेंचों के मुद्दे पर सभी पक्षों से विचार-विमर्श किया जा रहा है। उन्होंने सबरीमाला मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ के गठन से अन्य मामलों की सुनवाई के लिए उपलब्ध न्यायाधीशों की संख्या कम हो जाती है। ऐसे में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ने से अदालत के कामकाज में सुधार होगा।

महिला प्रतिनिधित्व पर बोलते हुए मेघवाल ने कहा कि देश जल्द ही पहली महिला मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) देखेगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अध्यादेश के बाद सुप्रीम कोर्ट में एक और महिला न्यायाधीश की नियुक्ति हुई है।

इससे पहले विधेयक पर राज्यसभा में चर्चा में लगभग 33 सांसदों ने भाग लिया। चर्चा की शुरूआत करते हुए कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा ने सरकार द्वारा अध्यादेश लाने के निर्णय पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब सर्वोच्च न्यायालय में लगभग 95 हजार मामले लंबित हैं, तब केवल न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने न्यायिक सुधारों के व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर भी बल दिया। सांसद पी. विल्सन ने न्यायपालिका में विविधता और प्रतिनिधित्व बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

लोकसभा ने 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल-2026' को ध्वनि मत से दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के बीच 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल-2026' को ध्वनि मत से मंजूरी दे दी। साथ ही हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही 6 अगस्त को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

लोकसभा से पारित यह विधेयक बैंकर्स बुक्स (बैंकों के रिकॉर्ड) से जुड़े सबूतों के लिए कानून बनाने और इसे आज के डिजिटल बैंकिंग तरीकों के अनुरूप बनाने, इसके साथ ही इससे जुड़े या उससे संबंधित मामलों के लिए प्रावधान करता है।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक-2026' पेश किया था। यह विधेयक औपनिवेशिक काल के 125 वर्ष पुराने बैंककार बही साक्ष्य अधिनियम-1891 का स्थान लेगा। इस विधेयक का मकसद बैंकरों की किताबों से जुड़े सबूतों के लिए कानून बनाना और इसे आज के डिजिटल बैंकिंग तरीकों के अनुरूप बनाना है। विधेयक का लक्ष्य मौजूदा बैंकिंग सिस्टम की जरूरतों को पूरा करने के लिए कानूनी ढांचे को आधुनिक बनाना है। विधेयक में यह प्रावधान भी है कि बैंकर की किताब का इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड सबूत के तौर पर स्वीकार्य, मान्य और कानूनी रूप से लागू करने योग्य होगा।

खलारी से लापता तीन मासूम पलामू के हैदरनगर से सकुशल बरामद, एक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खलारी। तीन मासूमों के अचानक लापता होने से पूरे खलारी क्षेत्र में मची सनसनी का आखिरकार सुखद अंत हो गया। लगातार 72 घंटे तक चली खोजबीन, तकनीकी निगरानी और मानवीय सूचना तंत्र के दम पर खलारी पुलिस ने पलामू के हैदर नगर से तीनों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया। इस कार्रवाई के दौरान बच्चों को अपने साथ ले जाने वाले संदिग्ध व्यक्ति को भी गिरफ्तार कर

लिया गया है। पुलिस अब उससे गहन पूछताछ कर रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बच्चों को किस उद्देश्य से ले जाया गया था और इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है।जानकारी के अनुसार, सुभाष नगर स्थित शिव मंदिर परिसर से खेलते समय तीन मासूम अचानक लापता हो गए थे। घटना सामने आते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था, जबकि स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश और चिंता का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही खलारी थाना पुलिस, लापता हेल्प डेस्क और रेलवे सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त स्तर पर खोज अभियान शुरू कर दिया।जांच के दौरान पुलिस को कई अहम सुराग मिले। रेलवे स्टेशनों, सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूत्रों से जुटाई गई जानकारियों के आधार पर पुलिस टीम लगातार संदिग्ध की गतिविधियों पर नजर बनाए रही। आखिरकार पलामू जिले के हैदर नगर रेलवे स्टेशन के पास बच्चों के होने की पुष्टि हुई। बिना देर किए पुलिस टीम ने वहां पहुंचकर तीनों बच्चों को सुरक्षित अपने कब्जे में लिया और संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।बरामदगी के बाद बच्चों को परिजनों से मिलाया गया तो भावुक दृश्य देखने को मिला। कई दिनों से डरे-सहमे मासूम अपने परिजनों से लिपट गए, जबकि परिजनों की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े।पुलिस का कहना है कि बच्चों की सकुशल बरामदगी सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। फिलहाल गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ जारी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मामला केवल बच्चों को बहला-फुसलाकर ले जाने का है या इसके पीछे किसी संगठित गिरोह की भूमिका भी है। पूरे मामले का जल्द खुलासा किए जाने की बात कही गई है।

एनसीडब्ल्यूए-12 पर बढ़ा टकराव, कोयला मजदूरों ने दी आर-पार की लड़ाई की चेतावनी

बिभा संवाददाता

खलारी। राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता (एनसीडब्ल्यूए-12) को लेकर वर्षों से चली आ रही इंतजार की घड़ी अब आंदोलन में बदलती दिखाई दे रही है। वेतन समझौते में लगातार हो रही देरी से नाराज कोयला मजदूरों ने प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को डकरा स्थित एन.के. क्षेत्र के वीआईपी सभागार में आयोजित संयुक्त मोर्चा की बैठक में श्रमिक संगठनों ने दो टूक कहा कि यदि अब भी वेतन समझौते को अंतिम रूप देने में टालमटोल जारी रही तो आंदोलन को निर्णायक रूप दिया जाएगा।बैठक में सर्वसम्मति से 10 अगस्त को एन.के. क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष विराट प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। संयुक्त मोर्चा का कहना है कि लाखों कोयला कर्मियों का भविष्य एनसीडब्ल्यूए-12 पर टिका है, लेकिन वार्ता की धीमी रफ्तार ने कर्मचारियों का धैर्य जवाब दे दिया है। मजदूर नेताओं ने आरोप लगाया कि बार-बार आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन समझौते को धरातल पर उतारने की दिशा में अपेक्षित गति नहीं दिखाई दे रही है।संयुक्त मोर्चा ने स्पष्ट किया कि इस बार आंदोलन केवल वेतन वृद्धि तक सीमित नहीं रहेगा। सभी श्रेणी के कर्मचारियों के लिए पर्याप्त न्यूनतम गारंटीकृत लाभ (एमजीबी), सम्मानजनक वेतन वृद्धि, मकान किराया भत्ता (एचआरए), भूमिगत भत्ता, धुलाई भत्ता, उपस्थिति बोनस सहित सभी भत्तों के पुनरीक्षण, सीएमपीएफ एवं पेंशन व्यवस्था में सुधार, कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधा तथा योग्य संविदा कर्मियों के नियमितीकरण की मांग भी प्रमुखता से उठाई जाएगी।बैठक में यह भी चेतावनी दी गई कि यदि 10 अगस्त के प्रदर्शन के बाद भी एनसीडब्ल्यूए-12 को लेकर ठोस और सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से और तेज किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित प्रबंधन एवं वार्ता प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों की होगी।बैठक में गोल्डेन प्रसाद यादव, सुनील कुमार सिंह, देव पाल मुंडा, शैलेश कुमार, शैलेन्द्र सिंह, विनय सिंह मानकी, बैजनाथ पांडे, सुधीर सिंह, मिथलेश कुमार सिंह, प्रेम कुमार, इरफान खान, हरेंद्र सिंह सहित विभिन्न परियोजनाओं एवं श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार बाइक दुर्घटना में एक युवक गंभीर घायल, दूसरे को मामूली चोट

मांडर(बिभा): मांडर प्रखंड के हेसमी गांव निवासी अजय लकड़ा और संदीप उरांव एक ही एडवेंचर मोटरसाइकिल से रांची की ओर से लौट रहे थे। करीब 12:00 बजे इसी दौरान मुड़मा और ब्राम्बे के बीच तेज रफ्तार के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे दोनों सड़क पर दूर जा गिरे। दुर्घटना में अजय लकड़ा गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि संदीप उरांव को हल्की चोटें आईं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की सहायता से दोनों घायलों को मांडर रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया। रेफरल अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। अजय लकड़ा की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर किए जाने की जानकारी मिली है। दुर्घटना का मुख्य कारण तेज रफ्तार बताया जा रहा है।

बोलेरो पेड़ से टकराई दो युवक घायल रिम्स रेफर

मांडर(बिभा): एनएच 75 में चील टोली के निकट मंगलवार को एक बोलेरो सड़क किनारे पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. जिससे मैकलुस्कीगंज के बंसरिया निवासी चालक अमृत कुजूर 26 वर्ष व ललित कुजूर 28 वर्ष घायल हो गये. दोनों को मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है. घटना सुबह करीब सात बजे की है. बताया गया कि दोनों रांची से अपने घर वापस जा रहे थे. इसी क्रम में तेज गति के कारण चालक ने संतुलन खो दिया और बोलेरा सड़क किनारे के एक पेड़ से टकरा गया. हादसे की सूचना मिलने पर मांडर पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से चालक व उसके साथी को बोलेरो से निकालकर रेफरल अस्पताल पहुंचाया. पेड़ से टकराने से बोलेरो का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है।

आचार्य शशिकांत बने छात्र क्लब हरे राम हरे कृष्ण मंच के वरीय संरक्षक एवं विनय केशरी छात्र क्लब बुद्धिजीवी मंच के संरक्षक

रांची(बिभा): छात्र क्लब ग्रुप (सामाजिक संस्था)की ओर से न्यू मधुकम,रातु रोड पिस्का मोड़ में सफाई अभियान एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यावरण मंच के संरक्षक शुभम्-चौधरी ने किया।इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर मानव अधिकार मिशन के रामगढ़ जिला अध्यक्ष रूपेश कुमार गुप्ता,विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांस,संरक्षक अवधेश शर्मा,अरविन्द शर्मा,अशोक शर्मा,पिन्टु शर्मा,रमेश मिस्त्री,श्रवण कुमार,छात्र क्लब ग्रुप के संरक्षक जोगिंदर उरांव,नमिता देवी,कुमारी शीला आदि मौजुद थे। मौके पर संतोष कुमार श्रेयांस ने पवित्र माह सावन में लोगों से आग्रह किया अपने घरों के आस पास स्वयं सफाई करें और बोल बम कावड़िया का भव्य स्वागत भी करें।विशिष्ट अतिथि रूपेश कुमार गुप्ता, जोगिंदर उरांव ने इस सामाजिक कार्य में हर संभव मदद करने की बात कही। क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने क्लब के लोगो को निर्देशित किया अपने अपने क्षेत्र के मंदिरों के आसपास स्वच्छता अभियान चलाएं।इसके पूर्व छात्र क्लब ग्रुप का विस्तार करते हुए लाईन टैंक रोड स्थित ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र में राष्ट्रपति पुरस्कार द्वारा सम्मानित रांची के प्रसिद्ध आचार्य शशिकांत मिश्रा ज्योतिष,वास्तु,अंक एवं हस्त रेखा विशेषज्ञ को छात्र क्लब हरे राम हरे कृष्णा मंच का वरीय संरक्षक एवं समाजसेवी भरनो निवासी विनय कुमार केसरी को छात्र क्लब बुद्धिजीवी मंच का संरक्षक बनाया गया और आशा जताई क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। पवित्र माह सावन माह में पौधारोपण,पौधा वितरण,स्वच्छता अभियान, एवं फ्री मेडिकल कैंप के आयोजन का संकल्प लेकर कार्यक्रम समापन की गई।

मारवाड़ी युवा मंच का तीन दिवसीय 'सावन मेला-शॉपिंग फेस्टिवल' आज से

रांची(बिभा)। सावन माह के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा द्वारा 6, 7 और 8 अगस्त 2026 तक अपर बाजार स्थित अग्रसेन भवन में तीन दिवसीय 'सावन मेला-शॉपिंग फेस्टिवल' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह मेला प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक आमजनों के लिए निःशुल्क खुला रहेगा। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस मेले में महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री का अवसर प्रदान किया जा रहा है। मेले में डिजाइनर परिधान, ट्रेंडी ज्वेलरी, हस्तशिल्प, गृह सज्जा के सामान, आकर्षक राखियां, लड्डू गोपाल के वस्त्र-श्रृंगार और स्वादिष्ट व्यंजनों के विविध स्टॉल लगाए गए हैं। साथ ही बच्चों के लिए गेम्स और फोटो जोन की भी विशेष व्यवस्था की गई है। शाखा अध्यक्ष शुभा अग्रवाल, सचिव रेखा राईका और कोषाध्यक्ष स्मिता अग्रवाल ने रांची वासियों से परिवार सहित मेले में पहुंचकर खरीदारी करने और महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। मीडिया प्रभारी वेदिका सिंघानिया ने बताया कि इस बार स्टॉल्स की संख्या और वैरायटी दोनों में बढ़ोतरी की गई है।

सम्मान केवल प्रमाण पत्र नहीं बल्कि उज्जवल भविष्य की जिम्मेदारी का प्रतीक है : शिल्पी नेहा

बिभा संवाददाता

इटकी : राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि विद्यार्थियों को मिला सम्मान उनकी उपलब्धियों का अंत नहीं, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की शुरूआत है। उन्होंने छात्रों से स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने, पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखने तथा किसी भी परिस्थिति में शिक्षा बीच में नहीं छोड़ने का आह्वान किया। बुधवार को इटकी प्रखंड परिसर में आयोजित भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी सम्मान समारोह में मंत्री ने मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को मोमेंटो एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। पात्र विद्यार्थियों के बीच साइकिलों का भी वितरण किया गया। मंत्री ने कहा कि करीब 20 वर्ष पहले शुरू हुई इस सम्मान परंपरा का उद्देश्य विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और समाज में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते ड्रॉपआउट पर चिंता जताते हुए शिक्षा की निरंतरता बनाए रखने, कौशल विकास और सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं से सतर्क रहने की अपील की। समारोह में मैट्रिक के प्रखंड टॉपर तस्मिया परवीन (489 अंक), इंटरमीडिएट विज्ञान की टॉपर शीबा फलक (452 अंक), कला संकाय की टॉपर ममता कुमारी (443 अंक) तथा कॉमर्स की टॉपर नगमा परवीन (386 अंक) समेत विभिन्न संकायों के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी गिरेन्द्र टूटी, प्रखंड अध्यक्ष रमेश महली,मुरतेजा आलम, अबू माज,अबरार ईमाम, राजन किसपोटता, अहमद अंसारी, मंजर अंसारी, फिरोज अंसारी, अजय कुमार गोपे, अस्सू गोपे सहित कई जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

7 एवं 8 अगस्त को जमशेदपुर में आयोजित राज्य स्तरीय युवा अधिवेशन की तैयारियां अंतिम चरण में

बिभा संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के युवा प्रकोष्ठ द्वारा 7 एवं 8 अगस्त 2026 को जमशेदपुर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय युवा अधिवेशन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। अधिवेशन को ऐतिहासिक और उद्देश्यपूर्ण बनाने के लिए संगठन स्तर पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। राज्य के सभी जिलों से बड़ी संख्या में युवा प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

अधिवेशन के प्रथम दिन कार्यक्रम का शुभारंभ वीर शहीदों को श्रद्धांजलि एवं राष्ट्रीय गान के साथ होगा। इसके बाद झारखंड आंदोलन की विरासत, युवाओं की भूमिका, वर्तमान चुनौतियों और राज्य के भविष्य की दिशा पर विभिन्न विषयगत सत्र आयोजित किए जाएंगे। द्वितीय दिवस का शुभारंभ अमर शहीद निर्मल महतो को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया जाएगा। इसके उपरांत आयोजित खुले सत्र में पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व, जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी एवं युवा प्रतिनिधि राज्य और राष्ट्र से जुड़े समसामयिक विषयों पर अपने विचार रखेंगे। अधिवेशन के समापन पर युवा संकल्प एवं विभिन्न प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। आजसू पार्टी ने राज्य के सभी जिला एवं प्रखंड पदाधिकारियों तथा युवा कार्यकताओं से अपील की है कि वे समय पर जमशेदपुर पहुंचकर अधिवेशन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। यह अधिवेशन झारखंड के युवाओं के विचार, नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक शक्ति को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

सीसीएल में सैप/ईआरपी के एचसीएम मॉड्यूल पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के मानव संसाधन विकास (एचआरडी) विभाग द्वारा एमटीसी परिसर में सैप/ईआरपी के 'ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट' मॉड्यूल पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सीसीएल मुख्यालय सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग 70 नोडल अधिकारियों और संबंधित सहायक कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाप्रबंधक (ईई) एस. के. ठाकुर, महाप्रबंधक (एचआरडी) एम. एफ. हक तथा विभागाध्यक्ष (औद्योगिक संबंध) पल्लब चक्रवर्ती की उपस्थिति में हुआ। तकनीकी सत्र का संचालन कोल इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) अशोक पाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (एचआरडी) एम. एफ. हक ने कहा कि संगठनात्मक दक्षता बढ़ाने के लिए क्षमता विकास और प्रणाली सुधार से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया जाता रहेगा। वहीं महाप्रबंधक (ईई) एस. के. ठाकुर ने पारदर्शिता, कार्यकुशलता और समयबद्ध कार्य निष्पादन के लिए ऐसे प्रशिक्षणों को बेहद आवश्यक बताया। प्रशिक्षण के दौरान लाइव डेमो, व्यावहारिक उदाहरणों और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को एचसीएम मॉड्यूल की कार्यप्रणाली से विस्तृत रूप से अवगत कराया गया।

केसीबी कॉलेज बेड़ो को मिले नए प्रभारी प्राचार्य, डॉ. प्रसन्नजीत मुखर्जी ने संभाला पदभार

बिभा संवाददाता

बेड़ो: करमचंद भगत महाविद्यालय (केसीबी कॉलेज), बेड़ो में नए प्रभारी प्राचार्य के रूप में महिला कॉलेज गुमला के वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रसन्नजीत मुखर्जी ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) बेड़ो इकाई के प्रतिनिधिमंडल ने नगर अध्यक्ष डॉ. नितेश कुमार पासवान के नेतृत्व में अंगवस्त्र, भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर, पुष्पगुच्छ एवं तुलसी पौधा भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों ने भी नए प्रभारी प्राचार्य का गर्मजोशी से स्वागत किया। डॉ. मुखर्जी ने महाविद्यालय परिसर स्थित स्व. करमचंद भगत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

मौके पर अभाविप बेड़ो के नगर अध्यक्ष प्रो. नितेश कुमार पासवान, नगर उपाध्यक्ष प्रो. विकास कुमार सिन्हा, बर्सर आशारानी लकड़ा, नागपुरी विभाग के डॉ. संतोष कुमार भगत, आकाश रक्षित, नगर मंत्री विक्रम कुमार महतो, रूपाली ठाकुर, उन्नति कुमारी, काजल कुमारी, हेमंत कुमार, संदेश कुमार एवं पिंटू कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2026 को लेकर सीएससी वीएलई का विशेष प्रशिक्षण संपन्न

बिभा संवाददाता

बेड़ो: बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2026 के सफल क्रियान्वयन एवं किसानों तक योजना का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को बेड़ो पंचायत भवन में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में बेड़ो, नगड़ी, लापुंग एवं ईटकी प्रखंड के सभी सीएससी वीएलई ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान वीएलई को बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2026 के अंतर्गत किसानों के पंजीकरण, आवश्यक दस्तावेज, आवेदन प्रक्रिया, समय-सीमा तथा योजना से मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही सीएससी के माध्यम से संचालित विभिन्न जनोपयोगी सेवाओं, डिजिटल सेवाओं एवं सरकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

प्रशिक्षण में उपस्थित अधिकारियों ने वीएलई को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों को योजना के प्रति जागरूक करें तथा पात्र किसानों का समय पर पंजीकरण सुनिश्चित करें, ताकि प्राकृतिक आपदा या फसल क्षति की स्थिति में किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिल सके। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया तथा योजना से संबंधित तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर सीएससी मैनेजर चंदन कुमार, विवेकानंद पाण्डेय, रोहित कुमार, बीपीसी खालिद अंसारी सहित सीएससी के अन्य पदाधिकारी एवं चारों प्रखंडों के वीएलई उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य वीएलई को योजना संबंधी नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराना तथा किसानों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच को और अधिक सशक्त बनाना था।

राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद सगीर अंसारी और जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद ने विधानसभा सत्र में कानून पारित करने की उठाई मांग

झारखंड में मॉब लिंचिंग विरोधी कानून तत्काल लागू किया जाए : ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस

बिभा संवाददाता

राँची: ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद सगीर अंसारी एवं रांची जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद ने झारखंड में लगातार सामने आ रही मॉब लिंचिंग की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से मॉब लिंचिंग विरोधी कानून को शीघ्र लागू करने की मांग की है। दोनों नेताओं ने कहा कि झारखंड विधानसभा द्वारा पारित मॉब लिंचिंग विरोधी विधेयक को आवश्यक संशोधन के साथ इसी विधानसभा सत्र में पारित कर प्रभावी रूप से लागू किया जाना चाहिए।

नेताओं ने कहा कि हाल ही में चतरा जिले के टंडवा प्रखंड में हुई घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि कुछ असामाजिक तत्व कानून को अपने हाथ में लेने का दुस्साहस कर रहे हैं। ऐसी घटनाएं न केवल कानून के शासन को चुनौती देती हैं, बल्कि झारखंड की सामाजिक एकता, भाईचारे, धर्मनिरपेक्ष परंपरा और सांप्रदायिक सौहार्द को भी आघात पहुंचाती हैं।

उन्होंने मांग की कि दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष एवं कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति या समूह कानून अपने हाथ में लेने का साहस न कर सके। उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान प्रेम, भाईचारा, सहिष्णुता और विविधता की संस्कृति रही है, जिसकी रक्षा करना राज्य सरकार की संवैधानिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है।

मोहम्मद सगीर अंसारी और शमीम अख्तर आजाद ने कहा कि राज्य का प्रत्येक नागरिक–किसान, मजदूर, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, पिछड़ा, वंचित तथा अन्य सभी कमजोर वर्ग–बिना किसी भय के सम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन जी सके, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। दोनों नेताओं ने झारखंड विधानसभा के वर्तमान सत्र में सरकार एवं सभी विधायकों से इस गंभीर विषय पर प्राथमिकता के आधार पर चर्चा कर राज्य में प्रभावी मॉब लिंचिंग विरोधी कानून लागू करने के लिए आवश्यक निर्णय लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कानून का शासन ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है और किसी भी परिस्थिति में भीड़ को न्याय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस ने राज्य सरकार से प्रभावी कानून बनाने तथा मॉब लिंचिंग जैसी अमानवीय घटनाओं पर रोक लगाने के लिए त्वरित न्याय सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि झारखंड में शांति, सद्भाव, सामाजिक विश्वास और संविधान के मूल्यों की रक्षा हो सके।

9 अगस्त को रामगढ़ में जुटेगा वैश्य समाज, वैश्य मोर्चा ने दिया आंदोलन तेज करने का नारा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा कोर कमेटी की बैठक 5 अगस्त को कांके स्थित कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु के आवासीय कार्यालय में केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में समाज से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत आगामी 9 अगस्त को रोटरी क्लब, रामगढ़ में 'वैश्य क्रांति सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राज्यभर के केंद्रीय नेता व कार्यकर्ता जुटेंगे।

बैठक के दौरान 30-31 अक्टूबर को कांके में होने वाले तृतीय महाधिवेशन की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई, जिसके आयोजन की सफलता हेतु 17 अगस्त को केंद्रीय समिति की बैठक कर विशेष समिति का गठन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, वैश्य मोर्चा ने एक प्रस्ताव पारित कर खढरउ और खररउ परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ आंदोलनरत छात्रों का समर्थन किया तथा गड़बड़ी में शामिल अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु, वरीय उपाध्यक्ष संजीव चौधरी, बद्री भगत, संगठन महासचिव अनिल वैश्य, केंद्रीय सचिव राजेन्द्र साहु, मीडिया प्रभारी राहुल कुमार साहु सहित कई प्रमुख पदाधिकारी प्रत्यक्ष व वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

झारखंड में प्रारूप मतदाता सूची जारी, पांच सितंबर तक नाम जोड़ने और सुधार का मिलेगा मौका

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) कार्यक्रम के तहत 05 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची (ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल) और एएसडीडी सूची का प्रकाशन कर दिया गया। यह सूची राज्य के सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आम नागरिकों के लिए उपलब्ध करा दी गई है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्थायी और महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसलिए प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक को इसमें अपना नाम अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के तहत तैयार की जा रही मतदाता सूची भविष्य में भी एक महत्वपूर्ण संदर्भ दस्तावेज के रूप में उपयोग की जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिन पात्र नागरिकों का नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है, वे 05 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक फॉर्म-6 भरकर अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। वहीं, मतदाता सूची में नाम, पता, उम्र या अन्य विवरण में त्रुटि होने पर निर्धारित प्रपत्र के माध्यम से सुधार भी कराया जा सकता है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्थायी और महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसलिए प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक को इसमें अपना नाम अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के तहत तैयार की जा रही मतदाता सूची भविष्य में भी एक महत्वपूर्ण संदर्भ दस्तावेज के रूप में उपयोग की जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिन पात्र नागरिकों का नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है, वे 05 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक फॉर्म-6 भरकर अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। वहीं, मतदाता सूची में नाम, पता, उम्र या अन्य विवरण में त्रुटि होने पर निर्धारित प्रपत्र के माध्यम से सुधार भी कराया जा सकता है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि राज्य में अब तक 02 करोड़ 21 लाख 01 हजार 249 मतदाताओं के गणना प्रपत्र प्राप्त और डिजिटाइज किए जा चुके हैं, जो कुल मतदाताओं का 83.51 प्रतिशत है, जबकि विभिन्न कारणों से करीब 43.61 लाख गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हो सके।

उन्होंने कहा कि मतदाता मोबाइल एप और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड की वेबसाइट के माध्यम से अपना नाम ऑनलाइन देख सकते हैं। वेबसाइट पर एसआइआर डाफ्ट रोल 2026 और एसआइआर एएसडीडी लिस्ट 2026 लिंक उपलब्ध कराए गए हैं।

साथ ही जिला, विधानसभा क्षेत्र और मतदान केंद्र का चयन कर मतदाता संबंधित पीडीएफ डाउनलोड कर सकते हैं। एएसडीडी सूची में प्रत्येक नाम के साथ सूची में शामिल किए जाने का कारण भी अंकित है।

ऑफलाइन व्यवस्था के तहत प्रत्येक मतदान केंद्र पर प्रारूप मतदाता सूची और एएसडीडी सूची की मुद्रित प्रतियां उपलब्ध कराई गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत कार्यालयों और शहरी क्षेत्रों में नगर निकाय कार्यालयों के सूचना पट्ट पर भी इनका प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए -2), जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ), निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) और सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) कार्यालयों में भी सूची उपलब्ध रहेगी। के रवि कुमार ने सभी मतदाताओं से अपील की कि वे स्वयं अपना नाम और विवरण जांचें और अपने परिवार, पड़ोस, मित्रों और अन्य पात्र नागरिकों को भी मतदाता सूची में नाम जुड़वाने एवं त्रुटियों के सुधार के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए।

उन्होंने कहा आपत्ति की प्रक्रिया 05 अगस्त से 04 सितंबर तक चलेगी। इसके बाद 05 अगस्त से 03 अक्टूबर तक नोटिस, सुनवाई और सत्यापन की कार्रवाई होगी। अंतिम मतदाता सूची 07 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि बिना नोटिस जारी किए और कारणयुक्त आदेश पारित किए किसी भी मतदाता का नाम प्रारूप मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा। यदि किसी मतदाता को किसी निर्णय पर आपत्ति होगी तो उसे अपील करने का भी पूरा अधिकार रहेगा।

सोनम वांगचुक की अपील पर देवेंद्र नाथ महतो ने तोड़ा निर्जला अनशन, आंदोलन रहेगा जारी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अनशन पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने बुधवार को पानी पीकर अपना निर्जला अनशन समाप्त कर दिया। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका अनिश्चितकालीन अनशन और आंदोलन पहले की तरह जारी रहेगा।

बताया गया कि सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने बुधवार को वीडियो कॉल के माध्यम से देवेंद्र नाथ महतो से लंबी बातचीत की। इस दौरान उन्होंने महतो के स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए उन्हें पानी पीने की सलाह दी, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षित रहे और आंदोलन भी निरंतर चलता रहे। वांगचुक की अपील के बाद महतो ने जल ग्रहण कर अपना निर्जला अनशन समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि अब वे पानी का सेवन करेंगे, लेकिन अनशन जारी रहेगा।

इधर, चिकित्सकों की एक टीम धरना स्थल पर पहुंचकर देवेंद्र नाथ महतो के स्वास्थ्य की जांच कर रही है। उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। देवेंद्र नाथ महतो के साथ महेंद्र मंडल भी अनशन पर बैठे हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि आंदोलन में शामिल ब्रह्मानंद कुमार अब भी खुले में निर्जला अनशन पर डटे हुए हैं। उन्होंने अब तक पानी का सेवन नहीं किया है। बुधवार को उनके निर्जला अनशन का चौथा दिन है।

मुख्यमंत्री से कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने मिलकर की जेपीएससी में धांधली की जांच की मांग

बिभा संवाददाता

रांची। छात्रों की ओर से जेपीएससी मामले को लेकर चलाया जा रहे आंदोलन के संदर्भ में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर छात्रों की मांगों के समर्थन में सात सूत्री मांगों से संबंधित ज्ञापन दिया।

कांग्रेस ने अपने ज्ञापन में उल्लेख किया कि जेपीएससी और जेएसएससी की विभिन्न प्रक्रियाओं से छात्रों के बीच असमंजस अविश्वास और निराशा का वातावरण बना हुआ है इस स्थिति में राज्य की संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर संशय उत्पन्न हो रहा है। इसलिए राज्य के युवाओं में अनिश्चितता और संशय के वातावरण को समाप्त करने के लिए समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान किया जाना आवश्यक है। ताकि इन संस्थानों पर छात्रों एवं युवाओं का विश्वास अधिक सुदृढ़ हो सके।

इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री को सौंपे गये ज्ञापन में जो मांगे रखी गई उनमें जेपीएससी और जेएसएससी पर लगे आरोपों की समयबद्ध जांच कराने, टीडीपीएल सहित जिन एजेंसी की भूमिका पर सवाल उठे हैं उनकी गहन जांच कराने, जेपीएससी और जेएसएससी में वर्तमान में कार्यरत सभी अधिकारी और कर्मचारियों का तबादला करने, जेपीएससी और जेएसएससी के लिए समयबद्ध वार्षिक कैलेंडर जारी करने सहित अन्य मांगे शामिल हैं।

वहीं मुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में के राजू और केशव महतो कमलेश, प्रदीप यादव राजेश कच्छप, राधाकृष्ण किशोर, शिल्पी नेहा तिर्की, दीपिका पांडे सिंह सहित अन्य के हस्ताक्षर हैं।

संक्षिप्त खबरें

सीएमपीडीआई और सिपेट के बीच एक एमओए पर हस्ताक्षर

रांची(बिभा)। युवाओं को सशक्त बनाने और सतत आजीविका के अवसर उत्पन्न करने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए सीएमपीडीआई ने आज सेंट्रल इंस्टीच्यूट आफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सिपेट), रांची के साथ एक समझौते ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपनी निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत वंचित, बेरोजगार एवं अर्द्धरोजगार युवाओं को आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया गया है। इस एमओए पर सीएमपीडीआई, रांची की ओर से महाप्रबंधक (मानव संसाधन/सीएसआर) श्री संजय कडम्बार और सिपेट, रांची के निदेशक और प्रमुख श्री अवनीत कुमार जोशी ने औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए। इस मौके पर सीएमपीडीआई (मुख्यालय) के सीएसआर टीम और सिपेट, रांची के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस एमओए के तहत झारखंड राज्य के रांची, रामगढ़, हजारीबाग, धनबाद और लातेहार जिलों के 80 वंचित, बेरोजगार एवं अर्द्धरोजगार युवाओं को सिपेट, रांची में मशीन आपरेटर-प्लास्टिक प्रोसेसिंग (एमओ-पीपी) एवं मशीन आपरेटर-टूल रूम (एमओ-टीआर) जैसे उद्योग-उन्मुखी ट्रेडो में आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक कोर्स में 40 उम्मीदवार होंगे। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में केंद्रित शिक्षा, व्यावहारिक अनुभव और व्यापक कौशल विकास सुनिश्चित करने के लिए सभी अभ्यर्थियों को चार महीने के दौरान कुल 600 घंटे का प्रशिक्षण दिया जाएगा और यह पूर्ण रूप से आवासीय आधारित होगा। इस परियोजना को लागू करने के लिए सीएमपीडीआई ने कुल 47 लाख 52 हजार का बजट आवंटित किया है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रतिभागियों को उद्योग के लिए प्रासंगिक तकनीकी कौशल से लैस करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे प्लास्टिक प्रोसेसिंग और विनिर्माण क्षेत्रों में उनके रोजगार के अवसर को बढ़ावा देगा। कोर्स सफलतापूर्वक पूरा करने के पश्चात इन प्रशिक्षुओं को प्लास्टिक प्रोसेसिंग, टूल रूम संचालन और संबंधित विनिर्माण क्षेत्रों में काम करने वाले उद्योगों में बेहतर रोजगार के अवसर मिलेंगे।

झारखंड के छात्रों की आवाज को अनसुना करना अन्याय: अन्नपूर्णा देवी

नई दिल्ली/रांची(बिभा)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री व कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलनरत छात्रों का समर्थन करते हुए राज्य सरकार पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि लाखों छात्र अपने अधिकारों और भविष्य के लिए शांतिपूर्ण आंदोलन व भूख हड़ताल कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनसे संवाद तक नहीं कर रही। अन्नपूर्णा देवी ने राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन पर दोहरा आचरण अपनाने का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि वे झारखंड के युवाओं के दर्द पर मौन क्यों हैं। उन्होंने मांग की कि विवादित भर्ती प्रक्रियाओं की उइकजांच कराई जाए और प्रतिबंधित एजेंसी टीडीपीएल द्वारा आयोजित परीक्षाओं को रद्द कर पारदर्शी तरीके से दोबारा परीक्षा ली जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा के जनदबाव के कारण ही सीआईडी कार्रवाई और जेपीएससी अध्यक्ष का इस्तीफा संभव हो सका है।

सेल्फ असेसमेंट के सत्यापन को लेकर रांची नगर निगम की कार्रवाई जारी, विभिन्न भवनों की कराई जा रही मापी

रांची(बिभा) : रांची नगर निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में संपत्ति कर के लिए नागरिकों द्वारा किए गए सेल्फ असेसमेंट के सत्यापन की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में आज निफ्ट भवन, बड़ा घाघरा स्थित स्वाद देशी प्रतिष्ठान एवं वार्ड संख्या-08 के विभिन्न भवनों की भौतिक मापी कराई गई। नगर निगम द्वारा सेल्फ असेसमेंट फॉर्म में संपत्ति स्वामी द्वारा अंकित क्षेत्रफल एवं अन्य विवरणों का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। जांच के दौरान जहां भी सेल्फ असेसमेंट में दर्ज विवरण एवं वास्तविक मापी में अंतर पाया जा रहा है, वहां संशोधित मांग निर्गत करते हुए नियमानुसार जुमार्ना भी लगाया जा रहा है। रांची नगर निगम ने सभी संपत्ति स्वामियों से अपील की है कि संपत्ति कर का सेल्फ असेसमेंट करते समय सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की अतिरिक्त कर देयता अथवा दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके।

सितंबर माह तक पूर्ण करें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लंबित आवास : निदेशक

बिभा संवाददाता

रांची। नगरीय प्रशासन निदेशालय की निदेशक नैंसी सहाय ने राज्य के सभी शहरी नगर निकायों के नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त, उप नगर आयुक्त, कार्यपालक पदाधिकारियों एवं नगर निकाय की टीम के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), एनिमल बर्थ कंट्रोल, पीएम स्वनीधि योजना एवं मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के प्रगति की समीक्षा बुधवार को की।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के चतुर्थ घटक बीएलसी की समीक्षा के दौरान निदेशक ने निर्देश दिया कि लगभग 14,000 आवास फाउंडेशन और लिंटेल स्तर पर हैं उन्हें अगले एक माह में रूफ लेवल तक लायें और जो आवास रुफ लेवल तक पहुंच गया है उसे सितम्बर माह तक पूर्ण करें। इसके साथ ही बिभिन्न चरणों में लंबित जिओ टैगिंग को अविलम्ब पूर्ण करने का निर्देश दियाक इसे लेकर सभी नगर निकायों को साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित करते हुए आवासों को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने कहा कि सभी नगर निकायों को आवास निर्माण के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध करा दी गयी है। इसलिए लाभुकों के किस्तों का भुगतान करने में तेजी लायें, ताकि आवासों का निर्माण तीव्र प्रगति से हो सकेक सभी नगर निकाय एसएनए स्पर्श के माध्यम से आवंटित राशि का 80 प्रतिशत खर्च करते हुए नगरीय प्रशासन निदेशालय से राशि की मांग करेंक उन्होंने कहा कि जिन निकायों की ओर से अब तक लाभुकों को भुगतान की कार्यवाही शुरू नहीं की गयी है, उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगीक निदेशक ने कहा कि पीएमएवाई(यू) 2.0 के तहत नगर निकायों को राशि भेजी जा रही है। उन्होंने भुगतान के लिए फाइल और बिल तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 01 लाख नए आवास स्वीकृत कराने का लक्ष्य है। वर्तमान में 73,000 नए सर्वेक्षण से लाभुकों का चयन किया गया है, जिसमें 44,000 लाभुकों का सत्यापन कर लिया गया है। निदेशक ने नगर निकायों में निरंतर रूप से प्रचार-प्रसार, कैंप एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से पात्र आवास विहीन परिवारों से नए आवेदन प्राप्त करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तृतीय घटक किफायती आवास परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान निदेशक ने इच्छुक लाभुकों के होम लोन आवेदनों की संख्या बैंकों में बढाने का निर्देश दियाकसाथ ही कहा कि किफायती आवास परियोजनाओं के तहत निर्मित एवं निमार्णाधीन आवासों के विरुद्ध आवास आवंटन शत प्रतिशत करना सुनिश्चित करें क प्रथम चरण में राज्य के 10 नगर निगमों में एनिमल बर्थ कंट्रोल केंद्रों के निर्माण के लिए 21.06 करोड़ रुपए स्वीकृत की गई है। सभी नगर निकायों को निर्देशित किया गया कि एनिमल बर्थ कंट्रोल केंद्रों का निर्माण कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करें, ताकि आवारा कुत्तों के नसबंदी और प्रबंधन का कार्य समयबद्ध रूप से प्रारंभ हो सके।

पीएम स्वनिधि (प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि) योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को लाभान्वित करने के लिए विशेष अभियान चलाने और आगामी 15 दिनों में प्रगति में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करने का निर्देश निदेशक ने दिया। वहीं पीएम स्वनीधि योजना के तहत राज्य के नगर निकायों विशेषकर नगर निगमों के फूटपाथ विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर्स) को लक्ष्य के अनुपात में फर्स्ट ट्रेंच लोन देने के लिए आवेदन तैयार करने और लोन की राशि बैंकों के माध्यम से उनको हस्तांतरित करवाने का निर्देश दिया गया।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में इंडक्शन कार्यक्रम 'दीक्षारंभ-2026' आयोजित, नए विद्यार्थियों का हुआ स्वागत

बिभा संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) में अकादमिक वर्ष 2026-27 के नए विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम 'दीक्षारंभ-2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवागत छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन, प्रशिक्षण, प्लेसमेंट और छात्र कल्याण गतिविधियों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान ने कहा कि एसबीयू विद्यार्थियों को न केवल योग्य पेशेवर, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने छात्रों को बड़े सपने देखने और अनुशासन के साथ उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित किया। वहीं कुलसचिव प्रो. एस.बी. डांडिन और महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने चरित्र निर्माण, उद्यमिता और रोजगार देने वाला बनने पर जोर दिया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने भी नए छात्रों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

समारोह के दौरान ₹मंथन झ एसबीयू जर्नल ऑफ कॉमर्स, मैनेजमेंट एंड ह्यूमैनिटीज₹ तथा ₹एआई होराइजन₹ पुस्तक का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल झारखंड के पूर्व पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने साइबर अपराध, डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन ठगी से बचाव के तरीकों पर व्याख्यान दिया। इसके अलावा जिंदल स्टील के पूर्व उपमहाप्रबंधक राजीव गुप्ता ने सतत प्रयास और सीखने की प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला। अंत में विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। डॉ. गगन दीप चड्ढा के मंच संचालन के बाद करण प्रताप सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

रांची के निजी अस्पतालों के लिए एबीडीएम-एचएमआईएस अनिवार्य, 15 दिनों में अनुपालन न करने पर होगी

बिभा संवाददाता

रांची। सदर अस्पताल परिसर स्थित सभागार में बुधवार को सिविल सर्जन डॉ. अमरेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' (एबीडीएम) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में रांची जिले के सभी प्रमुख निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम व क्लिनिकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉ. अमरेंद्र प्रसाद ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी निजी अस्पताल आगामी 15 दिनों के भीतर 'ABDM Enabled HMIS' (अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली) का उपयोग शुरू करें। उन्होंने चेतावनी दी कि 30 अगस्त 2026 तक सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों में इस व्यवस्था को लागू करना अनिवार्य होगा। निर्धारित

समय-सीमा में अनुपालन न करने वाले अस्पतालों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कार्यशाला में अधिकारियों ने बताया कि PMJA (आयुष्मान भारत योजना) से संबद्ध अस्पतालों में यदि ABDM Enabled HMIS लागू नहीं होता है, तो भविष्य में उनका योजनागत भुगतान प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा, जिन अस्पतालों या क्लिनिकों का 'स्वास्थ्य पेशेवर पंजीकरण' और 'स्वास्थ्य सुविधा पंजीकरण' पूरा नहीं होगा, उनके क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत पंजीकरण का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने निजी अस्पतालों को निर्देश दिया कि वे ओपीडी और आईपीडी में आने वाले प्रत्येक मरीज की आभा आईडी बनाकर उनके डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड को उससे लिंक करें। कार्यशाला में ABDM झारखंड के संयुक्त निदेशक राजन कुमार, क्षमता निर्माण अधिकारी डॉ. रंजना सिन्हा, बिजनेस एनालिस्ट रश्मि नंदे तथा जिला डाटा प्रबंधक संजय तिवारी ने तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी साझा की। अंत में सदर अस्पताल की आयुष्मान नोडल अधिकारी डॉ. तवा रिजवी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

औषधीय पौधों के संरक्षण की दिशा में उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल

हरेक गांव में औषधीय पौधों का होगा संवर्धन : डॉ. मयंक मुरारी

बिभा संवाददाता

रांची। उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा आज झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में ₹आयुर्वेद एवं औषधीय पौधों के उपयोग₹ विषय पर एक जागरूकता एवं संवाद सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय समुदायों में प्रचलित पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान का संरक्षण, औषधीय पौधों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वैद्यों एवं किसानों को वैज्ञानिक जानकारी से जोड़ना था।

इस अवसर पर उषा मार्टिन फाउंडेशन के सचिव डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि फाउंडेशन का

लक्ष्य आयुर्वेद को घर-घर तक पहुंचाना है। इसके लिए पारंपरिक वैद्यों का नियमित क्षमतावर्धन (कैपेसिटी बिल्डिंग) किया जाएगा, ताकि उनका ज्ञान संरक्षित होने के साथ नई पीढ़ी तक भी पहुंचे। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में हर गांव एवं विद्यालय में औषधीय पौधों का डेमोंस्ट्रेशन साइट विकसित करने की योजना है, जिससे बच्चों, किसानों एवं ग्रामीणों को औषधीय पौधों की व्यवहारिक जानकारी मिल सके।

यह कार्यक्रम टूल रूम के प्रशासनिक प्रमुख अशुतोष मिश्रा एवं प्राचार्य एम.के. गुप्ता के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आसपास के गांवों से आए 20-25 पारंपरिक वैद्य एवं किसान शामिल हुए। सत्र के मुख्य प्रशिक्षक अनिल कुमार पाठक ने औषधीय पौधों की पहचान, उनके औषधीय गुण, सुरक्षित उपयोग, संरक्षण एवं वैज्ञानिक तरीके से खेती की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वे लंबे समय से औषधीय पौधों पर शोध कर रहे हैं तथा जनजातीय क्षेत्रों में उपलब्ध पारंपरिक औषधीय ज्ञान के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण पर भी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध औषधीय पौधे स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ-साथ ग्रामीणों के लिए आजीविका का भी प्रभावी माध्यम बन सकते हैं।

उषा मार्टिन के हॉर्टिकल्चर विभाग के शचिन्द्र कुमार ने कहा कि झारखंड की जलवायु औषधीय पौधों की खेती के लिए अत्यंत उपयुक्त है। यदि इन पौधों का वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण एवं संवर्धन किया जाए तो यह किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान वैद्यों एवं किसानों ने औषधीय पौधों से जुड़े अपने अनुभव साझा किए तथा पारंपरिक जनजातीय ज्ञान को संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रतिभागियों ने भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने का सुझाव दिया।

इस अवसर पर उषा मार्टिन फाउंडेशन की ओर से प्रिया बागची, बरुण कुमार, मेवालाल महतो, भुवनेश्वर महतो एवं मोनित भुटकुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वैद्य, किसान एवं अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयुर्वेद एवं औषधीय पौधों के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बोकारो जिले में ट्रिपल मर्डर से फैली सनसनी, गांव में पसरा मातम

सनकी युवक ने खेत में धान रोपने जा रहे वृद्ध दंपत्ति सहित बहु को कुल्हाड़ी से काट डाला, आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो के नावाडीह से मुंगोरंगामाटी मुख्य मार्ग पर बस्तेजिया और कुकरलिलवा के बीच एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. खेत में धान का बीज लेकर रोपाई करने जा रहे एक ही परिवार पर गांव के ही एक सनकी युवक ने कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया. इस हमले में वृद्ध दंपत्ति की मौके पर ही गला काटकर निर्मम हत्या कर दी गई। वहीं उनकी बहू गंभीर रूप से बोकारो सदर अस्पताल रेफर किया गया जहां उसकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान नावाडीह निवासी जानकी महतो (70 वर्ष) और बहू गोरी देवी (पतिः कोलेश्वर महतो, 45 वर्ष) के रूप में की गई। घायल बहु को घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल गोरी देवी को नावाडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. वहां डॉ. धनेश रजक द्वारा प्राथमिक उपचार किए जाने के बाद उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, चास रेफर कर दिया गया है, जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई।

वारदात की सूचना मिलते ही नावाडीह थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी, एएसआई मिथिलेश सिंह और विमल कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोपी राजू सिंह (40 वर्ष, निवासी, बस्तेजिया) को गिरफ्तार कर लिया है. साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई खून से सनी कुल्हाड़ी भी जब्त कर ली गई है.

दिनदहाड़े हुई इस दोहरे हत्याकांड की खबर फैलते ही आसपास के दर्जनों गांवों से ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई. घटना के बाद इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल है. सूचना मिलते ही झामुमो के युवा नेता अखिलेश महतो उर्फ राजू, नावाडीह मुखिया किरण देवी, पंचायत समिति सदस्य निर्मल महतो, सांसद प्रतिनिधि जयलाल महतो (जैली), सुरेश महतो, भाजपा नेता दशरथ महतो और विधायक प्रतिनिधि संदीप झारखंडी सहित कई स्थानीय प्रतिनिधि पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया व दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया.

रेलवे आईजी माईकल एस राज ने जीआरपी थाना का औचक निरीक्षण किया

बिभा संवाददाता

बोकारो : राजकीय रेलवे पुलिस के पुलिस महानिरीक्षक माईकल एस राज ने बुधवार को जीआरपी बोकारो थाना का निरीक्षण किया. निरीक्षण के लिए पहुंचे आईजी माईकल एस राज को गार्ड ऑफ ऑनर देकर अभिनंदन किया गया. इस दौरान रेल पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार, रेल पुलिस उपधीक्षक मनीष कुमार सिंह, जीआरपी थाना प्रभारी अमरेंद्र कोटवाल, आरपीएफ इंस्पेक्टर संतोष कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे. निरीक्षण के दौरान उन्होंने मालखान सहित पंजी आदि की जांच की. आईजी माईकल एस राज ने कहा कि बोकारो जीआरपी थाना में प्रकार के संसाधनों की कमी है. भवन भी जर्जर है, रेलवे द्वारा थाना के लिए नया भवन निर्माण किया गया है. उसमें कुछ कमियां हैं, जिस संबंध में रेलवे के उच्चाधिकारियों से बात कर उन कमियों को पूरी करने का प्रयास किया जाएगा.पेट्रोलियम के लिए वाहन की कमी - उन्होंने कहा कि बोकारो में ही नहीं लगभग सभी जीआरपी थाना में पेट्रोलियम गाड़ी की सुविधा की कमी है. इस सब चीजों को लेकर आगे कमी को पूरा किया जाएगा.

संक्षिप्त खबरें

चिन्मय विद्यालय में कवि सम्मेलन का आयोजन

बोकारो(बिभा)। हिन्दी या अंग्रेजी साहित्य का सबसे खूबसूरत भाग कविताएं होती हैं। कम शब्दों में अधिक भाव अभिव्यक्त करने की ताकत कविताएं देती हैं। चिन्मय विद्यालय बोकारो में बुधवार, 5 अगस्त को हिन्दी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा छठी से बारहवीं तक के 25 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसमें आयुष आनंद ने प्रथम, वैष्णवी कुमारी ने द्वितीय एवं सत्यम कुमार गुप्ता ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा उपस्थित रहे। निर्णायक की भूमिका में विद्यालय हिन्दी विभाग की शिक्षिका ज्योति दुबे एवं शिक्षक अभिनव बर्मन उपस्थित रहे। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने देश भक्ति, वात्सल्य रस, करुण भाव, आत्म बोधन, आदि कई प्रकार के विषयों का अपनी कविताओं के लिए चयन किया। उन्होंने रचनात्मक और लयबद्ध रूप से अपनी कविताओं की प्रस्तुति दी। प्राचार्य सूरज शर्मा ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कविताएं समाज की अभिव्यक्ति को दशार्ती हैं। कविताओं के माध्यम से कम शब्दों में अधिक भावनाओं को प्रकट करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों की मदद से विद्यार्थियों में लेखन एवं वाचन कला का विस्तार होता है। अंत में उन्होंने विद्यालय पुस्तकालय विभाग के आशुतोष चौबे, एसएन झा एवं पंकज मिश्रा को इस आयोजन के लिए बधाई दी।

एमजीएम स्कूल में धूमधाम से मनाई गई पुस्तकालय के जनक पीएन पणिक्कर की जयंती

बोकारो(बिभा)। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल, सेक्टर चार एफ बोकारो में भारतीय पुस्तकालय आंदोलन के जनक पुथुवायिल नारायण (पीएन) पणिक्कर की जयंती के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य फादर डॉ. जोशी वर्गीस ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि पीएन पणिक्कर ने 1926 में अपने गृह नगर से पुस्तकालय की शुरूआत कर गांव-गांव में साक्षरता की अलख जगाई थी, जिससे केरल में साक्षरता दर को अभूतपूर्व बढ़ावा मिला। उन्होंने बच्चों को डिजिटल दुनिया से थोड़ा समय निकालकर किताबों को अपना सच्चा मित्र बनाने और नियमित पठन-पाठन से जुड़े रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सीबीएसई के निदेर्शों के आलोक में विद्यालय के पुस्तकालय में एक पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के 'ग्रुप ए' में अनन्या भारती ने प्रथम, समीक्षा राज ने द्वितीय तथा येनी नैंसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 'ग्रुप बी' में ईराम तनवीर ने पहला, श्रेयांशी कुमारी ने दूसरा और तनुश्री ने तीसरा स्थान हासिल किया। कार्यक्रम के दौरान उप प्राचार्या राखी बनर्जी, हेड मिस्ट्रेस सपना जोशी, पुस्तकालय सहायक अरविंद कुमार, रीमा कुमारी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

झारखंड सीनियर नेटबॉल टीम में सार्थक सिंह और आयुष का चयन

बोकारो(बिभा)। 7 से 9 अगस्त तक हरियाणा के पलवल स्थित सुभाष चंद्र बोस इनडोर स्टेडियम में आयोजित 44 वे सीनियर नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता में सार्थक एस सिंह और आयुष ख्वास झारखंड सीनियर नेटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। 26 जुलाई को गोड्डा एवं बेड़ो रांची में आयोजित चयन प्रक्रिया में खिलाड़ियों ने शारीरिक फिटनेस,तकनीकी दक्षता,टीम समन्वयन, खेल कौशल,एवं मैच की परिस्थितियों का मूल्यांकन किया गया। इस दौरान फेडरेशन के अधिकारी सहित झारखंड नेटबॉल संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, सचिव भूपेन्द्र राम, साहेब मंडल ,साकेत सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सार्थक सिंह और आयुष ख्वास के चयन पर बोकारो जिला नेटबॉल संघ अध्यक्ष संजीव सिंह,सचिव निशांत कुमार, उपाध्यक्ष मीनाक्षी कुमारी, कोषाध्यक्ष प्रांजल सैकिया, रण विजय ओझा, राम लखन मिस्त्री, ललिता उरांव एवं सभी सदस्यों ने दोनों खिलाड़ियों को ढेरों शुभकामनाएं दी एवं नेशनल प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी । साथ ही झारखंड नेटबॉल संघ के सभी गणमान्य पदाधिकारियों एवं नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया।

सीएनओ बैठक में न्यायालय, थाना व अभियोजन पक्ष के बीच समन्वय कड़ा करने के निर्देश

बिभा संवाददाता

बोकारो : न्यायालय से जुड़े मामलों के शीघ्र और प्रभावी निपटान के उद्देश्य से बुधवार को जिला स्तर पर कोर्ट नोडल अधिकारियों (उठड) की अहम बैठक पुलिस अधीक्षक के दिशानिर्देश पर मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में सभी सीएनओ को निर्देश दिया गया कि वे न्यायालय, थाना और अभियोजन पक्ष के बीच समन्वय स्थापित कर विभिन्न न्यायिक प्रक्रियाओं (नोटिस, वारंट, कोर्ट कंप्लेंट, फाइनल फॉर्म, गवाहों की गवाही, केस डायरी, प्रदर्श प्रस्तुतिकरण इत्यादि) का समयबद्ध एवं प्रोफेशनल तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करें। बैठक में यह जोर दिया गया कि समन्वय के अभाव में अदालतों में लंबित मामलों की सुनवाई प्रभावित न हो और अभियोजन पक्ष के पक्ष में दोषसिद्धि के दर में गुणात्मक सुधार आए। सभी सीएनओ को निर्देश दिया गया कि वे पेशेवर मानकों के अनुरूप कार्य करें और संबंधित प्रक्रियाओं में देरी न होने दें।

अतिरिक्त निर्देश में बताया गया किः

किसी भी अभियुक्त की जेल भेजने या जमानत मिलने संबंधी सूचना तुरंत संबंधित थाना प्रभारी को दी जाए।

दोषसिद्धि या बरी होने की सूचना तुरन्त अभियोजन प्रभारी को उपलब्ध कराई जाए। जिला प्रशासन ने बैठक के निर्णयों को लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाने और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का भी आश्वासन दिया। इससे न्यायिक कार्यवाही की त्वरितता और पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद जताई गई है।

झारखण्ड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का पुनर्गठन राजदेव माहथा ने आर-पार आंदोलन की चेतावनी

बिभा संवाददाता

बोकारो : झारखण्ड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा (बोकारो जिला) के अध्यक्ष व केंद्रीय कोर कमिटी सदस्य राजदेव माहथा ने जिलास्तरीय समिति का पुनर्विस्तार किया है। नए गठन में वरीय उपाध्यक्ष देवनारायण मुर्मू, उपाध्यक्ष राजकपूर राय, महासचिव खगेन्द्र नाथ वर्मा (चास अनुमंडल), महासचिव करम चंद हांसदा (बेरमो अनुमंडल) और सचिव भागीरथ महतो शामिल हैं।

जिला अध्यक्ष राजदेव माहथा ने चेतावनी देते हुए कहा कि अब बोकारो सहित पूरे झारखण्ड में जोरदार और आर-पार के आंदोलन किए जाएंगे। उन्होंने आंदोलनकारियों के लिए मासिक सम्मान पेंशन (प्रति व्यक्ति ?50,000), आश्रितों के लिए नियोजन, स्वास्थ्य समूह बीमा व चिकित्सा व्यवस्था, तथा शहीद आंदोलनकारियों को तिरंगे से राजकीय सम्मान देने की माँग उठाई। माहथा ने कहा कि आंदोलनकारियों को पक्का मकान, पहचान-पत्र और अन्य राजकीय सुविधाएँ स्वतंत्रता सेनानियों के समकक्ष दी जानी चाहिए।

माहथा ने आरोप लगाया कि पिछले 26 वर्षों में केंद्र व राज्य की सरकारों ने आंदोलनकारियों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है और अब उनकी सब्र की सीमा समाप्त हो चुकी है। उन्होंने सभी आंदोलनकारियों से जाति, पार्टी और धर्म से ऊपर उठकर एकजुट होकर आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया।

काई नेशनल कराटे चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे झारखंड के 19 खिलाड़ी

बोकारो(बिभा): काई नेशनल कराटे चैंपियनशिप का आयोजन जो बंगाल स्पोर्टस कराटे एसोसिएशन की ओर से नेताजी सुभाष एरीना हुगली बंगाल में 7 अगस्त से शुरू होगा। यह जानकारी देते हुए खेल कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ ए एस गंगवार ने बताया इस सब जूनियर व जूनियर काई नेशनल कराटे चैंपियनशिप में पूरे झारखंड राज्य से कुल 19 कराटे खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। जिसमें झारखंड टीम से बोकारो के कुल 12 कराटे खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। झारखंड टीम से चयनित खिलाड़ियों में दिक्षिता, अंशिका, आद्या, मंथन, आरव कुमार,भाव्या बिष्ट, श्रिष्टि महतो, आरूष प्रकाश, सुचमिता महतो,ऋतिका राय, रानी राणा, हर्षिका भारा, आलोक वर्णवाल, ऋतविक कुमार,रूद्र प्रताप, जीत कुमार टिकदार, आद्या व आकृति कुमारी, अंजलि सिन्हा को शामिल किया गया है। चयनित झारखंड टीम के खिलाड़ी बुधवार को कराटे टीम के कोच खेदु गोराइ के साथ हुगली बंगाल के लिए ट्रेन से रवाना हुए।

विस्थापितों ने निकाला जुलूस, जिंदल कंपनी को सौंपा मांग पत्र

बिभा संवाददाता

दुगदा (बोकारो) : स्थानीय विस्थापित समन्वय समिति द्वारा पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत बुधवार को दुगदा बेड़ा बस्ती से सैकड़ो विस्थापित महिला पुरुषों ने तीर धनुष और परंपरागत हथियारों के साथ जुलूस निकाला। जुलूस में दुगदा बस्ती ,बेडा बस्ती,जुल्फु बेड़ा,बाघमरीटांड, चन्दुवाडींह, परसाडीह,बुढीडीह बड़कीटांड, महिला पुरुष शामिल थे। जुलूस में स्थानीय विस्थापितों को रोजगार दो, विस्थापित गांवों में बिजली पानी, सड़क,स्वास्थ्य सुविधा,शिक्षा की सुविधा दो के नारे के साथ विस्थापितों की रैली दुगदा गोलाई, दुगदा मोड़, सरहुल पूजा स्थल होते हुए दुगदा कोल वाशरी प्लांट के मुख्य द्वार पर पहुंच कर नुक्कड़ सभा की और विस्थापितो का प्रतिनिधि मंडल ने चार सूत्री मांग पत्र जिंदल कंपनी के प्रोजेक्ट हैड संजय बोराल को सौंपा। नुक्कड़ सभा को स्थानीय विस्थापित समन्वय समिति के अध्यक्ष ज्योति टूडू ने कहा कि जिंदल कंपनी को हर हाल में विस्थापितों को रोजगार देना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने भारत सरकार को सरकारी प्लांट लगाने के लिए जमीन दिया था लेकिन बीसीसीएल ने निजी कंपनी जिंदल को 189 एकड़ जमीन पच्चीस वर्षों के लिए बेच दिया। विस्थापित गांवों के लोगो को रोजगार के साथ साथ जिंदल कंपनी को पानी, बिजली,सड़क, स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करना होगा। स्थानीय विस्थापित समन्वय समिति के सचिव सह जे एम एम प्रखंड उपाध्यक्ष विजय कुमार मांझी ने कहा कि विस्थापित जिंदल कंपनी का दुगदा कोल वाशरी प्लांट में स्वागत करते हैं लेकिन जिंदल कंपनी को स्थानीय विस्थापित गांवों के लोगो को रोजगार मुहैया कराना होगा।उन्होंने कहा कि जेएस डब्लू विस्थापित के पढ़े लिखे और तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवकों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार से जोड़ना होगा। मौके पर फूलचंद मूर्मू , अनील मूर्मू, सदानंद मंडल, बैजनाथ सोरेन, रुपलाल टुडु,महादेव राम,रीतलाल रजक, गणेश दास, रामप्रवेश मूर्मू , रामु सोरेन, मनोज तुरी,रुपलाल ठाकुर,भीम साव चेलू हेंब्रम, मुकेश कुमार मूर्मू समेत सैकड़ों विस्थापित उपस्थित थे।

बोकारो में बाल कल्याण एवं संरक्षण समितियों का होगा गठन

बिभा संवाददाता

बोकारो : जिले में बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके सर्वांगीण विकास को गति देने के लिए जिला प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, बोकारो के आदेश पर बाल संरक्षण इकाई ने जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों, गांवों और शहरी क्षेत्रों (नगर निगम व नगर परिषद) में बाल कल्याण एवं संरक्षण समितियों के गठन और संचालन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस बाबत उपायुक्त कार्यालय द्वारा जिला पंचायती राज पदाधिकारी और जिले के सभी प्रखंड विकास अधिकारियों को आधिकारिक पत्र जारी कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। यह पूरी कवायद सरकार की 'मिशन वात्सल्य' योजना और झारखण्ड बाल संरक्षण संस्थान, रांची के दिशा-निदेर्शों के तहत की जा रही है। ये समितियां झारखण्ड पंचायत अधिनियम के तहत गठित समितियों की उप-समिति के रूप में कार्य करेंगी, जिसमें पंचायती राज संस्थान एवं विकास विभाग की सीधी भागीदारी होगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केवल समिति बनाना काफी नहीं होगा, बल्कि हर माह नियमित बैठकें आयोजित कर तय कार्य योजना के अनुसार बाल कल्याण गतिविधियों को जमीन पर उतारना अनिवार्य होगा। सभी प्रखंडों और नगर निकायों को अपनी गतिविधियों और बैठकों से जुड़ी रिपोर्ट जिला बाल संरक्षण इकाई, बोकारो को भेजनी होगी।

बैठक मे सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर, रवि कुमार, प्रकाश कुमार महतो, मंजू देवी, अनिल कुमार हेब्रम, सोनी कुमारी, प्रकाश महतो, मंजू देवी, विनोद यादव, विनीता देवी, संगीता देवी, रेखा देवी, अजय कुमार, अभय कुमार, पुष्पा देवी, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सीआईएसएफ एडीजी ने किया ईस्टर्न सेक्टर की इकाइयों का विस्तृत ऑप्रेशनल रिव्यू, कोयला क्षेत्र की सुरक्षा पर दिया विशेष जोर

बिभा संवाददाता

बोकारो। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) सुधीर कुमार ने धुर्वा स्थित सीआईएसएफ ईस्टर्न सेक्टर मुख्यालय का दो दिवसीय दौरा किया। इस दौरे के दौरान उनकी अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में ईस्टर्न सेक्टर की इकाइयों की परिचालन तैयारियों और समग्र सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यालय पहुंचने पर जवानों ने एडीजी को गरिमापूर्ण 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर सम्मानित किया। समीक्षा बैठक के दौरान बिहार और झारखंड राज्य में तैनात सभी सीआईएसएफ इकाइयों की वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था, उपलब्ध संसाधनों के समुचित उपयोग और आपसी समन्वय का गहन जायजा लिया गया।

बैठक में विशेष रूप से कोयला क्षेत्र की सुरक्षा और उससे जुड़े संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को सुदृढ़ करने पर बल दिया गया। एडीजी सुधीर कुमार ने कोयला उत्पादन एवं परिवहन तंत्र को सुरक्षित रखने, वर्तमान तथा उभरती सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए खुफिया जानकारी के बेहतर उपयोग और विभिन्न इकाइयों के बीच तालमेल बढ़ाने के निर्देश दिए। इस दौरान खनिज एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम से जुड़े नवीन घटनाक्रमों का सुरक्षा प्रबंधन पर पड़ने वाले प्रभावों तथा इकाइयों से प्राप्त फीडबैक पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

इस समीक्षा बैठक में महानिरीक्षक प्रबोध चंद्र (ईस्टर्न सेक्टर), उप महानिरीक्षक सुमंत सिंह (सीसीएल मुख्यालय), उप महानिरीक्षक जितेंद्र कुमार तिवारी (बोकारो स्टील प्लांट), उप महानिरीक्षक प्रनीत चंद्र (ईस्टर्न सेक्टर मुख्यालय), उप महानिरीक्षक अमित माथुर (ईस्ट जोन-1) और उप महानिरीक्षक राजीव मिश्रा (बीसीसीएल, धनबाद) सहित बिहार एवं झारखंड की विभिन्न इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी व यूनिट कमांडर उपस्थित रहे। एडीजी ने बल के अधिकारियों और जवानों के अनुशासन व व्यावसायिक दक्षता की सराहना करते हुए राष्ट्रीय महत्व के प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए उच्चतम सतर्कता, तकनीकी दक्षता और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को निरंतर मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया।

स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में धूमधाम से मनाया गया महिला सावन मिलन समारोह

बिभा संवाददाता

बोकारो। स्वदेशी जागरण मंच के महिलाओं द्वारा प्रत्येक वर्ष की भाँति इस बार भी सावन महोत्सव के कार्यक्रम का आयोजन किया गया क सेक्टर वन सी स्वदेशी जागरण मंच के कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन पूनम सिन्हा और मनोरमा चौधरी द्वय के संयोजन में किया गया। सभी महिलाओ ने हरे रंग के परिधान में सजधज कर भाग लिया ककार्यक्रम में सभी महिलाओं ने मेहंदी,गीत-संगीत, नृत्य एवं क्विज प्रतियोगिता का अनुपम,मनमोहक संगम प्रस्तुत किया कइस अवसर पर महिलाओं ने ₹मैं भी स्वदेशी समर्थक अभियान के लिंक पर क्लिक कर मैं भी स्वदेशी समर्थक अभियान को गति प्रदान किया एवं और भी लोगों को इस अभियान से जोड़ने पर बल दिया क इस मौके पर पूनम सिन्हा ने कहा कि सावन के मौसम में प्राकृतिक का मनोरम रूप देखने को मिलता है। इस मौसम में धरती हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। कार्यक्रम में पूनम सिन्हा, मनोरमा चौधरी, अनुजा सिंह, अनीता सिंह, ज्योति नाथ, आशा सिन्हा, वंदना वर्मा ,ममता वर्मा, प्रतिमा प्रसाद, नीलम सिंह, दीपाश्री बोराल, पूनम सिंह, सरिता श्रीवास्तव,विनीता श्रीवास्तव ,मंजू पोद्दार, उर्मिला पांडेय आदि महिलाओं ने भाग लिया।

उपायुक्त ने नगर एवं कटकमदाग प्रखंड का किया निरीक्षण, विकास कार्यों एवं भूमि मामलों की जांच कर दिए आवश्यक निर्देश

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: उपायुक्त हेमन्त सती ने बुधवार को नगर क्षेत्र एवं कटकमदाग प्रखंड का भ्रमण कर विभिन्न विकास योजनाओं, भूमि संबंधी मामलों तथा प्रशासनिक कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

नगर भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने पेलावल क्षेत्र के वार्ड संख्या-1, रोड संख्या-3 में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) मद से ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा राजन के घर से अलहीरा स्कूल, पेलावल दक्षिणी तक निर्मित किए जा रहे पीसीसी पथ का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें जानकारी मिली कि स्वीकृत पथ के कुछ हिस्से को स्थानीय लोगों द्वारा चाहरदीवारी निर्माण कर संकीर्ण कर दिया गया है। इस पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान यह प्रकाश में आया कि स्थानीय लोगों द्वारा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आवास निर्माण करने तथा समुचित नाली निकासी व्यवस्था नहीं की गई है, इस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की, वही वार्ड संख्या-21 में निमार्णाधीन नए फ्लैटों के निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण में स्वीकृत नक्शा एवं निर्धारित मानकों के अनुपालन में गंभीरता नहीं दिखाई दी। उपायुक्त ने तत्काल टाउन प्लानर को कार्यालय बुलाकर मामले की जांच एवं आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

कटकमदाग प्रखंड का भ्रमण

इसके उपरांत उपायुक्त कटकमदाग प्रखंड पहुंचे, जहां उन्होंने एक आवेदनकर्ता द्वारा भूमि संबंधी शिकायत पर मौजा खपरियावां में स्वयं स्थल निरीक्षण किया। जांच के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण में प्रथम दृष्टया यह तथ्य सामने आया कि संबंधित भूमि की गलत तरीके से डीड तैयार कर बिक्री किए जाने का मामला है। इस पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कर्मियों को फटकार लगाई तथा वरीय सहायक श्री राजेश कुमार का तत्काल स्थानांतरण करने का निर्देश दिया।

भ्रमण के क्रम में उपायुक्त ने कटकमदाग अंचल कार्यालय का भी निरीक्षण किया तथा विभिन्न प्रशासनिक एवं राजस्व संबंधी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत असेंबलिंग किए जा रहे साइकिलों का निरीक्षण कर वितरण कार्य में तेजी लाने एवं अविलंब लाभुकों के बीच साइकिल वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय में पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल (जीपीएफटी) के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी भाग लिया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियों को ग्राम पंचायतों में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, जनसहभागिता एवं सुशासन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया तथा संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण का उद्देश्य धरातल पर प्रभावी रूप से लागू कराने के निर्देश दिए।उपायुक्त ने कहा है कि जमीन संबंधी मामले जिनका अंचल स्तर से समाधान नहीं हो पा रहा है वो प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को जिला में लगने वाले जनता दरबार में आकर आवेदन दे सकते है।

सीसीएल के समाधान शिविर में कर्मचारियों ने रखी समस्याएं

बिभा संवाददाता

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के निदेशालय की ओर से बुधवार को अरगडा क्षेत्र में एक दिवसीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कर्मचारियों ने अपनी सेवा संबंधी विभिन्न समस्याएं और शिकायतें प्रबंधन के समक्ष रखीं। शिविर का उद्देश्य कर्मचारियों की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना और पारदर्शी कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना था।

शिविर की अध्यक्षता समाधान प्रकोष्ठ के मुख्य प्रबंधक गौतम चौधरी ने की। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान कर्मचारियों ने आवास (क्वार्टर) अनुरक्षण, पदोन्नति, सेवा संबंधी लंबित मामलों सहित अन्य समस्याओं को प्रबंधन के समक्ष रखा।

सीसीएल प्रबंधन ने कहा कि समाधान शिविर कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण, जवाबदेह प्रशासन और बेहतर कार्य संस्कृति विकसित करने की दिशा में कंपनी की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। अधिकारियों ने शिकायतों की समीक्षा करते हुए संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया और अधिकांश मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर कर्मचारियों को तत्काल राहत प्रदान की। जिन मामलों में विस्तृत प्रक्रिया की आवश्यकता थी, उन्हें नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई के लिए दर्ज किया गया।

इस अवसर पर अरगडा क्षेत्र के स्टाफ अधिकारी (मानव संसाधन एवं प्रशासन) राजीव कुमार, मुख्य प्रबंधक (कार्मिक) तेजविंदर सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) एवं नोडल अधिकारी समाधान सेल ऋचा टाइटस, स्टाफ अधिकारी (सिविल), सभी इकाइयों के मानव संसाधन अधिकारी तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

बीएफसीएल में पौधारोपण अभियान के तहत 50 पौधों का रोपण किया

रामगढ़(बिभा): बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड (बीएफसीएल), परिसर में हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए आज पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत कंपनी परिसर में लगभग 50 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर बीएफसीएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण तथा हरित भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अभियान के दौरान सभी प्रतिभागियों ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बीएफसीएल समय-समय पर पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। यह पौधारोपण अभियान भी उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसका उद्देश्य हरित वातावरण को बढ़ावा देना तथा प्रकृति के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का निर्वहन करना है।

एसपी अमन कुमार ने नई डायल-112 वाहनों को दिखाई हरी झंडी, विभिन्न थानों के लिए किया रवाना

हजारीबाग(बिभा) : जिले में आपातकालीन पुलिस सेवा को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने की दिशा में बुधवार को पुलिस केंद्र, हजारीबाग में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने पुलिस मुख्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए नए डायल-112 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न थाना क्षेत्रों के लिए रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि डायल-112 सेवा आम नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी पुलिस सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण व्यवस्था है। नए वाहनों के विभिन्न थानों में शामिल होने से आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस की प्रतिक्रिया समय (रिस्पॉन्स टाइम) और बेहतर होगा। इससे अपराध नियंत्रण, विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन को समय पर सहायता उपलब्ध कराने में पुलिस को और मजबूती मिलेगी उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय का उद्देश्य आधुनिक संसाधनों से पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है, ताकि नागरिकों को बेहतर सुरक्षा और भरोसेमंद पुलिस सेवा मिल सके। नए वाहनों के माध्यम से दुर्घटना, अपराध, विवाद अथवा अन्य आपातकालीन स्थितियों में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहले से अधिक तेजी से पहुंच सकेगी।

रुचि अरुण जैन को इंदौर में प्रतिष्ठित सम्मान

हजारीबाग(बिभा) : हजारीबाग की गौरव बेटी रुचि अरुण जैन को इंदौर में आयोजित 8 दिवसीय इंडस्ट्रियल एवं एस्ट्रो वास्तु प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें गुरुजी डॉ. राजेंद्र जैन एवं मध्यप्रदेश के पूर्व पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुरेंद्र पटवा के करकमलों से प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण-पत्र एवं सम्मान प्रदान किया गया।इस प्रशिक्षण में इंडस्ट्रियल एवं एस्ट्रो वास्तु के विभिन्न पहलुओं के साथ औद्योगिक इकाइयों का व्यावहारिक अध्ययन भी कराया गया। यह उपलब्धि उनके समर्पण, निरंतर सीखने की भावना और उत्कृष्ट कार्य के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।इस गौरवपूर्ण उपलब्धि की जानकारी समाजसेवी सुमेर सेठी ने समूह में साझा करते हुए रुचि जैन को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

30 अगस्त को अग्रसेन भवन में सजेगा पंचम श्री श्याम मनुहार महोत्सव

हजारीबाग(बिभा) : श्री श्याम अरदास कीर्तन परिवार (हजारीबाग) के तत्वावधान में आगामी 30 अगस्त 2026 (रविवार) को पंचम श्री श्याम मनुहार महोत्सव का भव्य आयोजन अग्रसेन भवन, हजारीबाग में किया जाएगा। यह आयोजन दोपहर 2:15 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें देश के प्रसिद्ध भजन गायक अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगे।महोत्सव में अभिषेक नामा, आदर्श दाधीच एवं दीपांशु अग्रवाल बाबा श्याम के एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के दौरान बाबा श्याम का भव्य दरबार, आकर्षक सजावट, संगीतमय भजन संध्या तथा भक्तिमय वातावरण श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

बड़कागांव सीएचसी में जच्चा-बच्चा की मौत पर फूटा जनाक्रोश, 9 घंटे बाद समाप्त हुआ धरना

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जिले के बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में प्रसव के दौरान कथित चिकित्सकीय लापरवाही से जच्चा और नवजात शिशु की मौत के बाद पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना के विरोध में मंगलवार शाम से मृतक के परिजनों के समर्थन में पत्रकार, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण शव के साथ सीएचसी परिसर में धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने दोषी चिकित्सक पर कड़ी कार्रवाई, अस्पताल की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था में तत्काल सुधार तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की।

धरना लगातार करीब नौ घंटे तक चला। देर रात बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल एवं अंचलाधिकारी मनोज कुमार की पहल पर प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच वार्ता हुई, जिसके बाद रात करीब तीन बजे धरना समाप्त हुआ।

वार्ता के दौरान चिकित्सा प्रभारी डॉ. अविनाश कुमार ने मृतक परिवार के एक सदस्य को आउटसोर्सिंग के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने, आर्थिक सहायता दिलाने के लिए आवश्यक पहल करने, घटना में संलिप्त चिकित्सक के विरुद्ध जांचोपरांत कार्रवाई कराने तथा बड़कागांव सीएचसी की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था में अविलंब सुधार और अनियमितताओं पर रोक लगाने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजनों ने थाना में लिखित आवेदन सौंपा और शव को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया।

इधर पोस्टमार्टम के दौरान हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें निष्पक्ष जांच एवं न्याय दिलाने का भरोसा दिया।

इसके बाद रंजन चौधरी सीधे हजारीबाग जिले के सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार से कार्यालय पंहुचकर उनसे मिले और बड़कागांव सीएचसी में हुई जच्चा-बच्चा की मौत की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। उन्होंने हाल ही में सामने आए दवाई चोरी मामले पर भी गंभीरता से संज्ञान लेते हुए दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई तथा बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने का आग्रह किया।

इस पर सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को आश्वस्त किया कि जच्चा-बच्चा की मौत की घटना की जांच के लिए जल्द ही एक जांच समिति गठित की जा रही है और उसकी रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि दवाई चोरी प्रकरण में संबंधित दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए जा चुके हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही बड़कागांव सीएचसी का निरीक्षण कर वहां की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

तीन दिवसीय केलिडोस्कोप 2026 का भव्य समापन, सेंट जेवियर्स में प्रतिभाओं का अद्भुत संगम

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : सेंट जेवियर्स स्कूल, हजारीबाग में आयोजित तीन दिवसीय अंतरविद्यालयी सांस्कृतिक एवं बौद्धिक महोत्सव केलिडोस्कोप 2026 का बुधवार को भव्य समापन हुआ। 3 से 5 अगस्त तक चले इस प्रतिष्ठित आयोजन में जिले के विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने साहित्य, संगीत, नृत्य, अभिनय, भाषण एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। तीन दिनों तक विद्यालय परिसर प्रतिभा, रचनात्मकता, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का केंद्र बना रहा।

उद्घाटन दिवस पर कक्षा 2 एवं 3 के विद्यार्थियों के लिए हिंदी वाक प्रतियोगिता, उपशास्त्रीय सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता तथा कक्षा 9 एवं 10 के विद्यार्थियों के लिए युगल नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। हिंदी वाक प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने प्रभावशाली अभिव्यक्ति से सभी का मन मोह लिया। इस प्रतियोगिता में सेंट जेवियर्स स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उपशास्त्रीय सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में भी सेंट जेवियर्स स्कूल ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति के बल पर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं कक्षा 9 एवं 10 की युगल नृत्य प्रतियोगिता में हॉली क्रॉस स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।दूसरे दिन 4 अगस्त को भाषा, संगीत और बौद्धिक क्षमता पर आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। अंग्रेजी वाक प्रतियोगिता में कक्षा 8 वर्ग में दिल्ली पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कक्षा 9 एवं 10 वर्ग में माउंट फोर्ट स्कूल और सेंट जेवियर विजेता बना। इसके बाद आयोजित झारखंड फॉक सॉन्ग (लोकगीत) प्रतियोगिता में सेंट जेवियर्स स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का शानदार परिचय दिया। वहीं माइंडस्पार्क प्रतियोगिता में एंजेल हाई स्कूल ने अपनी तार्किक क्षमता और बौद्धिक दक्षता के दम पर प्रथम स्थान हासिल किया।आयोजन के अंतिम दिन 5 अगस्त को विद्यालय में संस्थापक दिवस श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाया गया।

संकल्प ग्रुप का 'सावन महोत्सव' 8 को

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : सावन के पावन अवसर पर संकल्प ग्रुप की ओर से महिलाओं के लिए विशेष 'सावन महोत्सव' का आयोजन 8 अगस्त 2026 को शुभ बैंक्वेट हॉल, कुम्हार टोली, हजारीबाग में किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर 3:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक आयोजित होगा। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे मनोरंजन के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और सावन के उल्लास को यादगार बना सकें।आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम पूरी तरह महिलाओं के लिए समर्पित रहेगा। इसमें डांस प्रोग्राम, मजेदार खेल, आकर्षक इवेंट्स, क्वीन पेजेंट प्रतियोगिता तथा शॉपिंग और विभिन्न स्टॉल मुख्य आकर्षण होंगे। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को मनोरंजन के साथ-साथ आपसी मेल-मिलाप और सांस्कृतिक सहभागिता का अवसर मिलेगा।

श्री रानीसती दादी जी का भव्य मंगल पाठ 7 अगस्त को

हजारीबाग: धार्मिक आस्था, भक्ति और श्रद्धा का अनुपम संगम 7 अगस्त (शुक्रवार) को हजारीबाग में देखने को मिलेगा। श्री रानीसती दादी जी का भव्य महा मंगल पाठ अग्रसेन भवन, हजारीबाग में आयोजित किया जाएगा। इस पावन आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन के दौरान दादी जी का भव्य श्रृंगार, चुनरी, गजरा एवं अलौकिक श्रृंगार विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। दादी भक्तों को दादी जी के दिव्य स्वरूप के दर्शन करने तथा मंगल पाठ का पुण्य लाभ प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।मंगल पाठ का वाचन जुली खंडेलवाल (रानीगंज) द्वारा किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चलेगा, जिसमें सामूहिक मंगल पाठ, भजन-कीर्तन एवं दादी जी की महिमा का गुणगान किया जाएगा।

श्रावणी मेला के सातवें दिन भी बाबा नगरी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला-2026 के सातवें दिन बुधवार को भी बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। तडके सुबह 4:09 बजे मंदिर के पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया। मंगलवार देर रात से ही कांवरिये कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। गर्भगृह का द्वार खुलते ही श्रद्धालुओं की कतार तेजी से मंदिर की ओर बढ़ी। इस दौरान संस्कार मंडप, फुट ओवर ब्रिज और मंदिर परिसर पूरी तरह कांवरियों से भरा रहा और पूरा क्षेत्र 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गुंजायमान रहा। मंगलवार की तुलना में बुधवार को श्रद्धालुओं की संख्या में कुछ कमी देखी गई। हालांकि प्रशासन को उम्मीद है कि शुक्रवार से अगले मंगलवार तक कांवरियों की संख्या में फिर उल्लेखनीय वृद्धि होगी। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन के अधिकारी और सुरक्षा बल लगातार तैनात रहे। निकास द्वार पर कुछ समय के लिए भीड़ का दबाव बना, लेकिन प्रशासन ने स्थिति को शीघ्र ही नियंत्रित कर लिया।

भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की त्रिवेणी में सराबोर हुआ श्रीमद्भागवत कथा का तीसरा दिवस, मदन मोहन जी महाराज के दिव्य प्रवचनों से भावविभोर हुए श्रद्धालु

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महोत्सव के तीसरे दिवस अग्रसेन भवन का वातावरण भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की दिव्य त्रिवेणी से सराबोर हो उठा। प्रख्यात कथा वाचक मदन मोहन जी महाराज ने अपने ओजस्वी एवं भावपूर्ण प्रवचनों से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक जीवन का मर्म समझाते हुए भगवान की भक्ति का महत्व बताया। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे परिसर में ₹राधे-राधे₹ तथा ₹जय श्रीकृष्ण₹ के जयघोष गूंजते रहे।महाराज श्री ने कहा कि मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ है और इसका वास्तविक उद्देश्य ईश्वर की भक्ति, सत्कर्म एवं आत्मकल्याण है। उन्होंने कहा कि जिस जीवन में भक्ति का समावेश हो जाता है, वहां ज्ञान स्वतः प्रकट होता है और ज्ञान से वैराग्य की भावना उत्पन्न होती है। यही तीनों मिलकर जीवन को सफल एवं सार्थक बनाते हैं।कथा के दौरान उन्होंने श्रीमद्भागवत महापुराण की विभिन्न प्रेरणादायी प्रसंगों का सुंदर वर्णन करते हुए बताया कि भगवान का नाम-स्मरण ही कलियुग में सबसे सरल और श्रेष्ठ साधन है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे अपने दैनिक जीवन में धर्म, सेवा, संस्कार और सदाचार को अपनाएं तथा परिवार में आध्यात्मिक वातावरण का निर्माण करें।मदन मोहन जी महाराज ने कहा कि धन, वैभव और भौतिक सुख क्षणभंगुर हैं, जबकि भगवान की भक्ति शाश्वत आनंद प्रदान करती है। उन्होंने युवाओं से भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि संस्कारयुक्त समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखता है।

कथा के मध्य भजनों की मधुर प्रस्तुति पर श्रद्धालु भक्ति रस में डूब गए। कई श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमते और भगवान के जयकारे लगाते दिखाई दिए। संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा, श्रद्धा और उल्लास से ओत-प्रोत रहा।

कार्यक्रम के अंत में महाआरती संपन्न हुई, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि एवं शांति की प्रार्थना की। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए आगामी दिनों की कथा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह पर एचजेडबी आरोग्यम कुणाल महिला एवं शिशु अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

माँ का दूध नवजात के लिए सबसे सुरक्षित और संपूर्ण आहारः हर्ष अजमेरा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर इमली कोठी स्थित एचजेडबी आरोग्यम कुणाल महिला एवं शिशु अस्पताल में बुधवार को निःशुल्क स्तनपान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं, नवप्रसूता माताओं एवं उनके परिजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं को स्तनपान के महत्व, शिशु के पोषण एवं मातृ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम को रोचक एवं ज्ञानवर्धक बनाने के लिए स्तनपान विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, विभिन्न खेल एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। खेल-खेल में उपस्थित महिलाओं को स्तनपान कराने की सही विधि, नवजात शिशु की देखभाल, संतुलित पोषण तथा शिशु के स्वस्थ विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। प्रश्नोत्तरी एवं खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने प्रोजेक्टर के माध्यम से चित्रों एवं प्रस्तुति की सहायता से स्तनपान की वैज्ञानिक एवं सही तकनीक, नवजात शिशु को गोद में रखने की उचित स्थिति, माँ के पोषण, शिशु की देखभाल तथा स्तनपान से जुड़े विभिन्न तथ्यों की विस्तृत जानकारी दी। उपस्थित महिलाओं ने विशेषज्ञों से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। अस्पताल के निदेशक हर्ष अजमेरा ने कहा कि विश्व स्तनपान सप्ताह का उद्देश्य माताओं को जागरूक कर प्रत्येक नवजात को जीवन की सर्वोत्तम शुरूआत दिलाना है। उन्होंने कहा कि माँ का दूध शिशु के लिए प्रकृति का सबसे सुरक्षित, संपूर्ण एवं पौष्टिक आहार है। अस्पताल निरंतर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए जागरूकता अभियान, निःशुल्क परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा, ताकि प्रत्येक माँ सही जानकारी के साथ अपने शिशु का बेहतर पालन-पोषण कर सके।इस अवसर पर स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रीमा वर्मा एवं डॉ. एस. कुमारी ने कहा कि जन्म के तुरंत बाद शिशु को माँ का पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलोस्ट्रम) अवश्य पिलाना चाहिए, क्योंकि यही उसकी पहली प्राकृतिक सुरक्षा है। उन्होंने बताया कि माँ का दूध शिशु के लिए संपूर्ण एवं सर्वोत्तम आहार है, जो आवश्यक पोषण प्रदान करने के साथ-साथ उसे अनेक संक्रमणों एवं बीमारियों से भी बचाता है। उन्होंने सभी माताओं से जन्म के बाद पहले छह माह तक केवल स्तनपान कराने तथा उसके बाद पूरक आहार के साथ दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने की अपील की। अस्पताल की प्रशासक जया सिंह ने कहा कि स्तनपान केवल शिशु का भोजन नहीं, बल्कि माँ और बच्चे के बीच स्नेह, विश्वास एवं भावनात्मक जुड़ाव का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि सही जानकारी एवं जागरूकता के माध्यम से माताएँ अपने शिशु को स्वस्थ जीवन की सर्वोत्तम शुरूआत दे सकती हैं।

हजारीबाग डेंटल कॉलेज का मंडई में निशुल्क दंत जांच शिविर

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल द्वारा मंडई स्थित राजकीय उर्दू मध्य विद्यालय में बुधवार को निशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 104 से अधिक स्कूली बच्चों के दांतों की निशुल्क जांच की गई तथा उन्हें मुख एवं दंत स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यक परामर्श भी दिया गया। इस अवसर पर हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए दांतों की नियमित देखभाल और समय-समय पर जांच अत्यंत आवश्यक है। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर समाज के लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समय पर उपचार सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी संस्थान सामाजिक सरोकारों के तहत इस प्रकार के जनहितकारी निशुल्क शिविर आयोजित करता रहेगा। मौके पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज के चिकित्सक डॉ मुस्कान, साक्षी मिश्रा, पायल, हर्षिता, हर्षवर्धन, आयुष एवं राज कुमार (पीआरओ) ने सरहानीय योगदान दिया।

अनुच्छेद 370 पर बदजुबानी कर रहे थे जरदारी और शहबाज शरीफ, मोदी ने खुद आगे आकर दिया करारा जवाब

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए थे और इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख के विकास का नया अध्याय शुरू हुआ।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं वर्षगांठ पर पाकिस्तान ने एक बार फिर पुराना राग अलापने की कोशिश की, लेकिन उसकी इस बदजुबानी का करारा जवाब खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि 5 अगस्त 2019 का ऐतिहासिक फैसला जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए एक निर्णायक नए युग की शुरूआत था। उन्होंने दो टूक कहा कि बीते सात वर्षों में इन दोनों क्षेत्रों ने विकास, सुशासन और सामाजिक सशक्तिकरण के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया, जब पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने भारत के इस संवैधानिक फैसले को लेकर फिर से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विवाद खड़ा करने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि सात वर्ष पहले आज ही के दिन अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए थे और इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख के विकास का नया अध्याय शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि वर्षों तक अपने संवैधानिक अधिकारों से वंचित रहे महिलाओं, अनुसूचित वर्गों और अन्य वंचित समुदायों को अब भारतीय संविधान का पूरा संरक्षण और अधिकार मिला है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, उद्यमिता और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है और केंद्र सरकार इन क्षेत्रों को विकसित भारत की यात्रा का मजबूत भागीदार बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस वर्ष अनुच्छेद 370 हटाए जाने की वर्षगांठ इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के वर्ष में पड़ रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता के लिए डॉ. मुखर्जी ने जिस संकल्प का सपना देखा था, वह 5 अगस्त 2019 को साकार हुआ।

दूसरी ओर, पाकिस्तान ने एक बार फिर 5 अगस्त को तथाकथित 'यौम-ए-इस्तेहसाल' के रूप में मनाते हुए भारत के खिलाफ बयानबाजी की। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दावा किया कि भारत ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर की विशेष स्थिति को समाप्त कर अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर के लोगों को अपना नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन जारी रखेगा तथा इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहेगा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी इसी सुर में बयान देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान पाकिस्तान की विदेश नीति का प्रमुख आधार बना रहेगा। उन्होंने भारत पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगाए और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की अपील की। वहीं उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भी भारत के 5 अगस्त 2019 के फैसले को एकतरफा बताते हुए संयुक्त राष्ट्र से इस मामले में सक्रिय भूमिका निभाने की मांग दोहराई। कुल मिलाकर देखें तो पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने एक बार फिर वही पुराने आरोप लगाए, जिन्हें भारत लगातार खारिज करता रहा है।

हालांकि पाकिस्तान की यह बयानबाजी इसलिए भी खोखली और दोगली नजर आती है क्योंकि जो देश कश्मीरियों के अधिकारों की दुहाई देता है, वही पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में अपने ही कब्जे वाले इलाके के लोगों पर दमनचक्र चला रहा है। हाल ही में खुद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने पीओजेके में आंदोलन कर रहे स्थानीय लोगों को भारत की तरह पाकिस्तान का दुश्मन तक करार दिया। पीओजेके में असीम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिन्हें दबाने के लिए बल प्रयोग किया जा रहा है। कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं, बिजली की आपूर्ति बाधित की गई, राशन और आवश्यक सुविधाओं पर भी असर पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनकी आवाज को बलपूर्वक कुचला जा रहा है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जो पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर में रहने वाले लोगों के साथ न्याय नहीं कर पा रहा, वह जम्मू-कश्मीर के लोगों की चिंता जताने का नैतिक अधिकार कैसे रखता है? स्पष्ट है कि कश्मीर के नाम पर पाकिस्तान की राजनीति महज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रचार और दुष्प्रचार तक सीमित रह गई है।

दूसरी ओर, अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में विकास परियोजनाओं को तेज गति मिली है। श्रीनगर को यूनेस्को क्रिएटिव सिटी और वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी जैसी वैश्विक पहचान मिली है। डल झील में संगीत फव्वारे पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हैं। वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी ने क्षेत्र में बढ़े विश्वास और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की पुष्टि की है। सड़क, रेल और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है, शिक्षा और उद्यमिता के नए अवसर पैदा हुए हैं तथा स्थानीय हस्तशिल्प और पर्यटन उद्योग को नई ऊर्जा मिली है। पत्थरबाजी खत्म हो गयी है, अलगाववादी टूट चुके हैं और आतंकवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है और लाल चौक पर तिरंगा शान से लहरा रहा है।

बहरहाल, सात वर्षों बाद तस्वीर बिल्कुल साफ है। एक ओर पाकिस्तान है, जो अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर में रहने वाले लोगों को ही दमन, इंटरनेट बंदी, बिजली कटौती और सैन्य कार्रवाई के साये में जीने को मजबूर कर रहा है, जबकि दूसरी ओर भारत का मुकुट जम्मू-कश्मीर है, जो विकास, निवेश, पर्यटन, रोजगार और सुशासन की नई पहचान बना रहा है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया 5 अगस्त 2019 का ऐतिहासिक निर्णय केवल एक संवैधानिक बदलाव नहीं था, बल्कि जम्मू-कश्मीर को अलगाववाद और पिछड़ेपन के दौर से निकालकर विकास और राष्ट्रीय एकीकरण की मुख्यधारा में लाने वाला निर्णायक मोड़ साबित हुआ। यही वजह है कि आज पाकिस्तान के आरोपों से अधिक प्रभावशाली वह बदली हुई तस्वीर है, जिसे जम्मू-कश्मीर की धरती पर विकास, शांति और जनविश्वास के रूप में पूरी दुनिया देख रही है।

संपादकीय

जन्म-मृत्यु पंजीकरण

यह जरूरी है कि देश में जन्म व मृत्यु से जुड़े आंकड़े प्रामाणिक हों और समय रहते दर्ज कर लिए जाएं। इससे जनसंख्या गणना, मतदाता की विश्वसनीयता और अंततः विकास योजनाओं के लिये विश्वसनीय आंकड़े जुटा पाना संभव होता है। वहीं दूसरी ओर अवैध घुसपैठियों और विदेशी नागरिकों की पहचान भी संभव हो पाती है। जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी है। इसी आलोक में संसद द्वारा हाल ही में 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण(संशोधन) विधेयक' को पारित करना, देश की नागरिक पंजीकरण प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, यह संशोधन सुनिश्चित करता है कि जन्म व मृत्यु का पंजीकरण समय रहते कर लिया जाए। यह कानून देर से होने वाले पंजीकरण के लिए सख्त नियम लागू करता है। नये संशोधन के तहत, जन्म व मृत्यु के दो साल बाद रिपोर्ट किए गए मामलों में मौजूदा कार्यकारी मंजूरी की जगह अब प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होगी। निस्संदेह, फर्जी पंजीकरण को रोकने की दिशा में सरकार का उद्देश्य सराहनीय है, लेकिन यह संशोधन लोगों की पहुंच और समावेशिता के बाबत कई महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करता है। निस्संदेह, आज देश ने सिविल रजिस्ट्रेशन यानी जन्म-मृत्यु पंजीकरण के मामलों में बहुत अच्छी प्रगति की है। आज देश में 99 फीसदी से अधिक जन्म और मृत्यु का रिकॉर्ड रखा जाता है। दरअसल, देश में बड़ी चुनौती सिर्फ रजिस्ट्रेशन की ही नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि जन्म व मृत्यु होने पर 21 दिन के भीतर सूचना दर्ज कर ली जाए। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि प्रक्रियागत बाधाएं बढ़ाने की बजाय, समय पर रिपोर्टिंग करने को सहज व सरल बनाया जाए। लोगों को इस बाबत जागरूक करने की भी जरूरत है। साथ ही मौजूदा नियमों को सख्ती से लागू करने से अधिक नीतिगत मामलों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। सरकार का दावा है कि न्यायिक जांच से पंजीकरण में होने वाली गड़बड़ियों पर रोक लगायी जा सकेगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष 2023 संशोधनों के तहत कई सरकारी सेवाओं के लिये जन्म प्रमाण पत्र पहचान का मुख्य दस्तावेज बन गया है। हालांकि, इस बाबत दो साल की समय-सीमा चुनने के पीछे की वजह को तार्किक आधार पर नहीं बताया गया है। वहीं कई ऐसे वाजिब कारण हैं जिसके चलते पंजीकरण देर से होता है। उदाहरण के लिये लें तो दूरदराज के इलाकों में जन्म, पलायन और जागरूकता की कमी के कारण भी जन्म-मृत्यु के पंजीकरण में विलंब होता है।

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है।

शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है।

मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

हिरोशिमा दिवसः तीसरे विश्वयुद्ध की आहट और हिरोशिमा का सबक

दिलीप कुमार पाठक

इक्यासी साल पहले छह अगस्त उन्नीस सौ पैंतालीस को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा पर जो परमाणु बम गिराया था, वह सिर्फ एक शहर की तबाही नहीं थी। उसने चंद सेकेंड में लाखों लोगों को मार डाला और जो बचे, वे पीढ़ियों तक घिसट-घिसट कर मरने के लिए मजबूर हो गए। आज भी जब हम उस दिन की कल्पना करते हैं तो सबसे बड़ा डर यह है कि दुनिया फिर से उसी रास्ते पर चल पड़ी है। चारों तरफ बस लड़ाई-झगड़े और तनाव का माहौल है। रूस और यूक्रेन के बीच सालों से चल रही जंग रुकने का नाम नहीं ले रही है। उधर पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल, हमास, हिजबुल्लाह और ईरान के बीच का झगड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसा लगता है कि दुनिया के बड़े देश किसी भी दिन एक दूसरे पर परमाणु हमला कर देंगे। मशहूर वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने एक बार बहुत पते की बात कही थी कि मैं यह तो नहीं जानता कि तीसरा विश्वयुद्ध किन हथियारों से लड़ा जाएगा, लेकिन चौथा विश्वयुद्ध पत्थरों और लाठियों से लड़ा जाएगा। उनका यह कथन आज की कड़वी सच्चाई है। इस पूरी बबार्दी के पीछे साफ तौर पर अमेरिका की दादागिरी दिखाई देती है। वह अपने फायदे के लिए यूक्रेन के बहाने रूस को घेरने की जिद पर अड़ा है। नाटो सेनाओं का विस्तार करके वह आग में घी डालने का काम कर रहा है।

पश्चिम एशिया के मामले में भी अमेरिकी नीतियां और उसके हथियार शांति लाने के बजाय लड़ाई को और भड़का रहे हैं। आज दुनिया के नौ देशों के पास लगभग बारह हजार परमाणु बम मौजूद हैं। जरा सोचिए, जिस एक बम ने हिरोशिमा को श्मशान बना दिया था, आज के बम उससे हजारों गुना ज्यादा खतरनाक हैं। ऊपर से बड़े देशों के नेता जरा-जरा सी बात पर परमाणु हमले की धमकी देने लगते हैं। रूस के राष्ट्रपति कई बार पश्चिमी देशों को परमाणु हमले का डर दिखा चुके हैं, जो साफ करता है कि इन महाशक्तियों का अहंकार कितना बढ़ चुका है। ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूएनओ की भूमिका बिल्कुल बेकार साबित हुई है। इस संस्था को बनाया ही इसलिए गया था ताकि दुनिया में दोबारा कोई बड़ा युद्ध न हो। लेकिन आज यह बड़ी ताकतों के सामने बिल्कुल लाचार और बेबस दिखती है। शक्तिशाली देश इसके नियमों को अपने जूते की नोक पर रखते हैं और अपनी वीटो पावर का इस्तेमाल करके मनमानी करते हैं। यूएनओ न तो रूस और यूक्रेन की लड़ाई रुकवा पाया और न ही पश्चिम एशिया में बेकसूर बच्चों और नागरिकों को मरने से बचा पा रहा है। गाजा में हजारों मासूमों की मौत पर भी यूएनओ कोई ठोस कदम नहीं उठा सका। अंतरराष्ट्रीय कानून सिर्फ कमजोर देशों को डराने के लिए रह गए हैं, जबकि ताकतवर देश खुलेआम नियमों की धज्जियाँ उड़ा रहे हैं।

जब पूरी दुनिया इस तरह आपस में लड़ रही है, तब भारत का नजरिया सबसे अलग और सही है। हमारे देश ने कभी किसी पर अपनी मर्जी थोपने या किसी की जमीन हड़पने की कोशिश नहीं की। भारत ने हमेशा दुनिया को युद्ध नहीं, बल्कि बुद्ध का रास्ता दिखाया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि हम अपने दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। भारत इसी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ता है। हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं। हमारे पास परमाणु हथियार हैं, लेकिन हमारी नीति बिल्कुल साफ है कि हम अपनी तरफ से पहले कभी किसी पर हमला नहीं करेंगे। यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी की बात है। भारत ने हमेशा अमेरिका जैसी ताकतों की मनमानी का विरोध किया है और एक ऐसी दुनिया की वकालत की है जहां सब बराबर हों।हिरोशिमा की त्रासदी झेलने वाले रो-रोकर दुनिया से यही कह रहे हैं कि जो उनके साथ हुआ वह दोबारा किसी के साथ न हो। हिरोशिमा दिवस सिर्फ एक पुराना किस्सा याद करने का दिन नहीं है। यह दुनिया के बड़े नेताओं को अपना अहंकार छोड़ने की चेतावनी देने का दिन है। हथियार और जंग कभी किसी मसले का हल नहीं हो सकते। नेताओं की सनक के चक्कर में आम जनता अपनी जान गंवाती है। ट्रम्प, पुतिन, शी जंपिंग जैसे नेताओं को समझना होगा सृष्टि निर्माण पुनः नहीं होगा, बस इसी को सहेजने की दरकार है।

(लेखक पत्रकार हैं)

त्योहारी मौसम में बढ़ती लागत और महंगाई की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

भारत में अगस्त से नवंबर तक का समय धार्मिक और त्योहारी उत्सवों का मौसम माना जाता है। रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेशोत्सव, नवरात्र, दशहरा, दीपावली और छठ जैसे पर्वों के दौरान बाजारों में खरीदारी अपने चरम पर रहती है। यही वह समय होता है जब परिवार कपड़े, घरेलू सामान, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, वाहन, मिठाइयां और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की खरीद अधिक करते हैं। लेकिन इस बार त्योहारी मौसम शुरू होने से पहले ही महंगाई का दबाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। कच्चे माल और ऊर्जा की लागत में वृद्धि के कारण कई प्रमुख उपभोक्ता कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रही हैं। यदि ऐसा होता है तो इसका सीधा असर आम परिवारों के मासिक बजट और त्योहारी खर्च पर पड़ेगा।

उद्योग जगत की ओर से मिले संकेत बताते हैं कि डिटर्जेंट, साबुन, टूथपेस्ट, पैकेटबंद खाद्य पदार्थ, खाद्य तेल, चाय, हेयर ऑयल, पेंट, घरेलू उपकरण, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और कुछ अन्य उत्पादों के दाम चरणबद्ध तरीके से बढ़ाए जा सकते हैं। कई कंपनियां पहले ही अपने उत्पादों की कीमतों में सीमित वृद्धि कर चुकी हैं, जबकि कुछ कंपनियां आने वाले महीनों में नई मूल्य सूची लागू करने की योजना बना रही हैं। उनका तर्क है कि उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है और लंबे समय तक इसका पूरा बोझ स्वयं उठाना संभव नहीं है।

महंगाई के इस संभावित दौर का सबसे बड़ा कारण कच्चे माल और ऊर्जा की बढ़ती कीमतें हैं। अधिकांश उपभोक्ता उत्पादों के निर्माण में पेट्रोलियम आधारित रसायनों, पैकेजिंग सामग्री, धातुओं, प्लास्टिक और अन्य औद्योगिक कच्चे माल का उपयोग होता है। इनकी कीमत बढ़ने से उत्पादन लागत स्वतः बढ़ जाती है। इसके साथ ही बिजली, ईंधन और परिवहन खर्च में वृद्धि होने से कंपनियों की लॉजिस्टिक लागत भी बढ़ती है। जब उत्पादन से लेकर वितरण तक हर स्तर पर लागत बढ़ती है तो कंपनियों के सामने उत्पादों की कीमतें बढ़ाने के अलावा सीमित विकल्प बचते हैं।

पश्चिम एशिया में लंबे समय से बने भू-राजनीतिक तनाव का असर भी वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का प्रभाव केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता बल्कि प्लास्टिक, पैकेजिंग, रसायन उद्योग और परिवहन व्यवस्था पर भी पड़ता है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा महंगी होने का असर धीरे-धीरे घरेलू बाजार में रोजमर्रा की वस्तुओं तक पहुंच जाता है।

त्योहारी मौसम में मांग सामान्य दिनों की तुलना में अधिक रहती है। कंपनियां भी इस अवधि में बिक्री बढ़ाने की उम्मीद करती हैं। यदि लागत बढ़ने के बावजूद उपभोक्ता खरीदारी जारी रखते हैं तो कंपनियों के लिए मूल्य वृद्धि लागू करना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। उद्योग जगत का मानना है कि मजबूत मांग के कारण बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाया जा सकता है। हालांकि कंपनियां यह भी देख रही हैं कि कीमत बढ़ने के बाद उपभोक्ताओं की खरीदारी पर कितना प्रभाव पड़ता है। यदि मांग कमजोर पड़ती है तो आगे मूल्य वृद्धि की गति धीमी हो सकती है।

हाल के महीनों में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उपभोक्ता मांग अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। खुदरा बिक्री के आंकड़े भी बाजार में सकारात्मक गतिविधियों की ओर संकेत करते हैं। इससे कंपनियों को विश्वास है कि त्योहारी सीजन में बिक्री अच्छी रहेगी। फिर भी लगातार बढ़ती कीमतें मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों की चिंता बढ़ा सकती हैं। जिन परिवारों का मासिक बजट पहले से ही सीमित है, उनके लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर अतिरिक्त खर्च करना आसान नहीं होगा।

महंगाई का प्रभाव केवल भोजन या घरेलू सामान तक सीमित नहीं रहता। जब साबुन, डिटर्जेंट, खाद्य तेल, चाय, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान और वाहन जैसी वस्तुएं महंगी होती हैं तो परिवारों को अपने खर्च की प्राथमिकताएं बदलनी पड़ती हैं। कई बार लोग आवश्यक वस्तुओं की खरीद तक सीमित हो जाते हैं और अन्य खर्च टाल देते हैं। इससे उपभोग के स्वरूप में बदलाव आता है और बाजार के विभिन्न क्षेत्रों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है।

भारतीय रिजर्व बैंक का खुदरा महंगाई लक्ष्य चार प्रतिशत के आसपास रखा गया है ताकि आम लोगों की क्रय शक्ति पर अधिक दबाव न पड़े। लेकिन जब वैश्विक कारणों से ऊर्जा और कच्चे माल की कीमतें बढ़ती हैं तो महंगाई को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। मौसम की परिस्थितियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यदि मानसून सामान्य रहता है और कृषि उत्पादन अच्छा होता है तो खाद्य महंगाई पर कुछ हद तक नियंत्रण संभव है। वहीं यदि मौसम प्रतिकूल रहता है तो खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है।

त्योहारी मौसम भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसी दौरान उपभोक्ता खर्च में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होती है। व्यापारी, निमार्ता और सेवा क्षेत्र सभी इस अवधि पर काफी हद तक निर्भर रहते हैं। इसलिए कंपनियां भी कोशिश करती हैं कि मूल्य वृद्धि को धीरे-धीरे लागू किया जाए ताकि ग्राहकों पर अचानक अधिक बोझ न पड़े। कई कंपनियां छोटे पैक, विशेष छूट और प्रचार योजनाओं के माध्यम से भी उपभोक्ताओं को आकर्षित करने का प्रयास करती हैं।

आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो बढ़ती लागत और महंगाई के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। एक ओर कंपनियों को अपने उत्पादन और कारोबार को लाभकारी बनाए रखना होता है, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं की क्रय क्षमता भी बनी रहनी चाहिए। यदि कीमतें अत्यधिक बढ़ती हैं तो मांग प्रभावित हो सकती है, जबकि लंबे समय तक लागत का पूरा बोझ कंपनियां स्वयं उठाएं तो उनके लाभ और निवेश पर असर पड़ सकता है। इसलिए मूल्य निर्धारण में संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होता है।

आने वाले महीनों में महंगाई की दिशा कई कारकों पर निर्भर करेगी। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें, पश्चिम एशिया की स्थिति, मानसून का प्रदर्शन, परिवहन लागत और घरेलू मांग सभी इस पर प्रभाव डालेंगे। यदि वैश्विक परिस्थितियों में सुधार होता है और कच्चे माल की कीमतें स्थिर होती हैं तो भविष्य में मूल्य वृद्धि की गति धीमी पड़ सकती है। वहीं यदि लागत का दबाव लगातार बना रहता है तो रोजमर्रा के कई उत्पादों की कीमतों में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

त्योहारी उल्लास के बीच बढ़ती महंगाई निश्चित रूप से आम उपभोक्ताओं के लिए चुनौती लेकर आ सकती है। ऐसे समय में विवेकपूर्ण खर्च, आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना और संतुलित आर्थिक योजना बनाना परिवारों के लिए उपयोगी होगा। साथ ही उद्योग, बाजार और नीति निमार्ताओं के बीच ऐसा संतुलन बनाना भी आवश्यक है जिससे उत्पादन लागत की वास्तविक चुनौतियों का समाधान हो और उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ भी न बढ़े। यही संतुलन देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग और आम नागरिकों के हित में सबसे अधिक महत्वपूर्ण रहेगा।

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं-

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्पल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

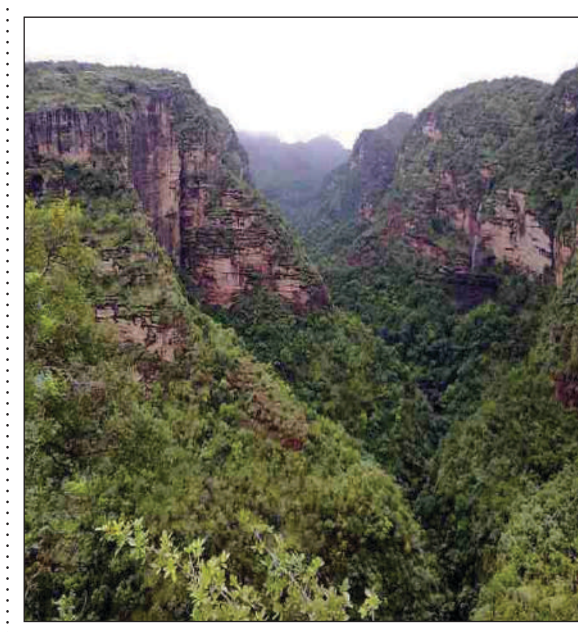

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे -

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक-कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश-विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर-मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर-गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें-

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे-भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्द गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेक्किंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

काँगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग-अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

प्रियंका गांधी ने सरकार से मांगा जवाब, विपक्ष का विरोध जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद परिसर में जारी विपक्ष के प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र में सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह होती है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन का इस्तेमाल हुआ, आंसू गैस छोड़ी गई या लाठीचार्ज किया गया, तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन जोरशोर से जारी रहा इसी बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और गृह मंत्री से संसद में जवाब देने की मांग उठाई। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने भी कहा कि विपक्ष का आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ कथित हिंसा हुई और इसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। विपक्ष ने इन मुद्दों पर सरकार से स्पष्ट जवाब और जवाबदेही तय करने की मांग दोहराई। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी से पुलिस कार्यवाही पर जबादेही तय करने की बात कही है और जिम्मेदारों को सजा की बात कही है। विपक्ष अपनी मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहा है।

बोकारो में तिहरा हत्याकांड: सनकी पड़ोसी ने कुल्हाड़ी से तीन को काट डाला

बोकारो (एजेंसी)। झारखंड के बोकारो जिले में सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक सनकी पड़ोसी ने पुलिस की कथित मौजूदगी में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की कुल्हाड़ी से बेरहमी से हत्या की। यह दिल दहला देने वाली वारदात कुकुरलीलवा गांव में सुबह करीब 8 बजे हुई। मृतकों में जानकी महतो, उनकी पत्नी और उनकी बहू शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी राजू सिंह को गिरफ्तार किया है, जो कि मृत परिवार का पड़ोसी है और सनकी स्वभाव का बताया जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राजू ने सबके सामने कुल्हाड़ी से हमला शुरू किया। आरोपी राजू ने सबसे पहले वृद्ध महिला को निशाना बनाया। जब उसके पति बचाने आए, तब उन्हें भी मौत के घाट उतार दिया गया। इसके बाद, जब बहू धान का बिचड़ा लेकर खेत जा रही थी, तब घर के बाहर सड़क पर ही उस पर भी कुल्हाड़ी से कई वार किए गए। चौंकाने वाली बात यह है कि यह अंतिम हमला कथित तौर पर पुलिसकर्मियों के सामने हुआ। आरोपी राजू सिंह के हिंसक स्वभाव का इतिहास रहा है, हाल ही में अपनी पत्नी को भी पीटकर घायल कर दिया था, जो इस समय अस्पताल में भर्ती है। घटना के बाद शव सड़क पर पड़े रहे और मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई।

बांग्लादेशी होने के शक में 13 लोग हिरासत में

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में पुलिस ने बांग्लादेशी नागरिक होने के शक में 13 लोगों को हिरासत में ले लिया। पुलिस के मुताबिक, इसमें सात युवक, तीन महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं, जो शहर में अलग-अलग स्थानों पर किराए के मकानों में रह रहे थे। ग्वालियर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाया और इन सभी को हिरासत में लिया। उन्होंने कहा, हिरासत में लिए गए इन लोगों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है। नागरिकता की पुष्टि होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

हॉर्न विवाद में कांग्रेसी नेता के बेटे पर जानलेवा हमला, दोनों हाथ काटे

लुधियाना (एजेंसी)। लुधियाना शहर के रणजीत सिंह पार्क इलाके में हॉर्न बजाने के मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। होजरी कारोबारी व कांग्रेसी नेता धर्मिंदर के सुपुत्र करण शर्मा पर 3 युवकों ने तलवार से जानलेवा हमला किया। जिससे उसके दोनों हाथ बुरी तरह कट गए। करण को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। जहाँ जटिल ऑपरेशन के बाद हाथों पर 100 से अधिक टांके लगे। पुलिस को दी शिकायत में शर्मा ने बताया कि उनका बेटा करण अपनी कार से घर लौट रहा था। गली में आरोपी सुखविंदर सिंह अपनी कार बैक कर रहा था, जिस पर करण ने साइड मांगने के लिए हॉर्न बजाया। इसी बात से चिढ़कर सुखविंदर और उसके दो साथियों ने करण के साथ गाली-गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर धर्मिंदर और मोहल्ले के कुछ लोग मौके पर पहुँचे। इसी बीच, आरोपी सुखविंदर घर के अंदर से धारदार तलवार लेकर आया और सीधे करण पर जानलेवा वार कर दिया। खुद को बचाने के प्रयास में करण ने जैसे ही अपने हाथ आगे किए, तलवार लगने से उसके दोनों हाथ बुरी तरह जख्मी हो गए। बीच-बचाव करने आए दो अन्य युवकों को भी चोटें आईं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए। थाना डिवीजन नंबर 3 की पुलिस ने धर्मिंदर शर्मा के बयानों पर मुख्य आरोपी सुखविंदर और उसके दो अज्ञात साथियों के खिलाफ हत्या के प्रयास के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अमरनाथ यात्रा स्थगित, अनुच्छेद 370 की वर्षगांठ पर सुरक्षा बढ़ाई गई

जम्मू (एजेंसी)। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के 7 वर्ष पूरे होने के मौके पर जम्मू कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इस बीच, वार्षिक अमरनाथ यात्रा को बुधवार को जम्मू स्थित आधार शिविर से स्थगित की गई। हालांकि, प्रशासन ने अमरनाथ यात्रा को एक दिन के लिए स्थगित करने का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है, लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखकर एहतियातन उठाया गया कदम बताया है। सूत्रों के अनुसार, बुधवार सुबह भगवती नगर आधार शिविर से श्रद्धालुओं के किसी भी नए जत्थे को अनंतनाग और गांदरबल जिलों में स्थित पहलगाम और बालटाल के आधार शिविरों के लिए रवाना नहीं होने दिया गया। अधिकारियों ने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा बलों के काफिलों की आवाजाही भी रोक दी। यह कदम आमतौर पर तब उठाया जाता है जब सुरक्षा एजेंसियां रणनीतिक कारणों से राजमार्ग पर आवाजाही कम करना चाहती हैं। यह राजमार्ग कश्मीर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र ऐसा मार्ग है जो हर मौसम में खुला रहता है। यात्रा स्थगित करने का यह निर्णय तब हुआ है, जब सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) सहित कई राजनीतिक दल पांच अगस्त को काला दिवस के रूप में मना रहे हैं। यह दिवस केंद्र सरकार द्वारा तत्कालीन जम्मू कश्मीर राज्य को अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जा पांच अगस्त 2019 को समाप्त करने और राज्य का पुनर्गठन कर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के फैसले के सात वर्ष पूरे होने पर मनाया जा रहा है।

जेपीएससी परीक्षा विवाद पर रांची में छात्र आंदोलन तेज

परीक्षा रद्द करने और निष्पक्ष भर्ती की मांग

रांची(एजेंसी)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में रांची का जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम छात्र आंदोलन का केंद्र बन गया है। 25 जुलाई से शुरू हुआ यह प्रदर्शन अब लगातार तेज होता जा रहा है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और उनके समर्थक स्टेडियम में जुटे हैं, जहां धरना, अनशन और शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी है। आंदोलनकारी परीक्षा रद्द करने, पारदर्शी तरीके से दोबारा परीक्षा कराने तथा राज्य में नियमित भर्ती के लिए वार्षिक परीक्षा कैलेंडर जारी करने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के माध्यम से हुई 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। उनका कहना है कि जब तक परीक्षा रद्द कर निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत दोबारा आयोजन नहीं कराया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। छात्रों का कहना है कि उन्हें सरकारी योजनाओं से अधिक रोजगार और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की जरूरत है। आंदोलन फिलहाल दो अलग-अलग समूहों में बंटा हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन दोनों की प्रमुख मांगें समान हैं। एक समूह का नेतृत्व छात्र नेता देवेंद्र महतो कर रहे हैं, जो भूख हड़ताल पर हैं। वहीं दूसरे समूह में ब्रह्मानंद समेत कई छात्र खुले आसमान के नीचे आमरण अनशन कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और अब निर्णायक कार्रवाई जरूरी है।

जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम का माहौल बड़े जनआंदोलन जैसा नजर आ रहा है। विभिन्न क्षेत्रों से लोग छात्रों को नैतिक समर्थन देने पहुंच रहे हैं। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से जारी है और छात्र अनुशासन बनाए रखते हुए अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। इधर, परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच अपराध अनुसंधान विभाग कर रहा है। जांच के दौरान जेपीएससी से जुड़े कुछ कर्मचारियों और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी से जुड़े लोगों के पास अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट और प्रवेश पत्र मिलने का दावा किया गया है। जांच एजेंसी ने कुछ सफल अभ्यर्थियों से भी ओएमआर शीट मांगी है। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि आयोग के पूर्व अध्यक्ष से पूछताछ जारी है और उनका पासपोर्ट भी जब्त किया गया है। आंदोलनकारी छात्र परीक्षा रद्द करने, केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने और भविष्य में समयबद्ध व निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग पर अब भी अडिग हैं।

ओणम पर साड़ियों से बनी दुनिया की सबसे बड़ी रंगोली, बना विश्व रिकॉर्ड

कोच्चि (एजेंसी)। ओणम उत्सव के अवसर पर केरल के कोच्चि स्थित फोरम मॉल में परंपरा और कला का अनूठा संगम देखने को मिला। एक नामी ब्रांड कलेक्शंस द्वारा 2,000 वर्ग फुट क्षेत्र में 2,100 से अधिक सिल्क और कांचीपुरम सिल्क साड़ियों का उपयोग कर दुनिया की सबसे बड़ी साड़ी पूक्कलम (साड़ियों से बनी रंगोली) तैयार करवाई गई। इस अनोखी कलाकृति को यूनिवर्सल रिकॉर्ड्स फोरम (यूआरएफ) ने विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता प्रदान की है। थोडुपुझा स्थित इस खास ब्रांड के कलेक्शंस के इस आयोजन को प्रसिद्ध कलाकार दा विंची सुरेश और अपनी रचनात्मक टीम के सहयोग से विशेष रचनात्मक रंगोली का निर्माण किया। पारंपरिक फूलों की जगह लगभग 5,000 रंगों और डिजाइनों वाली साड़ियों का इस्तेमाल कर ओणम की सांस्कृतिक विरासत को नए अंदाज में प्रस्तुत किया गया। आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग फोरम मॉल पहुंचे। आयोजकों ने इसे भारतीय परंपरा, वस्त्र कला और रचनात्मकता का अनूठा उदाहरण बताया।

शेख हसीना के लाइव कार्यक्रम से घबराया बांग्लादेश

-भारत ने कहा- घबराएं नहीं, ये उनका निजी मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर एक नए घटनाक्रम ने ढाका की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि भारत ने दो टूक कहा है कि घबराने की जरुरत नहीं है ये उनका अपना निजी मामला है। भारत में शरण ले रहीं शेख हसीना करीब दो साल बाद पहली बार मीडिया से लाइव संवाद करने जा रही हैं। वह बुधवार को वर्चुअल माध्यम से विदेशी पत्रकार क्लब की प्रेसवार्ता में शामिल होंगी और सीधे सवालों के जवाब देंगी। भारत आने के बाद यह पहला मौका होगा जब वह सार्वजनिक रूप से लोगों के सामने अपनी बात रखेंगी। इससे पहले वह केवल लिखित बयान जारी करती रही हैं।

अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थीं। तब से वह भारत में किसी अज्ञात स्थान पर रह रही हैं। उनके आगामी मीडिया कार्यक्रम की घोषणा के बाद बांग्लादेश सरकार ने भारत के सामने अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। ढाका ने इस कार्यक्रम को रोकने की अपील भी की, लेकिन भारत ने इसे निजी मामला बताते हुए दूरी बना ली है। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने सवाल उठाया कि एक भगोड़े नेता को भारत में राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति कैसे दी जा रही है। उन्होंने कहा कि दोनों देश भविष्य को ध्यान में रखते हुए संबंध आगे बढ़ाना चाहते हैं और ऐसी गतिविधियों से प्रक्रिया प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने भारत से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि शेख हसीना का मीडिया के सामने आना बांग्लादेश की मौजूदा सरकार के लिए चुनौती बन सकता है। हसीना अपनी बात रखकर समर्थकों और आम जनता के बीच अपनी छवि मजबूत करने की कोशिश कर सकती हैं। इसी संभावना को लेकर ढाका में चिंता बढ़ी हुई है। बांग्लादेश की आपत्तियों पर भारत ने स्पष्ट किया है कि शेख हसीना का मीडिया कार्यक्रम सरकार से जुड़ा हुआ नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह एक निजी कार्यक्रम है और इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। मीडिया सीधे उनसे संपर्क कर रहा है और साक्षात्कार देना या नहीं देना उनका व्यक्तिगत फैसला है। भारत के अनुसार आने वाले समय में शेख हसीना अन्य माध्यमों से भी अपना पक्ष रख सकती हैं। यही बात बांग्लादेश सरकार के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। बांग्लादेश सरकार कई बार शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर चुकी है। इसके लिए औपचारिक अनुरोध भी किया गया है, लेकिन भारत में अभी तक इस संबंध में कोई कानूनी प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। जानकारों के अनुसार भारत का मानना है कि यदि शेख हसीना खुद बांग्लादेश लौटने का फैसला करती हैं तो प्रत्यर्पण की प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी।

तीन सांसदों ने किया ऐलान कहा- हम नहीं हैं एनडीए के साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में मंगलवार को संसद भवन परिसर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों की साप्ताहिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्रीय मंत्रियों और गठबंधन के अधिकांश सहयोगी दलों के सांसद शामिल हुए, लेकिन तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर बने एनसीपीआई समूह के तीन सांसदों की लगातार दूसरी बार अनुपस्थिति चर्चा का विषय बन गई। इन सांसदों के बैठक में शामिल नहीं होने से उनके राजनीतिक रुख और राजग के साथ संबंधों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। जंगीपुर से खलीलुर रहमान, मुर्शिदाबाद से अबू ताहेर खान और बहरामपुर से यूसुफ पठान इससे पहले 21 जुलाई को आयोजित पहली 'मंगल मिलन' बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे। अबू ताहेर खान ने स्पष्ट किया कि वे न तो राजग का हिस्सा हैं और न ही भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने संसदीय क्षेत्र के विकास से जुड़ी बैठकों में जरूर हिस्सा लेंगे, लेकिन ऐसे किसी कदम का समर्थन नहीं करेंगे जिसे वे मुस्लिम समुदाय के हितों के खिलाफ मानते हों। अन्य सांसदों की भी यही राय बताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, मुस्लिम बहुल क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले इन सांसदों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों में उठ रहे सवालों और भाजपा के साथ कथित नजदीकी को लेकर बन रही धारणा के कारण राजग की बैठकों से दूरी बनाए रखने का फैसला किया है। हालांकि, एनसीपीआई नेतृत्व ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है। इन तीन सांसदों की अनुपस्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि लोकसभा में 20 सदस्यीय एनसीपीआई समूह को आधिकारिक मान्यता मिलने का मामला अभी लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष लंबित है। दल-बदल विरोधी कानून के तहत इस समूह को संरक्षण तभी मिलेगा, जब उसे तृणमूल कांग्रेस के मूल लोकसभा सांसदों में से आवश्यक दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन प्राप्त होगा।

बैठक में पहली बार एनसीपीआई के सदन के नेता सुदीप बंद्योपाध्याय भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी सांसद एकजुट हैं और किसी प्रकार के मतभेद की बात सही नहीं है। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान सरकार की विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने खेल क्षेत्र में सरकार की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के बेहतर प्रदर्शन का उल्लेख किया। वहीं रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और युवाओं के लिए अवसरों पर भी विस्तृत जानकारी साझा की गई। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने दावा किया कि वर्ष 2014 के बाद रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और सरकार ने युवाओं के लिए कई नई पहल की हैं। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस. जयशंकर सहित कई केंद्रीय मंत्री और राजग के सहयोगी दलों के नेता भी उपस्थित रहे।

विधानसभा में विपक्ष उठाने वाला था किसानों का मुद्दा इसलिए मुझे गिरफ्तार किया?

-डीएमके विधायक उदयनिधि स्टालिन ने रिहाई के बाद अब दी अपनी प्रतिक्रिया

चेन्नई (एजेंसी)। डीएमके विधायक और विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को आखिरकार 90 मिनट की पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। रिहाई के बाद अब स्टालिन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने राज्य सरकार पर मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने का आरोप भी लगाया। राज्य के विपक्ष के नेता और डीएमके नेता उदयनिधि ने कहा कि विरोध प्रदर्शन और मेरे भाषण पर किसान समुदाय से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इससे किसानों के बीच समर्थन की लहर पैदा हुई है। जब सरकार को एहसास हुआ कि यह मुद्दा जोर पकड़ रहा है तो अगले दिन विधानसभा सत्र होने वाला था। इसमें विपक्ष इन मुद्दों को उठाने वाला था। सरकार ने ध्यान भटकाने और बहस को दबाने की कोशिश की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उदयनिधि ने कहा कि बुधवार सुबह उन्होंने मेरे भाषण का एक कट-एंड-पेस्ट वर्जन फैलाया और झूठा दावा किया कि मैंने ऐसी बातें कहीं जो मैंने कभी नहीं कही थीं। उन्होंने कहा कि इस एडिटेड वर्जन को नेशनल मीडिया आउटलेट्स के साथ भी शेयर किया गया। उन्हीं झूठे आरोपों के आधार पर पुलिस मुझे गिरफ्तार करने आई। मैंने पुलिस का पूरा सहयोग किया। बिना किसी विरोध के उनके साथ चला गया। गिरफ्तारी के समय भी मैंने पत्रकारों से कहा कि मैं इस पूरी घटना को बेतुका मानता हूं।

उन्होंने कहा कि वे मुझे उन बातों के लिए गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहे थे, जो मैंने कभी की ही नहीं। वे मुझे चुप कराने और डराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मैं डरूंगा नहीं। उन्होंने कहा कि मैं कलैगनार एम करुणानिधि का पोता, एम के स्टालिन का बेटा और डीएमके का सदस्य हूं। हम ऐसी कार्रवाइयों से डरते नहीं हैं। मैं इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हूं। मैंने आज यही बात कही। बता दें पूरा मामला कावेरी जल विवाद को लेकर है। यहां तंजावुर में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उदयनिधि स्टालिन ने सीएम विजय पर निशाना साधा।

उन्होंने आरोप लगाया कि तमिलनाडु को कावेरी का एक बूंद पानी भी नहीं मिलता। वहीं सीएम इस पूरे मुद्दे पर बेपरवाह बने हुए हैं। इस दौरान सभा में मौजूद लोगों ने तृषा-तृषा के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस पर उदयनिधि कुछ ऐसी टिप्पणी कर दी, जिसके बाद दोहरे मतलब निकाले जाने लगे। स्टालिन की इस टिप्पणी को दोहरे अर्थ वाली आपत्तिजनक करार दिया गया1 इसके बाद पूरा मामला राजनीतिक विवाद में बदल गया।

मंगलवार सुबह पुलिस ने उनको गिरफ्तार कर लिया था।

उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश ने मचाई तबाही, सीएम ने किया अलर्ट

देहरादून में स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में बुधवार तड़के से जारी मूसलाधार बारिश ने पूरे प्रदेश में जनजीवन प्रभावित कर दिया है। लगातार बारिश के कारण कई जिलों में नदियां और बरसाती गधेरे उफान पर हैं, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। देहरादून में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कक्षा 1 से 12 तक के सभी सरकारी, निजी और गैर सरकारी स्कूलों के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों में एक दिन का अवकाश घोषित किया गया है। जिला प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से यह फैसला लिया है। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।

मौसम विभाग ने देहरादून समेत कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही आकाशीय बिजली चमकने और तेज बारिश के दौर को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन ने लोगों को नदी-नालों और बरसाती गधेरों के किनारे जाने से बचने तथा अनावश्यक यात्रा नहीं करने की सलाह दी है।

बारिश के चलते प्रदेश के कई मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ है। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की आशंका को देखते हुए प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। संवेदनशील स्थानों पर राहत और बचाव दलों को तैयार रखा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारी बारिश की स्थिति को देखते हुए सचिव आपदा प्रबंधन को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और सभी जिला प्रशासन को पूरी सतर्कता बरतने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और पर्यटकों से मौसम की स्थिति को देखते हुए सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग अनावश्यक यात्रा से बचें और बेहद जरूरी होने पर ही सफर करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मौसम विभाग के अलर्ट और स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर आगे भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। लोगों से अपील की गई है कि वे आधिकारिक सूचनाओं पर ध्यान दें और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन से संपर्क करें।

सीजेपी नेता सौरव दास को आपराधिक अवमानना मामले में कोर्ट ने भेजा नोटिस

-चार हफ्तों में मांगा जवाब, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य मिटाने का भी है आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास दिल्ली हाईकोर्ट की जज जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा से जुड़े आपराधिक अवमानना केस में घिरते नजर आ रहे हैं। उन्हें आपराधिक अवमानना के मामले में जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया गया है, उनपर इस मामले से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य मिटाने का भी आरोप है। दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रविंदर दुडेजा की बेंच ने महिला जज जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा से जुड़े एक आपराधिक अवमानना के मामले में सौरव दास से चार हफ्तों में जवाब मांगा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में आम आदमी पार्टी नेता गोपाल राय को भी नोटिस जारी किया है। सौरव दास और गोपाल राय पर आरोप है कि वो जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को बदनाम करने की नीयत से सोशल मीडिया पर चली सोची-समझी मुहिम का हिस्सा थे। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह से भी उनके खिलाफ चल रहे आपराधिक अवमानना मामले में चार हफ्तों में जवाब दाखिल करने को कहा है। इन सब पर आरोप है कि इन्होंने जस्टिस शर्मा को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया पर कैंपेन चलाया।

इस मामले में केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील ने कोर्ट से गुहार लगाई कि उन्हें अभी तक वह सामग्री नहीं मिली है, जिसके आधार पर अवमाना मामले पर कार्रवाई शुरू हुई है। इसी तरह की दलीलें अन्य पार्टियों के वकीलों की ओर से भी दी गई। इसपर कोर्ट ने रजिस्ट्री से सभी को सामग्री उपलब्ध करवाने को कहते हुए, उनसे चार हफ्तों में जवाब देने को कहा है।

मदरसों में वंदे मातरम् विवाद पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने लगाई फटकार, केंद्र सरकार से मांगा जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने वंदे मातरम् गाने की अनिवार्यता से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में केंद्र सरकार से विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें सवाल उठाया गया है कि क्या जाति, धर्म या पंथ से परे सभी लोगों के लिए वंदे मातरम् गाना अनिवार्य किया जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई 16 सितंबर को निर्धारित की गई है। तब तक केंद्र सरकार को अपना पक्ष अदालत के समक्ष रखना होगा। फिलहाल हाई कोर्ट ने किसी भी प्रकार का अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार किया है।

यह विवाद राज्य मदरसा विभाग की उस अधिसूचना के बाद सामने आया, जिसमें राज्य के मदरसों में भी सुबह की प्रार्थना के दौरान 'वंदे मातरम्' गाना अनिवार्य करने की बात कही गई थी। इस आदेश को चुनौती देते हुए एक सामाजिक कार्यकर्ता ने जनहित याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि वंदे मातरम् का गायन पूरी तरह स्वैच्छिक होना चाहिए और किसी भी नागरिक को इसे गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। याचिका में तर्क दिया गया कि ऐसी अनिवार्यता देश के धर्मनिरपेक्ष चरित्र और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सिद्धांतों के विपरीत हो सकती है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिकाकर्ता से पूछा कि वह व्यक्तिगत रूप से इस आदेश से किस प्रकार प्रभावित हुए हैं और बिना केंद्र सरकार का पक्ष जाने अंतरिम राहत कैसे दी जा सकती है। याचिकाकर्ता की ओर से आग्रह किया गया कि अंतिम फैसला आने तक इस आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाए, लेकिन अदालत ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। हालांकि न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि यदि आदेश के पालन को लेकर किसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई होती है तो संबंधित पक्ष अदालत का रुख कर सकता है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि देश के अनेक ईसाई शिक्षण संस्थानों में भी प्रार्थना के दौरान 'वंदे मातरम्' गाया जाता है। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि यह मुद्दा सांप्रदायिक सद्भाव और संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है तथा किसी भी व्यक्ति पर राष्ट्रगीत गाने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए।

केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने दलील दी कि यह जनहित याचिका नहीं, बल्कि प्रचार पाने के उद्देश्य से दायर की गई याचिका है। उनका कहना था कि सरकार का उद्देश्य केवल 'वंदे मातरम्'को लोकप्रिय बनाना है, न कि किसी व्यक्ति को इसे गाने के लिए बाध्य करना। उन्होंने अदालत से विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के लिए समय देने का अनुरोध किया। वहीं, सुनवाई के दौरान कुछ अन्य अधिवक्ताओं ने भी इस मुद्दे को धर्मनिरपेक्षता, संवैधानिक अधिकारों और संसद में पहले हो चुकी बहस से जुड़ा बताते हुए अपने-अपने तर्क अदालत के समक्ष रखे। अब सभी की नजर 16 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई पर है, जब केंद्र सरकार अपना आधिकारिक रुख स्पष्ट करेगी।

झारखंड राज्य खाद्य आयोग की प्रभारी अध्यक्ष ने खाद्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, पारदर्शिता व गुणवत्ता पर दिया जोर

खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे : शबनम

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति एवं प्राप्त जन शिकायतों की समीक्षा को लेकर झारखंड राज्य खाद्य आयोग की प्रभारी अध्यक्ष -सह- सदस्या शबनम परवीन की अध्यक्षता में साहेबगंज परिसदन में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। वहीं बैठक में जिला अंतर्गत खाद्य आपूर्ति, समाज कल्याण, कल्याण एवं अन्य संबंधित विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। आयोग को प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करते हुए 15 दिनों के भीतर अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए। वहीं शबनम परवीन ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न और अन्य निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध कराना है। यदि किसी स्तर पर शिकायतें प्राप्त होती हैं तो संबंधित विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही समीक्षा बैठक से पूर्व प्रभारी अध्यक्ष सह सदस्या ने राजमहल प्रखंड के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे पूरक पोषण आहार, केंद्रों की साफ-सफाई एवं रख-रखाव, कार्यकताओं की उपस्थिति तथा अभिलेखों के संधारण का अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में जहां आवश्यक सुधार की आवश्यकता पाई गई, वहां संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने राजमहल प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों का भी निरीक्षण किया तथा मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप भोजन तैयार किए जाने की व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए गए।

श्रीमती परवीन ने कहा कि सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य पात्र लाभुकों तक बिना किसी बाधा के योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए लाभुकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही झारखंड राज्य खाद्य आयोग की प्रभारी अध्यक्ष -सह- सदस्या शबनम परवीन सदर अस्पताल में स्थित कुपोषण उपचार केंद्र एवं विभिन्न जन वितरण दुकानों का भी निरीक्षण किया गया एवं निर्देश दिया गया कि लाभुकों को ससमय सही मात्रा में अनाज उपलब्ध कराया जाए। मौके पर अपर उपायुक्त विजय कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हांसदा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, सभी प्रखंडों के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सदर अस्पताल में विश्व स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ, नवजात को पहले घंटे में स्तनपान कराने पर जोर

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर बुधवार को सदर अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सिविल सर्जन, जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. किरण माला, डॉ. देवेश श डॉ. फरोग हसन ने संयुक्त रूप से पौधों में जल अर्पित कर किया। इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह 1 से 7 अगस्त तक मनाया जा रहा है। वहीं वक्ताओं ने कहा कि जन्म के पहले एक घंटे के भीतर शिशु को स्तनपान कराना तथा पहले छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाना शिशु के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छह माह के बाद उपयुक्त पूरक आहार के साथ दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने की भी सलाह दी। वहीं डॉ. फरोग हसन ने कहा कि माँ का दूध शिशु के लिए संपूर्ण एवं सर्वोत्तम आहार है, जो उसे विभिन्न संक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करता है। वहीं डॉ. देवेश ने गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को नियमित परामर्श उपलब्ध कराने तथा स्तनपान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने पर बल दिया। वहीं सिविल सर्जन ने कहा कि स्तनपान केवल पोषण का माध्यम नहीं, बल्कि शिशु के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थानों, एएनएम, सीएचओ, एमपीडब्ल्यू, सहिया एवं स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक गर्भवती एवं धात्री महिला को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करें तथा जन्म के पहले घंटे में स्तनपान शुरू कराने और पहले छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने का संदेश घर-घर तक पहुंचाएं। वहीं मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत सहयोगी संस्था ममता एचआईएमसी के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने तथा स्तनपान संबंधी जागरूकता गतिविधियों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। मौके पर डॉ. स्नेहलता, डीडीएम अमित कच्छप, तौसीफ अहमद, राजीव, अभय, मुनि जी पाण्डेय, दिवाकर सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। इसके अलावा सहिया, मरीजों के परिजन और आम लोगों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

उत्क्रमित मध्य विद्यालय कटहलबाड़ी में प्रबंधन समिति का हुआ पुनर्गठन

उधवा(बिभा) । झारखंड शिक्षा परियोजना रांची के निदेर्शानुसार बुधवार को मनिहारी टोला संकुल के उत्क्रमित मध्य विद्यालय कटहलबाड़ी में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। जिसमें अभिभावकों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से लखीराम मंडल को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष चुना गया है। जबकि सजीना बीबी को उपाध्यक्ष बनाया गया है। प्रखंड संसाधन केंद्र उधवा द्वारा प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षक सह संकुल साधन सेवी द्विजेंद्र नाथ मंडल तथा विद्यालय के सचिव विनय कुमार मंडल की उपस्थिति में प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा अन्य सदस्यों का चयन किया गया। सदस्य के रूप में प्रतिमा मंडल,स्वाधीन मंडल,रीता देवी,शिक्षक फरमान अली,मोजीबुर रहमान सहित कुल बीस सदस्य बनाए गए है।

25 लाख की रंगदारी मांग और पारिवारिक विवाद : केस दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

साहेबगंज(बिभा) । बोरियो थाना क्षेत्र के बोरियो बाजार मेन रोड में एक पारिवारिक विवाद ने गंभीर आपराधिक आरोपों का रूप ले लिया है। पीड़ित सुलभषण दत्ता ने अपने ही परिवार के कुछ सदस्यों पर घर में घुसकर मारपीट, जान से मारने की कोशिश, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप लगाते हुए बोरियो थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। वहीं आवेदन के अनुसार, घटना उस समय हुई जब सुलभषण दत्ता की तबीयत खराब होने के कारण उनकी तीनों बेटियां और पुत्र तरुण दत्ता उनसे मिलने घर आए थे। आरोप है कि इसी दौरान संदीप दत्ता और मनोज दत्ता जबरन घर में घुस आए और हमला कर दिया। मारपीट में सुलभषण दत्ता और उनकी पत्नी मालती दत्ता घायल हो गए। साथ ही शिकायत में गला दबाकर जान लेने की कोशिश और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। साथ ही पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि घटना के दौरान उनकी बेटियों के कपड़े फाड़कर उन्हें अपमानित करने का प्रयास किया गया। वहीं अमित दत्ता पर पिस्तौल लेकर पहुंचने और 25 लाख रुपये रंगदारी नहीं देने पर परिवार को घर छोड़ने तथा गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। वहीं मामले को लेकर बोरियो थाना प्रभारी रोहित कुमार ने बताया कि लिखित आवेदन के आधार पर थाना में कांड दर्ज कर लिया गया है। साथ ही पुलिस सभी आरोपों की जांच कर रही है और जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पोषण से टीबी पर प्रहारः पांच मरीजों को मिला फूड पैकेट, नियमित दवा और संतुलित आहार पर जोर

साहेबगंज(बिभा)। टीबी उन्मूलन अभियान को मजबूती देने के उद्देश्य से सदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को पोषण सहायता कार्यक्रम के तहत पांच टीबी मरीजों के बीच फूड पैकेट का वितरण किया गया। इस दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. महमूद आलम ने अपने हाथों से मरीजों को फूड पैकेट सौंपते हुए कहा कि टीबी से जल्द स्वस्थ होने के लिए नियमित दवा के साथ पौष्टिक एवं संतुलित आहार बेहद जरूरी है। साथ ही उन्होंने बताया कि सरकार टीबी मरीजों को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है, ताकि मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़े और वे शीघ्र स्वस्थ होकर सामान्य जीवन में लौट सकें। उन्होंने मरीजों से अपील की कि वे इलाज बीच में न छोड़ें और चिकित्सकों के निदेर्शों का पूरी तरह पालन करें। वहीं कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने भी मरीजों को समय पर दवा लेने, पौष्टिक भोजन करने तथा नियमित जांच कराने के लिए जागरूक किया। फूड पैकेट प्राप्त करने वाले मरीजों ने स्वास्थ्य विभाग के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। मौके पर बीपीएम मनोज यादव, सदाब हुसैन, ठाकुर रंजन, ललित कुमार सिंह सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

जेपीएससी-जेएसएससी अनियमितताओं समेत विभिन्न मांगों को लेकर छात्रों की आक्रोश रैली

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । जेपीएससी एवं जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, लंबित छात्रवृत्ति भुगतान, कल्याण छात्रावासों में मूलभूत सुविधाओं की कमी तथा साहेबगंज महाविद्यालय साहेबगंज में स्नातक नामांकन सीटों में कटौती के विरोध में बुधवार को झारखंड स्टूडेंट कोऑर्डिनेशन कमिटी (जेएससीसी) के बैनर तले विभिन्न छात्र संगठनों ने जन आक्रोश महारैली निकाली। आदिवासी छात्रावास के छात्रनायक अमित हांसदा के नेतृत्व में निकली रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। छात्रों का कहना था कि राज्य में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता, छात्रवृत्ति भुगतान में देरी और उच्च शिक्षा में सीटों की कटौती से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

रैली साहेबगंज कॉलेज से शुरू होकर रेलवे स्टेशन चौक, पटेल चौक, सब्जी मंडी, एलसी रोड, पश्चिमी रेलवे फाटक, स्टेशन रोड, चैती दुर्गा और पूर्वी फाटक होते हुए समाहरणालय पहुंची। समाहरणालय गेट के सामने छात्रों ने धरना देकर अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए। इसके बाद छात्र प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त के माध्यम से राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम मांगपत्र सौंपा। वहीं मांगपत्र में जेपीएससी में हुई कथित अनियमितताओं एवं पेपर लीक की सीबीआई जांच कराने, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने तथा प्रभावित अभ्यर्थियों को न्याय देने की मांग की गई। साथ ही जेपीएससी सीजीएल परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं के कारण पुनर्परीक्षा आयोजित करने, जेएसएससी फील्ड वर्कर परीक्षा में सिलेबस से बाहर पूछे गए प्रश्नों पर उचित कार्रवाई करने और चयन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने की मांग उठाई गई।

छात्रों ने ई-कल्याण पोर्टल पर लंबित शैक्षणिक सत्र 2023-24 एवं 2024-25 की छात्रवृत्ति का भुगतान 15 दिनों के भीतर करने, कल्याण छात्रावासों में गुणवत्तापूर्ण भोजन, पेयजल, बिजली, सुरक्षा, सफाई, रसोइया, खेल सामग्री और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा साहेबगंज महाविद्यालय में स्नातक नामांकन सीटों में की गई कटौती को तत्काल वापस लेने की भी मांग की। वहीं रैली में पूर्व छात्रनेता मनोहर टुडू, छोटेलाल पासवान, सोनू कुमार दास, रंजन कुमार, बाबूधन, रितेश मंडल सहित विभिन्न छात्र संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

वाहन जांच अभियान में चालकों से वसूला गया जुर्माना

बिभा संवाददाता

उधवा । प्रभारी जिला परिवहन पदाधिकारी के निर्देश पर बुधवार को उधवा-बरहरवा मुख्य मार्ग स्थित मोहनपुर टावर चौक के समीप वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान में बिना हेलमेट मोटरसाईकिल चला रहे लोगों व चार पहिया वाहनों का चालान काटा गया एवं जुमार्ना वसूला गया। इस दौरान आईटी सहायक राज हंस ने कहा कि अब नियमित वाहन चेकिंग अभियान चलाया जायेगा। कहा बाइक दुर्घटनाओं में अधिकांश मौतें हेलमेट नहीं पहनने के कारण होती है। हेलमेट पहनकर मोटरसाइकिल चलाने से दुर्घटनाओं में मौत का आंकड़ा कम हो सकता है। वाहन चालकों को अपने वाहन का पूरा कागजात व ड्राइविंग लाइसेंस साथ लेकर चलने की अपील की। वहीं चेकिंग के साथ लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर पहनें। क्योंकि छोटी-सी लापरवाही जान जोखिम में डाल सकती है। मौके पर रोड इंजिनियर अनुज परासर, राधानगर थाना के एएसआई मनोज पासवान सहित अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

मासिक समीक्षा बैठक में उपाधीक्षक का सख्त संदेश, टीकाकरण लक्ष्य हर हाल में करें पूरा

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल अनुमंडल अस्पताल के सभागार में बुधवार को अनुमंडल उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। वहीं समीक्षा के दौरान नियमित टीकाकरण में अपेक्षित उपलब्धि नहीं हासिल करने वाले आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर उपाधीक्षक ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित केंद्रों को अंतिम चेतावनी देते हुए निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा करने और कार्य में गुणात्मक सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डॉ. टुडू ने स्पष्ट कहा कि टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं बैठक में मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं उपचार को लेकर भी विशेष चर्चा हुई। सभी स्वास्थ्य कर्मियों को सतर्क रहने, किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने तथा स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाइयों एवं उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान सितंबर 2026 में प्रस्तावित पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। अभियान को सफल बनाने के लिए अग्रिम कार्ययोजना तैयार करने, प्रत्येक पोलियो बूथ पर दो-दो स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने तथा शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने पर जोर दिया गया। वहीं बैठक के अंत में उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू ने सभी अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को कार्य में पारदर्शिता, अनुशासन और गुणवत्ता बनाए रखते हुए आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का संकल्प दिलाया। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सह लेखा प्रबंधक अमित कुमार, प्रखंड डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मू, विश्व स्वास्थ्य संगठन के सुनील रंजन, पीसीआई के जिला समन्वयक अर्जुन दास सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, सहिया साथी एवं मोबाइल स्वास्थ्य टीम सहित अन्य मौजूद थे।

राज्य खाद्य आपूर्ति आयोग की प्रभारी अध्यक्ष ने विद्यालय, आंगनबाड़ी व जन वितरण प्रणाली का किया औचक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

राजमहल । राज्य खाद्य आपूर्ति आयोग की प्रभारी अध्यक्ष शबनम प्रवीण बुधवार को राजमहल पहुंचीं। इस दौरान राजमहल निरीक्षण भवन में विधायक प्रतिनिधि सह नगर पंचायत उपाध्यक्ष मो. मारूफ उर्फ गुड्डू के नेतृत्व में नगर पंचायत के वार्ड पार्षदों एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ व माला पहनाकर उनका स्वागत किया। वहीं निरीक्षण के दौरान प्रभारी अध्यक्ष ने क्षेत्र में जन वितरण प्रणाली, मध्याह्न भोजन योजना तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन की समीक्षा की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित होती हैं। इन योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचे, इसके लिए सभी को सजग रहने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने पीएम श्री मध्य विद्यालय नया बाजार, कन्या मध्य विद्यालय नीलकोठी, प्राथमिक विद्यालय हाटपाड़ा, नीलकोठी आंगनबाड़ी केंद्र सहित शहर के दो अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नया बाजार विद्यालय में गैस चूल्हे के बजाय लकड़ी के चूल्हे पर मध्याह्न भोजन तैयार किया जाता मिला तथा निर्धारित मेन्यू के अनुरूप भोजन नहीं बनने पर उन्होंने नाराजगी जताई। वहीं नीलकोठी आंगनबाड़ी केंद्र में भी कई अनियमितताएं सामने आईं। जांच के दौरान पाया गया कि बच्चों को निर्धारित व्यवस्था के अनुसार नियमित रूप से अंडा उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। इस पर प्रभारी अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए कहा कि निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेजी जाएगी तथा राज्य खाद्य आयोग को भी समर्पित की जाएगी, ताकि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। साथ ही निरीक्षण के बाद आयोग की टीम ने राजमहल गंगा तट का भ्रमण कर क्षेत्र की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों की जानकारी भी प्राप्त की। मौके पर नगर पंचायत उपाध्यक्ष मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान, वार्ड पार्षद अनिता बसाक, उज्ज्वल हलदार, जोली राय, राजू सरकार, किशन बर्मन, मो. अयूब, अजय कुमार दास, गोपाल मंडल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग की प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित, दिए गए दिशा-निर्देश

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड कार्यालय कक्ष में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक हुई। बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उधवा के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. गुफरान आलम सहित अन्य विभागीय पदाधिकारी मौजूद रहें। बैठक में स्वास्थ्य,टीकाकरण और आपदा प्रबंधन से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान मानसून को देखते हुए बाढ़ की स्थिति, डायरिया, मलेरिया और डेंगू की रोकथाम के लिए विशेष तैयारी करने को कहा गया। जल-जमाव वाले क्षेत्रों में फॉगिंग और दवाओं का छिड़काव कराने का निर्देश दिया गया। गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण डेटा को यू-विन पोर्टल पर समय पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए। एंट्री में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने को कहा गया। वहीं पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई एवं बच्चों को दवा पिलाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा नियमित टीकाकरण सत्र को सुदृढ़ करने और छूटे हुए बच्चों को चिंहित कर टीका लगाने पर जोर दिया गया। साथ ही आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (स्वास्थ्य उप केंद्रों) में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और स्टॉक रजिस्टर अपडेट रखने का आदेश दिया गया। मौके पर सब डिवीजनल कोर्डिनेटर स्कूल स्वास्थ्य संस्थान विनोद शर्मा,डब्ल्यूएचओ पवन रविदास,रवि कुमार,एलटी अतुल कुमार,सुशीला हेंब्रम,बीपीएम अनिल पाल सहित अन्य मौजूद थे।

अमरूद तोड़ते समय हाई टेंशन तार की चपेट में आया किशोर, हालत नाजुक

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल थाना क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 4 स्थित नया बस्ती इलाके में बुधवार दोपहर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहाँ रहने वाले शाहिद शेख के 12 वर्षीय पुत्र साजिद शेख अपने साथियों के साथ घर से कुछ दूरी पर स्थित एक बगीचे में अमरूद तोड़ने गया था।वही प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, साजिद पेड़ पर चढ़कर अमरूद तोड़ रहा था, तभी अचानक उसका संपर्क वहाँ से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के हाई टेंशन बिजली के तार से हो गया। करंट लगने के कारण वह संतुलन खो बैठा और पेड़ से सीधे नीचे गिर गया। गिरने से उसके सिर व शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं।साथ ही घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों और परिजनों ने उसे प्राथमिक उपचार के लिए अनुमंडल अस्पताल पहुँचाया, जहाँ ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. कुमार सौरभ ने उसका इलाज शुरू किया। डॉक्टर के अनुसार किशोर की हालत चिंताजनक बनी हुई है और उसे बेहतर सुविधाओं के लिए रेफर किए जाने की संभावना है। वही इस मामले की सूचना संबंधित थाना पुलिस को भी दे दी गई है। पुलिस मौके पर पहुँचकर घटना की जाँच कर रही है और आसपास के लोगों से बयान दर्ज किए जा रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने इस क्षेत्र में बिना सुरक्षा कवच के खुले हाई टेंशन तारों को खतरनाक बताते हुए प्रशासन से सुरक्षा उपाय करने की माँग की है।

विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करें : उपायुक्त जावेद हुसैन

बिभा संवाददाता

खूँटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त जावेद हुसैन की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास, पंचायती राज एवं जिला परिषद अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों ने भाग लिया। उपायुक्त ने सभी विभागों को विकास योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में मनरेगा के तहत मानव दिवस सृजन, लंबित एवं पूर्ण योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने, विशेष शिविर लगाकर शत-प्रतिशत ई-केवाईसी कराने, एरिया ऑफिसर मॉनिटरिंग ऐप पर नियमित रिपोर्टिंग तथा सामग्री मद के भुगतान में तेजी लाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), अबुआ आवास योजना एवं अंबेडकर आवास योजना के लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा पंचायत स्तर पर नियमित समीक्षा बैठक करने को कहा।

पंचायती राज विभाग की समीक्षा के दौरान टाइड एवं अनटाइड फंड के पारदर्शी उपयोग, पंचायत भवनों में संचालित ज्ञान केंद्रों को मॉडल ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित करने तथा बच्चों के लिए बेहतर अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराने पर बल दिया। जल छाजन, सोलर लिफ्ट इरिगेशन, अमृत सरोवर और प्लांटेशन योजनाओं की समीक्षा करते हुए अड़की प्रखंड के बिरबांकी समेत पेयजल संकट वाले क्षेत्रों में सर्वे कर कूप निर्माण एवं अन्य पेयजल योजनाएं शुरू करने के निर्देश दिए। जिला परिषद के अंतर्गत पथ निर्माण, किचन शेड, बीपीएचयू, इंडोर स्टेडियम, मुक्तिधाम शेड सहित अन्य निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने तथा मनोरंजन पार्कों के बेहतर रखरखाव के भी निर्देश दिए।

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 : खूंटी में मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित, नाम जांचने की अपील

खूँटी। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर-2026) के तहत बुधवार को खूँटी जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची का प्रारूप (ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल) प्रकाशित कर दिया गया। उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी मो. जावेद हुसैन ने जिले के सभी मतदाताओं से प्रकाशित मतदाता सूची में अपना नाम, पता एवं अन्य विवरण का मिलान करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिन पात्र भारतीय नागरिकों का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे निर्धारित प्रपत्र-6 एवं घोषणा पत्र भरकर अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं। मतदाता निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर ऑनलाइन भी अपना नाम और विवरण की जांच कर सकते हैं। उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है और प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सही एवं अद्यतन रूप में दर्ज होना आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपने साथ-साथ परिवार के सभी पात्र सदस्यों के नाम भी सूची में जांचने तथा किसी त्रुटि या नाम छूटने की स्थिति में समय पर दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की अपील की। साथ ही उन्होंने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ), सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (एईआरओ) एवं बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को निर्देश दिया कि वे मतदाताओं को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराते हुए दावा एवं आपत्ति से संबंधित आवेदनों का नियमानुसार और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें।

मुरहू प्रखंड में छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलों का वितरण, गुणवत्ता को लेकर जनप्रतिनिधियों ने उठाए सवाल

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू प्रखंड परिसर में बुधवार को कल्याण विभाग, मुरहू द्वारा विद्यालयीन विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरण कार्यक्रम किया गया।

इस दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में लगभग 100 विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित की गईं।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य, मुरहू के उप प्रमुख अरुण कुमार साबू, मुखिया ज्योति डोडराय, मरियम होरो तथा विधायक प्रतिनिधि डिक्शन पूर्ति ने विद्यार्थियों को साइकिलें प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने वितरित की जा रही साइकिलों की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए प्रखंड कल्याण पदाधिकारी से पूछा कि साइकिल किस कंपनी की है तथा इसकी गुणवत्ता का प्रमाण-पत्र उपलब्ध है या नहीं। उन्होंने कहा कि प्रस्तुत साइकिलों की गुणवत्ता को लेकर वे संतुष्ट नहीं हैं। अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी साइकिलों की मजबूती एवं गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त करते हुए पूछा कि ये साइकिलें कितने समय तक टिकाऊ साबित होंगी। इस संबंध में प्रखंड स्तर पर कोई गुणवत्ता प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे जनप्रतिनिधियों ने पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग की।

इसी दौरान कुछ विद्यार्थियों ने उप प्रमुख को बताया कि उन्हें मिली साइकिल की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इस पर उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए संबंधित अधिकारियों से खराब साइकिल को बदलकर दूसरी साइकिल उपलब्ध कराने को कहा। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि भविष्य में साइकिलों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को टिकाऊ एवं बेहतर संसाधन उपलब्ध हो सकें।

संक्षिप्त खबरें

कोकरो नहर में पानी छोड़ने की मांग , मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड राज्य किसान सभा ने सौंपा ज्ञापन

राहे(बिभा): झारखंड राज्य किसान सभा के तत्वावधान में राहे प्रखंड स्थित कोकरो नहर (8500 एकड़ सिंचाई क्षेत्र) में पानी छोड़ने की मांग को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो, राहे अंचल किसान सभा के अध्यक्ष जयपाल सिंह मुंडा, राहे अंचल किसान सभा के सचिव बिसमबर महतो, जिला किसान कोंसिल सदस्य शोभाराम महतो, जिला संयुक्त सचिव,पांडू राम मुंडा ने ज्ञापन सौंपा। झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो ने कहा कि राहे प्रखंड एवं सोनाहातु प्रखंड के 8500 एकड़ सिंचाई क्षेत्र वाला कोकरो नहर में नहर विभाग द्वारा पानी नहीं छोड़ने से राहे प्रखंड के होटलो,राहे,डोकाद,लोवाहातु,बी,नवाडीह एवं सोनाहातु प्रखंड के जिंतु,सोनाहातु,बारूहातु तेतला पंचायत के सैकड़ों गांवों में कोकरो नहर में पानी नहीं छोड़ने के कारण धान की रोपनी नहीं हो पा रही है,धान की रोपनी अधर पर लटका हुआ है,समय में नहर का पानी नहीं मिला तो किसानों को भारी नुक्सान उठाना पड़ेगा।इस मुद्दे पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ज्ञापन सौंपकर कोकरो नहर में शीघ्र पानी छोड़ने की गुहार लगाई है।

रूडसेट संस्थान सिल्ली में 30 दिवसीय मोटर साइकिल मरम्मती प्रशिक्षण शुरू

सिल्ली(बिभा) : बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से रूडसेट संस्थान सिल्ली में आगामी 10 अगस्त, सोमवार से 30 दिवसीय मोटर साइकिल मरम्मती प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा बाइक के इंजन, वायरिंग, ब्रेक और अन्य तकनीकी पहलुओं की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क होगा। प्रशिक्षणार्थियों के लिए रहना और खाना की व्यवस्था भी संस्थान द्वारा मुफ्त की जाएगी। कार्यक्रम पूरा होने पर सभी सफल प्रशिक्षणार्थियों को एनसीवीटी मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। इच्छुक युवा निर्धारित तिथि तक संस्थान कार्यालय में संपर्क कर अपना नामांकन करा सकते हैं।

राष्ट्रीय छात्र संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का रांची में कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

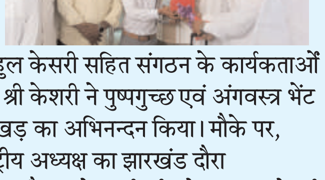

खूँटी (बिभा)। राष्ट्रीय छात्र संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ बुधवार को रांची पहुँचने पर राष्ट्रीय छात्र संगठन के खूँटी जिलाध्यक्ष राहुल केसरी सहित संगठन के कार्यकताओं उनका स्वागत किया। मौके पर श्री केशरी ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ का अभिनन्दन किया। मौके पर, राहुल केसरी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का झारखंड दौरा कार्यकताओं के लिए प्रेरणादायक है। उनके मार्गदर्शन से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और छात्र-हितों की लड़ाई को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय छात्र संगठन झारखंड प्रदेश अध्यक्ष विनय उराँव, सिमडेगा जिलाध्यक्ष विवेक एक्का, संकेत सुमन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सीबीएसई जोनल तीरंदाजी प्रतियोगिता में डीएवी खूँटी की अश्विता पूर्ति का स्वर्णिम प्रदर्शन

खूँटी(बिभा) । सीबीएसई जोनल तीरंदाजी प्रतियोगिता, जो टोरियन वर्ल्ड स्कूल में आयोजित हुई। उसमें अंडर-17 इंडियन राउंड बालिका वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए डीएवी पब्लिक स्कूल खूँटी की छात्रा अश्विता पूर्ति ने 30 मीटर स्पर्धा में रजत पदक, 20 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक तथा सभी में स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपने विद्यालय, जिले एवं राज्य का नाम गौरवान्वित किया। इसी वर्ग में राँची की छात्रा अर्पिता कुमारी ने 30 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक, 20 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक तथा ओवरऑल कांस्य पदक प्राप्त कर शानदार उपलब्धि हासिल की। रौशन कुमार ने बताया कि दोनों खिलाड़ी वीर बिरसा तीरंदाजी अकादमी की प्रशिक्षण प्राप्त कर वर्तमान में भारतीय खेल प्राधिकरण के रांची तीरंदाजी केंद्र में नियमित अभ्यास कर रही हैं। इस शानदार उपलब्धि पर दोनों खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी गईं। शुभकामनाएँ देने वालों में खूटी डीएवी के प्राचार्य मनोहर नाथ, खेल शिक्षक मृत्युंजय सिंह, खूँटी जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष कोचे मुंडा, सचिव बसंत कुमार, रोशन कुमार आदि अनेक ने दोनों खिलाड़ियों की सफलता पर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तोरपा के होटलों में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी छापेमारी

दुकानदार पैसा लेकर ग्राहकों को खाद्य सुरक्षा मानक के अनुरूप परोसें सामान : विवेक

होटल व मिठाई दुकानों में पकड़ी गयी मिठाइयों में स्टार्च और मिलावट

बिभा संवाददाता

खूँटी । खाद्य सुरक्षा के दृष्टिकोण से बुधवार को तोरपा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न कलेवालयों और होटलों में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी विवेक कुमार शर्मा के द्वारा औचक निरीक्षण अभियान चलाकर कई अनियमितताओं का खुलासा किया गया। निरीक्षण के दौरान माँ रेस्टोरेंट, अशोक स्वीट्स, मुखिया स्वीट्स सहित अन्य प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, शुद्धता, रखरखाव, तौर-तरीके और मिलावटी सामानों की जाँच की गई। इस दौरान उपभोक्ताओं के लिए सुरक्षित पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं मिलने तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत निर्धारित स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संचालकों को कड़ी चेतावनी दी गई। उन्होंने कहा कि ऐसे ही गंदगी के कारण लोग बिमार पड़ते हैं। एक तो स्वाद के कारण पैसा खर्च करते हैं और उन्हें मानक अनुसार आहार मिलना चाहिए।

जाँच के दौरान खाद्य निर्माण, भंडारण एवं परोसने के स्थानों पर साफ-सफाई के मानकों की अनदेखी भी सामने आई। वहीं विभिन्न प्रतिष्ठानों से पेड़ा, बर्फी, रसगुल्ला समेत दूध आधारित भारतीय मिष्ठानों की आयोडीन विलयन से प्राथमिक जांच की गई, जिसमें स्टार्च की मिलावट की पुष्टि हुई। इसके बाद मिलावटी मिठाइयों को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने मौके पर ही नष्ट करा दिया।

खाद्य व्यवसाय संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा संबंधित नियमों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। विभाग ने स्पष्ट किया कि भविष्य में मानकों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी अभियान में तोरपा थाना के सुरक्षा बल तथा सहयोगी सूरज कुमार भी शामिल साथ थे। ये जानकारी खाद्य सुरक्षा विभाग के सहयोगी सूरज कुमार ने दी।

बंद पड़े अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास का मिशन वात्सल्य योजना के लिए होगा अब उपयोग

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू प्रखंड अंतर्गत लक्ष्मी नारायण प्लस टू उच्च विद्यालय के लिए 2020 में बनकर तैयार बेकार जंगल में तब्दील पड़ा अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास का उपयोग अब अल्पसंख्यक छात्राओं के लिए नहीं बल्कि मिशन वात्सल्य योजना का उपयोग होगा । जिसका समाचार चलने के बाद अब उसका उपयोग किसी न किसी रुप में हो सकेगा। लेकिन जिस उद्देश्य से निर्माण किया गया था उनके लिए कभी लाभकारी सिद्ध नहीं है पाया । वहीं इस बंद पड़े भवन का उपयोग स्पेशलाइज्ड एडोप्सन एजेंसी के माध्यम से कराने का निर्णय जिला कल्याण विभाग ने लिया है। इसके लिए विभाग के जिला कल्याण पदाधिकारी ने लक्ष्मी नारायण प्लस टू उच्च विद्यालय को अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगा । जिसपर उक्त विद्यालय द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र विभाग को भेज दिया है। वहीं अब उक्त बंद पड़े करोड़ों रुपए की लागत से 2020 ई में बना छात्रावास का ताला जल्द ही खुलने का आसार है। जिसपर मुरहू उपप्रमुख अरुण साबू ने भी छात्रावास बंद पड़े रहने और उपयोगी नहीं होने से नाराजगी व्यक्त की थी। वहीं उसपर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था कि ये भवन का निर्माण ऐसा लगता है कि केवल ठीकेदार को लाभ पहुंचाने की दिशा में कार्य किया गया होगा । वहीं अब विभाग सक्रियता दिखलाते हुए इसपर एक नया पहल किया है। लेकिन अब भी इसका उपयोग कब शुरू होगा और भवन का कितना लाभ मिल पाएगा ये तो कार्य शुरू होने के बाद ही पता चलेगा । या कि फिर उसपर फिर से राशि खर्च किया जाएगा ।

आरसेटी खूँटी में 35 युवक-युवतियों का 30 दिवसीय लाइट मोटर वाहन प्रशिक्षण शुरू

मोटर वाहन प्रशिक्षण पाकर आर्थिकोपार्जन के लिए उपयोग करें और सबल बने : मसीह

बिभा संवाददाता

खूँटी । बैंक ऑफ इंडिया के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), खूंटी में बुधवार को 30 दिवसीय लाइट मोटर वाहन (एलएमवी) ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रशिक्षण के लिए जिले के 35 ग्रामीण युवक-युवतियों ने निशुल्क पंजीकरण कराया है। जो आगामी 05 सितम्बर तक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मसीह गुड़िया ने कहा कि वर्तमान समय में किसी भी प्रकार के हुनरमंद की मांग ज्यादा है। जो अपना स्वरोजगार स्वयं ही प्रशिक्षण प्राप्त करके करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करके बैठना नहीं बल्कि सीख कर कार्य करना है । ताकि आर्थिक सबलता अपने मेहनत से प्राप्त कर सको। उन्होंने कहा कि कई ऐसे लोग होते हैं जो प्रशिक्षण स्कूलरसीप पाने के ख्याल से करते हैं और फिर घर जाकर पाये गये उस प्रशिक्षण का उपयोग नहीं करते हैं। ये सही नहीं है। प्रशिक्षण पाये अनेक लोग मिल जाएंगे जो पाए गए उसे प्रशिक्षणक लाभ नहीं उठा रहे हैं और कुछ अन्य कार्य कर रहे हैं । इससे गरीबी दूर नहीं होगी। जिस प्रकार किताब को खरीद कर घर में रखने से नहीं बल्कि पढ़ने से ज्ञान मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण को आर्थिकपार्जन के लिए आधार बनाकर गरीबी दूर करने का माध्यम बनाएँ और इतना कमाएं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए आप सफल हो जाएँ।

उक्त कार्यक्रम में आरसेटी खूंटी के निदेशक बसंत कुमार हजाम एवं वरिष्ठ संकाय सदस्य सुशील कुमार ने बताया कि संस्थान प्रत्येक वर्ष जिले के युवक-युवतियों के लिए विभिन्न रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। सभी प्रशिक्षण निशुल्क आवासीय सुविधा के साथ संचालित किए जाते हैं।

संत माईकल +2 स्कूल में फ्रेशर्स डे का आयोजन

बिभा संवाददाता

सिल्ली : संत माईकल +2 स्कूल,मुरी में नए शैक्षणिक सत्र के विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रेशर्स डे का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा बारहवीं के सीनियर्स ने 10+2 के प्रथम वर्ष के छात्र छात्राओं का विद्यालय प्रांगण में पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए छात्रों का स्कूल परिसर में गर्मजोशी से स्वागत करना और उन्हें वरिष्ठ छात्रों व शिक्षकों के साथ घुलने-मिलने का अवसर देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के संस्थापक कृष्ण कुमार को श्रद्धांजलि देकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मौके पर विभिन्न वर्गो के छात्र एवम् छात्राओं ने मन मोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सभी बच्चे काफी उत्साहित थे। इस मौके पर कक्षा ग्यारहवीं के सभी छात्रो को उपहार देकर सम्मानित भी किया गया। विद्यालय के निर्देशक डॉ. राकेश कुमार ने सभी बच्चों को स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिए एवं छात्रों के अभिभावकों को विद्यालय के प्रति भरोसा जताने के लिए उनका आभार प्रकट किए। विद्यालय के प्राचार्य सी. एल. प्रजापति ने सभी नए विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाते हुए हर संभव गुणवत्ता शिक्षा देने का प्रतिबद्धता दोहराए और कहा कि स्कूल केवल शिक्षा का केंद्र नहीं है बल्कि यह व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का मंच है। उन्होंने शिक्षा और पाठ्यतर गतिविधियों के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए नए छात्रों से सीखने को अपनाने और आरामदायक दायरे से बाहर निकलने का आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन बारहवीं के छात्रा सिम्मी पाल एवं तंजीर फातिमा ने किया। कार्यक्रम के इस मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षकाएं उत्पल कुमार,मनीषा सिंह, वि. वेंकट राव, किशोर कुमार,प्रीति लता मुंडू , निता कुमारी,वंदना कुमारी, जयंत कुमार,सत्य काम महतो, रमेश गौराई, राहुल कुमार मिलन, प्रीति नंदा, मंजू कुमारी, सिमरन कुमारी, अमित कुमार, वहीद अली, अजय चिक बड़ाइक एवं सभी छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

उपायुक्त ने आंगनबाड़ी दुरुस्त करने के लिए समाज कल्याण विभाग को दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत संरचना, पोषण संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन, विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति एवं बाल संरक्षण के विषय पर बुधवार को उपायुक्त ने समाहरणालय स्थित सभागार में समाज कल्याण विभाग के साथ बैठक कर जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की स्थिति की जानकारी लेते हुए निमार्णाधीन भवनों एवं सरकारी भवन में संचालित नहीं हो रहे केंद्रों की संख्या के बारे जानकारी लिये। उपायुक्त ने निजी भवनों में संचालित हो रहे आंगनबाड़ी केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर सरकारी भवनों में शिफ्ट करने हेतु प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यकता के अनुरूप नए आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण एवं मरम्मती करने को लेकर भी प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

पोषण ट्रैकर के विभिन्न संकेतकों की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सभी प्रखंडों में आंगनबाड़ी केंद्रों का शत-प्रतिशत फेस रिकॉग्निशन सिस्टम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का समय पर ई-केवाईसी कराने तथा लंबित मामलों की अद्यतन रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा, जिससे लाभुकों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके। पोषण ट्रैकर में रिपोर्ट अपटूडेट रखने के निर्देश दिए गए। वैसे आंगनबाड़ी केंद्र जहां विद्युतीकरण नहीं हो पाया है, वैसे आंगनबाड़ी केंद्रों में विद्युतीकरण सुनिश्चित करने हेतु कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल को निर्देश दिए गए।

बैठक में घर तक पहुँचाने वाले राशन वितरण आदि की स्थिति, 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के अपार आईडी निर्माण तथा आभा लाभुकों की संख्या की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने आभा लाभुकों की संख्या बढ़ाने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में महिला पर्यवेक्षिका, सेविका समेत अन्य को ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने अनुपस्थिति सेविका समेत अन्य के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी समय पर खुले यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एमटीसी केंद्र में कुपोषित बच्चों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने शत-प्रतिशत बेड ऑक्यूपेंसी सुनिश्चित करने तथा गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें उपचार से जोड़ने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, वन स्टॉप सेंटर तथा ओल्ड एज होम के संचालन की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी योजनाओं एवं संस्थानों के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, सिविल सर्जन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सीडीपीओ, महिला पर्यवेक्षिका सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सर्पदंश के पीड़ित व्यक्ति का सदर अस्पताल खूँटी में मौत

खूँटी । नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत सदर अस्पताल खूँटी में एक सर्पदंश के मरीज की बुधवार को मौत हो गई। जो सिमडेगा जिले के महाबोआंग थाना क्षेत्र अंतर्गत ओल्हान पुजारटोली निवासी था। जिसकी पहचान 55 वर्षीय मंगरा केरकेट्टा के रूप में हुई। जिसको साँप काटने पर उपचार कराने के लिए अस्पताल लाया गया था। लेकिन अस्पताल पहुँचने में देर हो जाने के कारण मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, मंगरा केरकेट्टा को साँप काट दिया था । जिसका बेहतर उपचार के लिए खूँटी स्थित सदर अस्पताल लाया गया था। लेकिन अस्पताल पहुंचने तक में विष काफी फैल गया था। हालांकि चिकित्सक स्वस्थ करने का कोशिश तो किये थे । पर, उसे बचाया नहीं जा सका और अंततोगत्वा मंगरा की मौत हो गई। जिसकी जानकारी पुलिस को दी गयी। जिसमें थाना के पुलिस पदाधिकारियों ने मृत्यु समिक्षा पत्र भरकर शव का अंत्यपरीक्षण कराया और परिजनों को सौंप दिया।

उर्दू बालिका मध्य विद्यालय को हाई स्कूल बनाने की पहल पर विधायक संजीव सरदार का भव्य स्वागत

ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताः विधायक

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका प्रखंड के हल्दीपोखर पश्चिम पंचायत स्थित उर्दू बालिका मध्य विद्यालय को उच्च विद्यालय (10वीं तक) में अपग्रेड करने का प्रस्ताव जिला शिक्षा स्थापना समिति की बैठक में विधायक संजीव सरदार द्वारा दिए जाने के बाद बुधवार को विद्यालय परिसर में उनका भव्य स्वागत किया गया। पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं विद्यालय की छात्राओं ने विधायक का अभिनंदन करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया।ब इस अवसर पर पंचायत की मुखिया फरजाना सुल्तान ने कहा कि विद्यालय में उच्च कक्षाओं की पढ़ाई की व्यवस्था नहीं होने से छात्राओं को आगे की शिक्षा के लिए दूसरे स्थानों पर जाना पड़ता था, जिससे उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। विद्यालय के अपग्रेड होने से अब क्षेत्र की छात्राएं अपने ही पंचायत में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगी। उन्होंने पंचायत की ओर से विधायक का आभार जताते हुए हल्दीपोखर मुख्य सड़क से पंचायत तक सड़क निर्माण एवं टाउन फीडर से विद्युतीकरण कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग संबंधी ज्ञापन भी सौंपा।

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि झारखंड सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि आगामी शैक्षणिक सत्र से विद्यालय में उच्च कक्षाओं की पढ़ाई शुरू हो सके, इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने कहा कि हल्दीपोखर मुख्य सड़क निर्माण एवं टाउन फीडर विद्युतीकरण की योजनाएं कुछ तकनीकी कारणों से रुकी हुई हैं, लेकिन संबंधित बाधाओं को दूर कर जल्द ही दोनों योजनाओं पर कार्य शुरू कराया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाध्यापक मो. शहाबुद्दीन ने किया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद चंद्रावती महतो, पूर्व मुखिया सैयद जबीउल्ला, झामुमो नेता सुनील महतो, जिकरुल होदा, सैयद समीउल्लाह, उपमुखिया शाहिद परवेज, ग्राम प्रधान मो. असलम, वार्ड सदस्य मो. इदरीस, अब्दुल हन्नान, आफताब आलम, देव पालित, अलका तरन्नुम, तरन्नुम परवीन, फिरोजा जमा, बबलू प्रधान, दौलत अली सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

लातेहार में प्रारूप मतदाता सूची व एएसडीडी सूची का प्रकाशन, जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदान केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

लातेहार। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिले के सभी मतदान केंद्रों पर प्रारूप मतदाता सूची तथा एएसडीडी सूची का सार्वजनिक प्रकाशन किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त लातेहार ने लातेहार प्रखंड के चार प्रमुख मतदान केंद्रों (मध्य विद्यालय लातेहार बाजार पूर्वी व पश्चिमी भाग, तथा उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय इचाक पूर्वी व पश्चिमी भाग) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रकाशित सूची की विधिवत जांच की और उपस्थित बीएलओ को मतदाता सूची का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया, ताकि कोई भी योग्य मतदाता पंजीकरण या संशोधन से वंचित न रहे। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपने नजदीकी मतदान केंद्र पर जाकर मतदाता सूची का अवलोकन करने तथा आवश्यकतानुसार निर्धारित समय सीमा में दावा या आपत्ति दर्ज कराने की अपील की है। इस मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मडकी, अनुमंडल पदाधिकारी दिनेश कुमार और प्रखंड विकास अधिकारी मनोज कुमार तिवारी सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक संजीव सरदार के पहल पर पोटका में दूसरे दिन भी लगा ड्राइविंग लाइसेंस शिविर, कहा

जल्द हर पंचायत में लगेगा कैंप

बिभा संवाददाता

पोटका। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दूरदर्शी सोच एवं जनकल्याणकारी पहल के तहत अबुआ सरकार ड्राइविंग लाइसेंस योजना के अंतर्गत पोटका प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी विशेष ड्राइविंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया, जिसका विधायक संजीव सरदार ने प्रखंड कार्यालय पहुंचकर जायजा लिया। पहले दिन शिविर में हजारों युवक-युवतियों के पहुंचने से सभी का आवेदन एक ही दिन में पूरा कर पाना संभव नहीं हो सका था। इसे देखते हुए पोटका विधायक संजीव सरदार ने उपायुक्त से पुनः शिविर आयोजित करने का आग्रह किया, जिसके बाद दूसरे दिन भी विशेष कैंप लगाया गया। शिविर के दोनों दिनो को मिला कर 620 लोगो का लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस बनाया गया। बड़ी संख्या में पहुंचे आवेदकों के कारण कई लोग प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। ऐसे सभी लोगों को दूसरा अवसर देने के उद्देश्य से पोटका विधायक के पहल पर बुधवार को फिर से कैंप आयोजित किया गया, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इस सुविधा से वंचित न रहे। विधायक संजीव सरदार ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मंशा है कि सरकारी सुविधाएं गांव-गांव और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें। इसी सोच के तहत पहली बार ग्रामीण क्षेत्रों में प्रखंड स्तर पर ड्राइविंग लाइसेंस शिविर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले दिन भारी भीड़ को देखते हुए उपायुक्त से पुनः शिविर लगाने का अनुरोध किया गया था, ताकि जिन युवाओं का लाइसेंस नहीं बन सका, उन्हें दोबारा अवसर मिल सके। उन्होंने युवाओं से इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

विधायक ने कहा कि झारखंड सरकार युवाओं को सशक्त बनाने एवं नागरिक सुविधाओं को उनके द्वार तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है, अब इसके बाद पोटका के ही कालिकापुर पंचायत में 8 अगस्त को शिविर लगेगा, जिसमे लोग आवेदन दे कर पुनः शिविर का लाभ उठा सकते है. इस मौके पर अंचलाधिकारी निकिता बाला, बीडीओ अरुण कुमार मुंडा, थाना प्रभारी सन्नी टोप्पो, परिवहन विभाग के अधिकारी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जेपीएससी घोटाले के जनक बाबूलाल मरांडी को छात्रों से नजरें मिलाने का अधिकार नहींः कांग्रेस

रांची(बिभा)। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने भारतीय जनता पार्टी और बाबूलाल मरांडी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि झारखंड में शैक्षणिक घोटालों की नींव भाजपा शासनकाल में ही रखी गई थी। उन्होंने कहा कि द्वितीय जेपीएससी सहित अन्य परीक्षाओं में हुए घोटालों का कलंक भाजपा के मुख्यमंत्रियों के माथे पर आज भी है, इसलिए बाबूलाल मरांडी को आंदोलनकारी छात्रों को सामने रखकर राजनीति करने का कोई अधिकार नहीं है। सोनाल शांति ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार छात्रों की मांगों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। झारखंड में अन्य भाजपा शासित राज्यों की तरह पेपर लीक नहीं हुआ, बल्कि परिणामों में हुई गड़बड़ियों पर सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषी अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस गड़बड़ी में भाजपा के सहयोगी दल आजसू से जुड़े तार सामने आए हैं और जांच आगे बढ़ने पर भाजपा का चेहरा भी बेनकाब होगा। सीबीआई जांच की मांग पर तंज कसते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि 24 साल बाद भी द्वितीय जेपीएससी घोटाले के आरोपियों को सीबीआई सजा क्यों नहीं दिला सकी। उन्होंने कहा कि झारखंड के समझदार छात्र भाजपा के उकसावे में नहीं आने वाले हैं।

संक्षिप्त खबरें

बनवारी साहू महाविद्यालय में स्नातक नामांकन का अंतिम अवसर, 7 अगस्त तक बढ़ी आवेदन की तिथि

लातेहार(बिभा)। इंटरमीडिएट उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के लिए बनवारी साहू महाविद्यालय, लातेहार में स्नातक प्रथम सेमेस्टर (बीए एवं बीकॉम) में नामांकन का अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि चांसलर पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने तथा महाविद्यालय में आवश्यक दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 अगस्त 2026 कर दी गई है। महाविद्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार, विश्वविद्यालय ने सभी विषयों में सीटों की संख्या भी बढ़ा दी है। ऐसे में इच्छुक छात्र-छात्राएं अपनी रुचि के अनुसार किसी भी उपलब्ध विषय में नामांकन करा सकते हैं।महाविद्यालय प्रशासन ने पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि के भीतर चांसलर पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी करें तथा आवश्यक दस्तावेज महाविद्यालय में जमा कर नामांकन सुनिश्चित करें। निर्धारित तिथि के बाद किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

जदयू नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह की माताजी पंच तत्व में विलीन

जमशेदपुर(बिभा)। जदयू नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह की माता जी गीता देवी का बुधवार को हिंदू रीति रिवाज से भुईंयाडीह स्वर्णरेखा घाट, मानगो में अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि उनके पति बबन सिंह ने दी। चिता की उठती लपटों के साथ अंत्येष्टि में शामिल लोगों की पलकें गीली हो गई। इसके साथ ही वह पंच तत्व में विलीन हो गईं। गौरतलब है कि गत बुधवार को गीता देवी की हृदयाघात से मृत्यु हो गई थी। वह बीते कुछ दिनों से साँस संबंधित दिक्कतों से परेशान थीं। घाट पर उनके अंतिम दर्शन करने वालों में अशोक गोयल, आशुतोष राय, नीरज सिंह, पप्पू सिंह सूर्यवंशी, मनोज सिंह, शंभू नाथ सिंह, शिव शंकर सिंह, अभिषेक चंदेल,नित्यानंद सिन्हा, विनोद राय, राजीव सिंह, ललन द्विवेदी, संजीव सिन्हा, पिंटू सिंह, पवन सिंह, कुणाल, संतोष भगत, रवींद्र सिसोदिया, पुतुल सिंह, रतन झा, विकास कुमार, तारक मुखर्जी, टुन्ना, रणजीत प्रसाद, धर्मेंद्र प्रसाद, अनीस सिंह, करण सिंह, विवेक पाण्डेय समेत सैकड़ों लोग शामिल रहे।

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन की नई जिला कमेटी का सम्मान, समाजसेवा का लिया संकल्प

जमशेदपुर(बिभा): राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन, पूर्वी सिंहभूम की नई जिला कमेटी के पदाधिकारियों के सम्मान एवं स्वागत में साकची स्थित अशोक इन होटल में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संगठन के संरक्षक एवं समाजसेवी अवधेश कुमार के तत्वावधान में हुआ। मुख्य अतिथि संगठन के मुख्य संरक्षक रंगनाथ प्रसाद थे। समारोह में नई जिला कमेटी के सभी पदाधिकारियों का अभिनंदन किया गया तथा उन्हें समाजसेवा और समाज के हित में कार्य करने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान समाज को एकजुट करने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया गया। मुख्य संरक्षक रंगनाथ प्रसाद ने बड़ी घोषणा करते हुए साहू समाज को महंगे क्षेत्र में 50 लोगों के बैठने की सुविधा वाले कार्यालय के लिए मात्र एक रुपये प्रतिमाह किराये पर स्थान उपलब्ध कराने की घोषणा की। समाज के लिए यह सुविधा उपलब्ध कराने वाले दानदाता के प्रति उपस्थित लोगों ने आभार जताया। जिला अध्यक्ष राकेश साहू ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य समाज का कल्याण, शिक्षा और विकास है। उन्होंने बताया कि 7 अगस्त, शुक्रवार को दोपहर 12 बजे जाति प्रमाण पत्र आसानी से बनवाने की मांग को लेकर उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र सौंपा जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्रभार भी सौंपे गए। मानगो क्षेत्र की जिम्मेदारी रंजीत कुमार साव, जुगसलाई-बागबेड़ा क्षेत्र की शिवलोचन साव, बिरसानगर की राम कुमार साहू और भुइयांडीह क्षेत्र की अशोक साहू को दी गई। अन्य क्षेत्रों के प्रभारियों की घोषणा जल्द की जाएगी। समारोह में जिला अध्यक्ष राकेश साहू, महामंत्री अशोक साहू, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष शिवलोचन साव, रंजीत कुमार साव महिला अध्यक्ष पूजा साहू, युवा अध्यक्ष गौतम साहू, शिक्षा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सपन साहू उमेश साहू कामता प्रसाद सत्यदेव प्रसाद विदेशी साहू चंद्रिका प्रसाद कमलेश साहू सरवन साहू मनोज साहू मीना देवी सत्यदेव प्रसाद प्रताप साहू राम साहू मनोज साहू राजू साहू सतनारायण प्रसाद शोभा साहू शैलेंद्र कुमार कन्हैया मास्टर अरुण साहू शेखर साहू पहलाद साहू आनंद गुप्ता गणेश साहू अशोक साहू समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं समाजबंधु उपस्थित थे।

प्रखंडों में कार्यक्रम कर माताओं को स्तनपान एवं बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के महत्व के प्रति करें जागरूकः उप विकास आयुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार;विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर जिला समाज कल्याण विभाग, लातेहार द्वारा बुधवार को समाहरणालय में विभिन्न प्रखंडों की बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षक के साथ उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में बैठक कर स्तनपान के महत्व और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के विभिन्न आयामों पर चर्चा करते हुए प्रचार प्रसार करने हेतु प्रेरित किया गया।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि ₹शिशु के स्वस्थ विकास एवं मातृ स्वास्थ्य के लिए स्तनपान अत्यंत₹आवश्यक है। विश्व स्तनपान सप्ताह का उद्देश्य माताओं,परिवारों एवं समाज को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा नवजात शिशुओं को जीवन के प्रारंभिक छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने₹ के लिए प्रेरित करना है।

जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीणों के बीच बैठक कर स्तनपान के लाभ, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संतुलित पोषण तथा कुपोषण की रोकथाम से संबंधित संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे। साथ ही, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के संदेश को जन जन तक पहुंचाएंगे।

इस दौरान आमजन को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी उपलब्ध कराई जाए।

कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी,बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अनीता कुमारी एवं विभिन्न प्रखंडों की महिला पर्यवेक्षक उपस्थित थी।

आदिवासी महोत्सव को लेकर 09 अगस्त को होगा जिला में भव्य कार्यक्रम का आयोजनः उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार : उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में आगामी आदिवासी महोत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि 09 अगस्त को टाउन हॉल, लातेहार में आदिवासी महोत्सव का आयोजन किया जाना है, जिसे सफल बनाने के लिए सभी संबंधित विभाग समय से पूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित करें।उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, मंच सज्जा, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, पेयजल एवं स्वास्थ्य सुविधा आदि की समुचित तैयारी का निर्देश दिया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रसिद्ध छऊ नृत्य शैली, ट्राइबल फैशन शो तथा नागपुरी गीतों की प्रस्तुति, आमंत्रित अतिथियों की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई।उपायुक्त ने कहा कि झारखंड आदिवासी महोत्सव राज्य की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपरा एवं विरासत को संरक्षित एवं प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समयसीमा में सभी तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश दिया।बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, आईटीडीए निदेशक सरोजिनी तिर्की, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार दिनेश कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी अनिल कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण राम , अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

देवघर में श्रावणी मेला के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग का सघन निरीक्षणः 42.5 किग्रा संदिग्ध पेड़ा नष्ट, तीन दुकानों पर लगा जुर्माना

देवघर(बिभा)। राजकीय श्रावणी मेला 2026 में श्रद्धालुओं को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने मेला क्षेत्र के होटल, भोजनालयों और पेड़ा दुकानों का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के जरिए 45 पेड़ा सैंपलों की ऑन-द-स्पॉट जांच की गई, जिसमें से 3 सैंपल मानक के अनुरूप नहीं पाए गए। इसके बाद अधिकारियों ने 42.5 किलोग्राम संदिग्ध पेड़ा तुरंत नष्ट करवा दिया। निरीक्षण के दौरान खाद्य स्वच्छता और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर गंगा साह पेड़ा भंडार, श्री गंगा साह पेड़ा भंडार और शिव होटल एंड रेस्टोरेंट पर 2,000 प्रति दुकान ऑन-द-स्पॉट जुमार्ना लगाया गया। अधिकारियों ने सभी विक्रेताओं को खोवा, पेड़ा और पनीर की गुणवत्ता जांचने के लिए आयोडीन टिंचर से नियमित स्टार्च परीक्षण करने का कड़ा निर्देश दिया। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि मिलावट पाए जाने पर लाइसेंस रद्द करने सहित सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और यह अभियान पूरे मेला क्षेत्र में निरंतर जारी रहेगा।

पोटका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का विधायक ने किया औचक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका विधायक संजीव सरदार ने बुधवार को पोटका स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विशेष रूप से बरसात के मौसम में बढ़ रहे सर्पदंश के मामलों को देखते हुए अस्पताल में उपलब्ध एंटी वेनम (सर्पदंश रोधी) दवा के स्टॉक की जांच की। जांच में अस्पताल में एंटी वेनम दवा का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध पाया गया, जिस पर विधायक ने संतोष व्यक्त किया।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने अस्पताल में उपलब्ध अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं, दवाओं, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं एवं मरीजों को दी जा रही सेवाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने मौजूद डॉक्टर विनीता लकड़ा एवं स्वास्थ्यकर्मियों से अस्पताल की वर्तमान स्थिति, आवश्यक संसाधनों एवं मरीजों के उपचार संबंधी व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि बरसात के मौसम में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं, इसलिए अस्पताल में आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं चिकित्सकों को निर्देश दिया कि अस्पताल में दवाओं की नियमित उपलब्धता बनाए रखें और मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए। साथ ही अस्पताल की सभी स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

जहां कभी लगती थी नक्सलियों की जन अदालत, वहीं अब पुलिस चौपाल में सुनी जा रही जनता की फरियाद

एसपी कुमार गौरव की पहल पर अति नक्सल प्रभावित चेतर गांव में पुलिस-जन संवाद, ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं

बिभा संवाददाता

लातेहार। कभी नक्सलियों की गोलियों की गूंज और जन अदालत के लिए कुख्यात रहा चंदवा प्रखंड का चेतर गांव अब बदलते हालात की नई तस्वीर पेश कर रहा है। लातेहार पुलिस की लगातार कार्रवाई और एसपी कुमार गौरव के नेतृत्व में चलाए गए अभियान का असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जिस स्थान पर कभी नक्सलियों का खौफ था, वहीं अब पुलिस अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है।एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर अति नक्सल प्रभावित चेतर गांव में लातेहार एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता एवं चंदवा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोरंजन सिंह ने ग्रामीणों के साथ पुलिस चौपाल का आयोजन किया। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और अपनी विभिन्न समस्याओं से पुलिस प्रशासन को अवगत कराया।इस दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, साइबर अपराध, नशामुक्ति तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने को लेकर जागरूक किया। उन्होंने लोगों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की तथा भरोसा दिलाया कि पुलिस हमेशा जनता की सुरक्षा और सहायता के लिए तत्पर है।ग्रामीणों ने भी पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पहले जहां इस इलाके में भय और असुरक्षा का माहौल था, वहीं अब पुलिस की सक्रियता से लोगों में विश्वास बढ़ा है। पुलिस चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों और पुलिस के बीच संवाद मजबूत होने के साथ-साथ क्षेत्र में शांति एवं विकास का वातावरण भी सुदृढ़ हो रहा है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपित की मौत मामले में 56 नामजद सहित कई अज्ञात पर मामला दर्ज, 12 गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

चतरा। नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपित मोहम्मद इमरोज की भीड़ की कथित पिटाई के बाद हुई मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक के पिता मोहम्मद सुल्तान के आवेदन पर आज टंडवा पुलिस ने 56 नामजद और कई अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मामले में अब तक 12 आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।

प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि गांव के विजय चौबे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंचे और नाबालिग लड़की को छिपाकर रखने का आरोप लगाते हुए उनके और उनकी पत्नी के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने आए उनके पुत्र मोहम्मद इमरोज के साथ भी भीड़ ने मारपीट की। आवेदन के अनुसार घायल अवस्था में पुलिस इमरोज को अपने साथ ले गई। जहां बाद में उसकी मौत की सूचना मिली।

गिरफ्तार आरोपितों में अनिल ठाकुर, मणि घटवार, पनवा देवी, कुलदीप महतो, सुनील महतो, रविंद्र कुमार, नितेश कुमार, संतोष यादव, अनिकेत ठाकुर, रिकेश कुमार, अमृत पटेल सहित अन्य शामिल हैं। इन सभी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार ने कहा कि मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

बुधवार को टंडवा थाना परिसर में दिनभर तनावपूर्ण माहौल बना रहा। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य आरोपित बनाए गए विजय चौबे की गिरफ्तारी की मांग करते हुए नारेबाजी की और कहा कि गिरफ्तारी के बाद ही शव उठाया जाएगा। बाद में समुदाय के प्रबुद्ध लोगों की पहल पर वार्ता के बाद शव का अंतिम संस्कार करने पर सहमति बनी।

इस बीच एक वायरल वीडियो भी चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो में मुख्य आरोपित बनाए गए पूर्व मुखिया विजय चौबे कथित रूप से मोहम्मद इमरोज को भीड़ से बचाने का प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं। परिजनों का दावा है कि राजनीतिक साजिश के तहत उन्हें मामले में फंसाया गया है। हालांकि वीडियो की प्रामाणिकता और उसकी जांच को लेकर पुलिस की ओर से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

घटना जिस गांव में हुई। वहां पीड़िता और मृतक आरोपित का घर आमने-सामने है। टंडवा थाना के बडगांव में वर्षों से पड़ोसी रहे दोनों परिवारों के बीच इस घटना के बाद तनाव का माहौल है। सुरक्षा के मद्देनजर पीड़िता और उसके माता-पिता को पुलिस संरक्षण में रखा गया है, जबकि गांव में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। पूरे इलाके में शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है।

छात्रों का मुद्दा राज्य का सबसे ज्वलंत मुद्दा, मामले को विधानसभा सत्र में प्रमुखता से उठाएगी भाजपा: बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड एनडीए विधायक दल की बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस दौरान संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह भी मुख्य रूप से मौजूद थे।

बैठक के बाद मीडिया को ब्रीफिंग करते हुए मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने कहा कि इस बैठक के पूर्व नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में एनडीए के विधायक 12 दिनों से आंदोलनरत छात्रों से जयपाल सिंह स्टेडियम में जाकर मिले। हमारी पार्टी ने छात्रों से उनकी बातों को गंभीरतापूर्वक सुना। छात्रों से वार्ता करने के बाद आयोजित बैठक में पार्टी के सभी विधायकों का एक ही निर्णय हुआ कि अभी राज्य में छात्रों का मुद्दा सबसे जवलंत मुद्दा है। राज्य सरकार झारखंड में युवाओं का भविष्य बेचने का काम कर रही है, इनका भविष्य पूरी तरह अंधकारमय हो चुका है।

उन्होंने कहा कि जेपीएससी परीक्षा के बाद पेपर लीक नहीं बल्कि पेपर फिक्स का साक्ष्य सामने आ रहा है। यहां नौकरी को बेचा गया है। कम मार्क्स वाला अभ्यर्थी पास कर गया और जो ज्यादा मार्क्स लाया, वह फेल कर गया। राज्य सरकार के आशीर्वाद से परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी ने घोटाले को अंजाम दिया है।

उन्होंने कहा कि सीआईडी जांच पर छात्रों का साफ कहना है कि यह महज आईवॉश है। 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा तत्काल रद्द हो। जांच में पता चला है कि दो नाम वाला अभय तिवारी एजेंसी में मार्केटिंग मैनेजर होने के बलबूते वह 13 में से 12 परीक्षा पास किया है। कुछ कुछ परीक्षा में तो टॉप भी किया है। यहां उसने नौकरी के नाम पर 20-30 लाख रुपये वसूला। सरकारी सांठगांठ से नौकरी बेचा गया।

उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी की मांग है कि 2019 के बाद की सभी परीक्षाओं की जांच उच्च न्यायालय की देखरेख में सीबीआई करे। साथ ही नैतिकता के नाते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी तत्काल इस्तीफा दे देनी चाहिए। इसकी मांग भी हमारी पार्टी करती है।

वहीं उन्होंने दिल्ली और झारखंड के मुद्दे पर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियों के नेताओं पर दोहरी राजनीति करने की बात कही। कहा कि दिल्ली में धरना देने वाले छात्रों का कांग्रेस नेता राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव सहित अन्य पीठ थपथपाने गए थे, लेकिन झारखंड में छात्रों का सपोर्ट करने ये लोग नहीं आये।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जांच की मांग कर रही है और अगर हेमंत सरकार उनकी नहीं सुन रही है तो झारखंड सरकार से कांग्रेस को अपना समर्थन तुरंत वापस ले लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम सभी एनडीए के विधायक 12 अगस्त तक चलने वाली विधानसभा सत्र के दौरान छात्रों की मांग को पूरी मुखरता और मजबूती से उठाएंगे।

बैठक में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल, सीपी सिंह, मनोज यादव, सत्येंद्र नाथ तिवारी, डॉ नीरा यादव, अमित कुमार यादव, आलोक चौरसिया, देवेंद्र कुंवर, नागेंद्र महतो, रौशनलाल चौधरी, कुमार उज्जवल, रागिनी सिंह, शत्रुघन महतो, मंजु कुमारी, आजसू विधायक निर्मल महतो, लोजपा विधायक जनार्दन पासवान भी मौजूद रहे।

राजकीय श्रावणी मेला 2026: श्रद्धालुओं की समस्याओं का तुरंत होगा समाधान, मेला क्षेत्र में लागू हुई क्यूआर कोड स्कैन सुविधा

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला 2026 के अवसर पर बाबा बैद्यनाथ की नगरी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा नई तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया ने बताया कि मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की समस्याओं के त्वरित निवारण हेतु 'क्यूआर कोड शिकायत-समाधान' सुविधा शुरू की गई है। मेला क्षेत्र, कांवड़िया रूटलाइन, होल्डिंग प्वाइंट, प्रशासनिक व स्वास्थ्य शिविरों और शौचालयों के पास लगे क्यूआर कोड को स्कैन करते ही एक फॉर्म खुलेगा। श्रद्धालु साफ-सफाई, पेयजल, अथवा अन्य किसी असुविधा से संबंधित शिकायत के साथ फोटो भी अपलोड कर सकते हैं। कंट्रोल रूम में बनाए गए विशेष मॉनिटरिंग सेल में सूचना मिलते ही संबंधित विभाग की टीम को तत्काल मौके पर भेजकर समस्या का तुरंत समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

आदिवासी महोत्सव की तैयारियों पर अपर मुख्य सचिव ने मोराबादी मैदान का किया निरीक्षण

तैयारियां समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी की जाएं: वंदना दादेल

बिभा संवाददाता

रांची। गृह विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती वंदना दादेल ने मोराबादी मैदान में आयोजित होने वाले आदिवासी महोत्सव 2026 की तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आयोजन स्थल पर चल रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट कहा कि सभी तैयारियां समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी की जाएं।

दादेल ने सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं आगंतुकों की सुविधा से जुड़े सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि महोत्सव में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा आयोजन राज्य की सांस्कृतिक गरिमा के अनुरूप भव्य और सुव्यवस्थित हो। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंच निर्माण, स्टॉल व्यवस्था, पार्किंग और भीड़ प्रबंधन की तैयारियों का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा कि सभी एजेंसियां मिलकर कार्य करें ताकि आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

इस अवसर पर कल्याण आयुक्त श्री कुलदीप चौधरी, विशेष सचिव, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग श्री राजीव लोचन बक्शी, उपायुक्त रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री, ळफक्क निदेशक श्री आलोक एस कच्छप, नगर पुलिस अधीक्षक पारस राणा सहित कई विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व रेलवे के निरंतर प्रयासों से माल ढुलाई प्रदर्शन में उल्लेखनीय वृद्धि

कोलकाता,: प्रतिदिन लाखों यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाने के लिए प्रसिद्ध पूर्व रेलवे ने यह सिद्ध किया है कि उसकी क्षमता केवल यात्री सेवाओं तक सीमित नहीं है। अपनी माल ढुलाई सेवाओं में निरंतर वृद्धि के माध्यम से पूर्व रेलवे अर्थव्यवस्था को गति देने, क्षेत्रीय उद्योगों को समर्थन प्रदान करने तथा स्थानीय समुदायों को प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। रेलवे जोन ने अपनी माल परिवहन क्षमता का विस्तार करते हुए वर्ष-दर-वर्ष उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, जिससे क्षेत्र की औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला और अधिक मजबूत हुई है। 1 अप्रैल, 2026 से 31 जुलाई, 2026 की अवधि के माल परिवहन के आँकड़ों का 1 अप्रैल, 2025 से 31 जुलाई, 2025 की समान अवधि से तुलनात्मक विश्लेषण सभी प्रमुख परिचालन मानकों में उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है। चालू वित्तीय वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान विभिन्न वस्तुओं की कुल 33.391 मिलियन टन माल लदान दर्ज किया गया, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में यह 32.599 मिलियन टन था। इस प्रकार माल लदान में 2.43 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। माल ढुलाई की इस वृद्धि के परिणामस्वरूप माल राजस्व भी बढ़कर ?3,192.97 करोड़ हो गया, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में यह ?3,044.11 करोड़ था। इस प्रकार माल राजस्व में 4.89 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आयातित कोयले का परिवहन इस उपलब्धि का प्रमुख आधार रहा। आयातित कोयले की लदान मात्रा में 7.29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले वित्तीय वर्ष के 21.567 मिलियन टन से बढ़कर चालू वित्तीय वर्ष में 23.14 मिलियन टन हो गई। इसके परिणामस्वरूप कोयला माल ढुलाई से प्राप्त राजस्व में 13.22 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई और यह बढ़कर ?2,263.20 करोड़ हो गया, जबकि वर्ष 2025 की समान चार माह की अवधि में यह ?1,998.95 करोड़ था। यह उपलब्धि थोक ऊर्जा लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में पूर्व रेलवे की बढ़ती भागीदारी और सुदृढ़ होती बाजार स्थिति को रेखांकित करती है। माल ढुलाई के इस निरंतर बेहतर प्रदर्शन का प्रत्यक्ष लाभ स्थानीय अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन को प्राप्त हो रहा है। कोयले की निर्बाध आपूर्ति से घरों, अस्पतालों तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों को निरंतर विद्युत उपलब्ध हो रही है। रेल के माध्यम से किफायती माल परिवहन स्थानीय बाजारों में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को स्थिर बनाए रखने में सहायक है। व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं, वहीं अतिरिक्त राजस्व के माध्यम से पूर्व रेलवे पटरियों के आधुनिकीकरण, स्टेशनों पर स्वच्छ एवं बेहतर यात्री सुविधाओं के विकास तथा आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण में निरंतर निवेश कर रहा है, जिसका लाभ प्रतिदिन लाखों यात्रियों को प्राप्त हो रहा है। पूर्व रेलवे सतत एवं समावेशी क्षेत्रीय विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अपने माल परिवहन नेटवर्क के विस्तार तथा सेवाओं के निरंतर सुदृढ़ीकरण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

सहरसा-बरौनी-शाहपुर पटोरी-हाजीपुर-बलिया-गाजीपुर-वाराणसी-प्रयागराज के रास्ते सुपौल और नई दिल्ली के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर: यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है ।इसी कड़ी में सुपौल और नई दिल्ली के मध्य सहरसा-मानसी- खगड़िया-बरौनी-शाहपुर पटोरी-हाजीपुर-बलिया-गाजीपुर सिटी-वाराणसी-प्रयागराज के रास्ते गाड़ी संख्या 04072/04071 नई दिल्ली-सुपौल-नई दिल्ली स्पेशल के परिचालन का निर्णय लिया गया है ।इस स्पेशल में तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 03 कोच, शयनयान श्रेणी के 08 कोच, साधारण श्रेणी के 04 कोच एवं एसएलआरडी के 02 कोच सहित कुल 16 कोच होंगे । गाड़ी संख्या 04072 नई दिल्ली-सुपौल स्पेशल 06.08.2026 से 30.09.2026 तक प्रतिदिन को नई दिल्ली से 21.35 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए दूसरे दिन 20.53 बजे सोनपुर, 21.05 बजे हाजीपुर, 22.10 बजे शाहपुर पटोरी, तीसरे दिन 00.35 बजे बरौनी, 01.03 बजे बेगुसराय, 02.18 बजे खगड़िया, 02.40 बजे मानसी, 03.10 बजे सिमरी बख्तियारपुर, 03.45 बजे सहरसा रूकते हुए 06.35 बजे सुपौल पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 04071 सुपौल-नई दिल्ली स्पेशल 08.08.2026 से 02.10.2026 तक प्रतिदिन सुपौल से 07.45 बजे खुलकर 09.35 बजे सहरसा, 10.08 बजे सिमरी बख्तियारपुर, 10.53 बजे मानसी,11.05 बजे खगड़िया, 11.38 बजे बेगुसराय, 12.20 बजे बरौनी, 13.30 बजे शाहपुर पटोरी, 14.50 बजे हाजीपुर, 15.05 बजे सोनपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 15.00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी ।

रांची-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल ट्रेन के फेरों में विस्तार, बदला गया मार्ग और समय

रांची। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ और सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्रालय ने रांचीझ्रआनंद विहार टर्मिनलझ्ररांची स्पेशल ट्रेन (संख्या 02877/02878) की परिचालन अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही ट्रेन के मार्ग, समय-सारिणी और ठहराव में भी संशोधन किया गया है।

रांची -आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल (ट्रेन संख्या 02877): यह ट्रेन 8 अगस्त 2026 से 26 सितंबर 2026 तक प्रत्येक शनिवार को रांची से प्रस्थान करेगी (कुल 8 ट्रिप)। रांची से शाम 17:40 बजे खुलकर यह लोहरदगा (18:50), टोरी (19:43), डालटनगंज (21:03), गढ़वा रोड (22:30), सासाराम (00:45), पं. दीनदयाल उपाध्याय (02:50), सूबेदारगंज (06:00), गोविंदपुरी (08:40) और टूंडला (11:50) होते हुए अगले दिन रविवार शाम 18:00 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी।

आनंद विहार टर्मिनल -रांची स्पेशल (ट्रेन संख्या 02878) : वापसी में यह ट्रेन 9 अगस्त 2026 से 27 सितंबर 2026 तक प्रत्येक रविवार को आनंद विहार टर्मिनल से रवाना होगी (कुल 8 ट्रिप)। आनंद विहार से शाम 19:30 बजे प्रस्थान कर यह टूंडला, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पं. दीनदयाल उपाध्याय, सासाराम, गढ़वा रोड, डालटनगंज, टोरी और लोहरदगा होते हुए सोमवार शाम 18:35 बजे रांची पहुंचेगी। ट्रेन का कोच संयोजन पूर्ववत रहेगा।

उत्तर मध्य रेलवे की फ्रेट लोडिंग में 7.6% की शानदार वृद्धि

अप्रैल-जुलाई 2026-27 के दौरान 7.24 मिलियन टन का उत्कृष्ट माल लदान किया गया

बिहान भारत

प्रयागराज : उत्तर मध्य रेलवे ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के प्रथम चार माह (अप्रैल से जुलाई) की अवधि के दौरान माल लदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन दर्ज किया है। इस अवधि में उत्तर मध्य रेलवे ने कुल 7.24 मिलियन टन माल का लदान किया है, जो कि गत वर्ष की समान अवधि (अप्रैल-जुलाई 2025-26) में दर्ज किए गए 6.73 मिलियन टन की तुलना में 7.6% अधिक है।

वस्तुवार निष्पादन का विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि उत्तर मध्य रेलवे ने खाद्यान्न, सीमेंट तथा कंटेनर परिवहन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। चालू वित्त वर्ष की इस अवधि में खाद्यान्न के लदान में 70.3% की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई, वहीं, लॉजिस्टिक्स एवं औद्योगिक सुगमता को गति देने वाले कंटेनर परिवहन में 13.0% की बढ़ोतरी तथा सीमेंट के लदान में 11.6% की वृद्धि के साथ 1.35 मिलियन टन सीमेंट लदान निष्पादित किया गया। इसके अतिरिक्त, अन्य वस्तुओं के लदान में भी 9.9% की वृद्धि दर्ज करते हुए 1.88 मिलियन टन का लदान हुआ, जबकि पेट्रोलियम एवं तेल मद में 2.25 मिलियन टन का माल परिवहन किया गया।

मंडलवार प्रदर्शन पर दृष्टि डालें तो उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने माल लदान में 30.1% की प्रभावी वृद्धि दर्ज की है। प्रयागराज मंडल का कुल लदान गत वर्ष के 2.29 मिलियन टन से बढ़कर 2.98 मिलियन टन पहुंच गया, जिसमें मुख्य रूप से खाद्यान्न लदान में हुई 257% तथा सीमेंट में हुई 42.9% की शानदार बढ़ोतरी का योगदान रहा। इसी क्रम में, झांसी मंडल ने 3.1% की सकारात्मक वृद्धि दर्ज करते हुए कुल 3.28 मिलियन टन का माल लदान किया, जिसमें खाद्यान्न में 26.7% एवं अन्य वस्तुओं में 14.3% की बढ़त शामिल है। वहीं, आगरा मंडल द्वारा लगभग 1 मिलियन टन का लदान किया गया। ज्ञात हो कि, आगरा मंडल ने कंटेनर श्रेणी में 33.3% की सराहनीय वृद्धि दर्ज की है।

उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए उत्तर मध्य रेलवे को निर्धारित कुल 22.98 मिलियन टन माल लदान के वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष, रेलवे ने प्रथम चार माह में ही 31.5% लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। उत्तर मध्य रेलवे माल परिवहन संचालन की दक्षता में सुधार, वैगन उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा लॉजिस्टिक्स तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

पूर्व रेलवे ने 780 से अधिक अधिकारियों की विशाल वर्चुअल बैठक में परिचालन सुरक्षा पर शून्य सहिष्णुता नीति को किया सख्ती से लागू

बिहान भारत

कोलकाता: पूर्व रेलवे ने आज परिचालन सुरक्षा पर एक व्यापक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसकी अध्यक्षता महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पांडेय ने की। इस उच्चस्तरीय बैठक में विभिन्न परिचालन श्रेणियों के 780 से अधिक अधिकारियों एवं अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों ने भाग लिया। इनमें स्टेशन मास्टर, ट्रेन मैनेजर, परिवहन निरीक्षक, शंटिंग मास्टर, प्वाइंट्समैन, गेटमैन तथा परिचालन अधिकारी शामिल थे।

बैठक में प्रमुख रूप से प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री नीरज वर्मा, मुख्य यातायात योजना प्रबंधक श्री रूपेश कुमार, नियमों के उप मुख्य परिचालन प्रबंधक (डीवाई.कॉम./रूल्स/ईआर) एवं कार्यक्रम के समन्वयक श्री एस.सी. जैन सहित विभिन्न प्रधान विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

ट्रेन परिचालन, समपार फाटक, कार्यप्रणालियों तथा फील्ड सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते हुए महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पांडेय ने सुरक्षा के प्रति ₹शून्य सहिष्णुता₹ नीति पर विशेष बल दिया। उन्होंने सभी कर्मचारियों को निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने, फील्ड स्तर पर निगरानी को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा चिन्हित समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मंडलों को प्रचलित नियमों एवं निर्देशों का कठोरता से अनुपालन सुनिश्चित करने का भी आदेश दिया।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान विभिन्न मंडलों के फील्ड कर्मचारियों से सीधे संवाद कर परिचालन संबंधी महत्वपूर्ण अनुभवों एवं जमीनी वास्तविकताओं की समीक्षा की गई।

मालदा मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए साहिबगंजझ्रभागलपुर सेक्शन के सेक्शनल ट्रैफिक इंस्पेक्टर श्री बृजभूषण तिवारी ने बताया कि 15-दिवसीय सुरक्षा अभियान के दौरान उनके पूरे क्षेत्राधिकार में ट्रैक एवं उपकरणों की सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाएं विधिवत सुनिश्चित की गईं। उन्होंने बताया कि नॉन-इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेटों के संचालन संबंधी नियमों पर कर्मचारियों की काउंसलिंग की गई तथा स्टेशन मास्टर एवं गेटमैन के बीच हुई वास्तविक वॉयस रिकॉर्डिंग की समीक्षा कर मौके पर ही आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया।

हावड़ा मंडल के रामपुरहाट के ट्रैफिक इंस्पेक्टर श्री अरुण कुमार साहा ने बताया कि उनके सेक्शन में 15 नॉन-इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेट हैं, जिनमें से 6 केवल मोरेग्राम स्टेशन के अंतर्गत स्थित हैं। उन्होंने स्टेशन मास्टरों पर समन्वय के बढ़ते कार्यभार को कम करने के लिए इन गेटों को चरणबद्ध तरीके से इंटरलॉक्ड गेटों में परिवर्तित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी बताया कि कर्मचारियों की नियमित काउंसलिंग की जा रही है तथा गेटमैन को यह सख्त निर्देश दिए गए हैं कि स्टेशन मास्टर के साथ प्राइवेट नंबर का आदान-प्रदान करते समय वे स्पष्ट रूप से ₹गेट बंद है₹ दोहराएं, ताकि ट्रेन परिचालन से पहले गेट बंद होने की सकारात्मक पुष्टि सुनिश्चित हो सके।

सियालदह मंडल के देउला स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक श्री अब्दुल रहमान गाजी ने बताया कि स्टेशन के प्लेटफॉर्म की प्रकाश व्यवस्था ट्रैक्शन विद्युत आपूर्ति से जुड़ी नहीं है। परिणामस्वरूप स्थानीय विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर प्लेटफॉर्म पूरी तरह अंधकारमय हो जाते हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा एवं स्टेशन संचालन प्रभावित होता है।

आसनसोल मंडल के पारबेलिया (टीआई/पीएडब्ल्यू) के ट्रैफिक इंस्पेक्टर श्री विनय कुमार ने टोपसी एवं बाराबनी सेक्शन के बीच स्थित 15 नॉन-इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेटों का उल्लेख करते हुए सुझाव दिया कि इन्हें लिमिटेड हाइट सबवे, रोड हाइट सबवे के माध्यम से बंद किया जाए अथवा सीधे इंटरलॉक्ड गेटों में परिवर्तित किया जाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंस का समापन प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक (पीसीओएम/ईआर) श्री नीरज वर्मा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे का समस्त परिचालन कर्मचारी को बहुमूल्य समय, मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायक निर्देश प्रदान करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

यह व्यापक सुरक्षा पहल परिचालन स्तर पर मौजूद चुनौतियों की जमीनी स्तर पर पहचान करने तथा आधारभूत संरचना संबंधी समस्याओं के प्रभावी समाधान के प्रति पूर्व रेलवे की सक्रिय एवं दूरदर्शी कार्यशैली को दर्शाती है। अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों एवं वरिष्ठ नेतृत्व के बीच प्रत्यक्ष संवाद की यह व्यवस्था पूर्व रेलवे की सतत सुरक्षा ऑडिट, नियमों के कठोर अनुपालन तथा सभी मंडलों में सुरक्षित, निर्बाध एवं दुर्घटनामुक्त रेल परिचालन सुनिश्चित करने की दृढ़ प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करती है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com